जबलपुर, रविवार 9 फरवरी 2025 ■ माघ मास शुक्ल पक्ष -12 ■ वर्ष : 19, अंक : 277 ■ पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *
मौसम अधि. 26 न्यून. 11
haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

दिल्ली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीत की खुशियों के रंग से खेली होली

ये है मोदी मैजिक

1 देश में जीत की गारंटी बने पीएम मोदी

2 पहले महाराष्ट्र व हरियाणा, फिर दिल्ली

3 अब बिहार में भी 'चौका' मारने की तैयारी

भाजपा की दिल्ली में प्रचंड जीत 'वैकल्पिक राजनीति' हुई फेल

अब दिल्ली के 'दिल' में मोदी, 27 साल बाद होगा भाजपा का 'राजतिलक'

मोदी ने कहा...और, मतदाताओं ने 'होली से पहले' ही उड़ा दिया केसरिया रंग

दिल्ली भाजपा की 'हो-ली'

ये दिग्गज जीते

अतिशी मार्लेना (आप), कालकाजी

कैलाश गहलोत (भाजपा), बिजवासन

कपिल मिश्रा (भाजपा),करावल

आप के टॉप लीडर्स को भी चटाई धूल केजरीवाल,सिसोदिया व सौरभ भारद्वाज हारे बाकी जो भी जीते हारते-हारते जीते आतिशी ब-मुश्किल सीट बचा सकीं

कांग्रेस ने अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा। खाता तक नहीं खुला, हर बार की तरह जीरो पर आउट, पर आप का खेल बिगाड़ा, 14 सीटों पर कांग्रेस ने आप का हराया

5 कारण जिनसे आप 'हारी'

1. केजरीवाल लगातार झूठे साबित हुए- जैसे, पानी, बिजली, महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्कूल
2. शराब कांड ने विश्वास उठाया, नैतिक क्षरण हुआ
3. यमुना में प्रदूषण गले की फांस बन गया
4. लगातार भ्रष्टाचार के मामले काल बन गए
5. शीशमहल वाले मुद्दे का स्पष्टीकरण नहीं दे सके

5 कारण जिनसे भाजपा जीती

1. केंद्र और दिल्ली की लड़ाई में लोगों ने 'केंद्र' को चुना
2. पीएम मोदी का वह भरोसा कि मैं दिल्ली की खुद सेवा करुंगा, ने जीत दिलाई
3. युमना को लेकर वादा- साबरमती फ्रंट जैसा बनाएंगे
4. दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त करेंगे
5. दिल्ली को भ्रष्टाचार मुक्त करेंगे

ये दिग्गज हारे

मनीष सिसोदिया (आप), जंगपुरा

रमेश बिधूड़ी (भाजपा), कालकाजी

सौरभ भारद्वाज (आप), ग्रेटर कैलाश

अब केजरीवाल और आप का क्या होगा?

■ माना जा रहा है कि उनको पार्टी के भीतर से ही चुनौती मिलेगी। वे साइडलाइन किए जा सकते हैं। ■ पार्टी की कमान किसी और को सौंपी जा सकती है। ■ केजरीवाल राज्यसभा भी जा सकते हैं। ■ भगवंत मान उनको पंजाब में मान दे सकते हैं। वहां से वे राज्यसभा जा सकते हैं। ■ आप टूट भी सकती है। उसके जीते विधायक भाजपा का दामन थाम सकते हैं।

प्रवेश मप्र के हैं दामाद

नई दिल्ली सीट से ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले प्रवेश वर्मा की ससुराल धार में जमकर जश्न मनाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने धार से उनकी सास और मौजूदा भाजपा विधायक नीना वर्मा के निवास स्थान पर जमकर आतिशबाजी की। ससुर विक्रम वर्मा पूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। प्रवेश के तीन बच्चे हैं, एक बेटा शिवेन सिंह और दो बेटियां सानिधि और प्रिशा। उनकी सास दिल्ली पहुंच गई हैं। प्रवेश दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र हैं। उनका जन्म 7 नवंबर 1977 को दिल्ली में हुआ था।

भाजपा ने यह भी किया

भाजपा ने माइक्रो मैनेजमेंट को प्राथमिकता दी। पार्टी ने दलित पूर्वांचली मतदाताओं और उत्तराखंड से आए प्रवासियों तक अपनी पहुंच बनाई। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और बंगाल के लोगों को साधने के लिए विशेष रणनीति बनाई।

किसका कितना वोट शेयर? दो प्रतिशत वोटों के अंतर से खेल	45 प्रतिशत : भाजपा
	43 प्रतिशत : आप
	06 प्रतिशत : कांग्रेस

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में दुर्दशा को प्राप्त हो गई। अरविंद केजरीवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी को चुनौती दी थी कि वे इस जन्म में तो उन्हें हरा नहीं पाएंगे। पर, वे इसी चुनाव में धूल-धूसरित हो गए। 70 सीटों वाली विधानसभा में आप को 22 सीटें मिली। 48 भाजपा को मिलीं। बहुमत के लिए 36 सीटें चाहिए। लिहाजा, यह भाजपा की प्रचंड जीत है। 27 साल बाद भाजपा सत्ता में आएगा और दिल्ली में उसका राजतिलक होगा। ये चुनाव पूरी तरह से आप के भ्रष्टाचार व झूठे वादों के खिलाफ लड़ा गया था।

अब शीशमहल का क्या होगा?

■ 52 करोड़ से बने केजरीवाल के बंगले का अब क्या होगा? भाजपा का सीएम संभवत: यहां नहीं रहेगा। माना जा रहा है कि इसे सर्किट हाउस बना दिया जाए।

भाजपा की प्रचंड जीत के बाद भाजपा मुख्यालय पहुंचे पीएम मोदी

यमुना मैया के जयकारे के साथ कहा- हम जीत का कर्ज विकास से चुकाएंगे

शॉर्टकट की राजनीति का 'शॉर्ट सर्किट'

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद पीएम मोदी ने शनिवार शाम को भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत यमुना मैया की जय के नारे के साथ की। आज दिल्ली में दिल्ली के लोगों में एक उत्साह भी है और सुकून भी है। उत्साह विजय का है, सुकून दिल्ली को आप-दा से मुक्त कराने का है। आपने दिल खोलकर प्यार दिया। मैं दिल्लीवालों को नमन करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आपके इस प्यार को विकास के लॉन्ग रूट पर हम लौटाएंगे। दिल्ली के लोगों का ये प्यार ये विश्वास हम सभी पर एक कर्ज है। दिल्ली की डबल इंजन सरकार दिल्ली का डबल तेजी से विकास करके ये कर्ज चुकाएगी। उन्होंने कहा कि आंडबर, अराजकता और अहंकार की हार हुई। पीएम ने कहा कि आज देश तुष्टिकरण नहीं, बल्कि भाजपा के संतुष्टिकरण की पॉलिसी को चुन रहा है। टकराव, प्रशासनिक अनिश्चितता ने दिल्ली के लोगों का बहुत नुकसान किया है। पीएम ने कहा- दिल्ली का मालिक होने का जिन्हें घमंड था, उनका सच से सामना हो भी गया है। दिल्ली के जनादेश से स्पष्ट है कि राजनीति में शॉर्ट कट के लिए, झूठ और फरेब के लिए कोई जगह नहीं है। जनता ने शॉर्ट कट वाली राजनीति का शॉर्ट सर्किट कर दिया है। दिल्ली के विकास के सामने से एक रुकावट आप सब दिल्लीवासियों ने दूर कर दी है। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पीएम मोदी का स्वागत किया। उन्होंने कहा- यह चुनाव और इससे पहले का लोकसभा चुनाव में दिल्ली की जनता ने एकमत संदेश दिया।

भावुक हुए अन्ना हजारे...कहा वह रास्ता छोड़ गए

अन्ना हजारे यह कहते हुए भावुक हो गए कि उन्होंने केजरीवाल को बहुत समझाया, लेकिन उन्होंने समाज के बारे में नहीं सोचा और राजनीति में चले गए। उन्होंने कहा कि मुझे उससे बहुत उम्मीद थी, मैंने उसे बहुत सारा प्यार दिया था, लेकिन वह रास्ता छोड़ गए। चुनाव लड़ते समय उम्मीदवार का आचार विचार और चरित्र शुद्ध होना चाहिए ये शराब में लिप्त रहे।

केजरीवाल ने हार स्वीकार की, बोले लोगों की सेवा करते रहेंगे

अरविंद केजरीवाल ने अपनी हार स्वीकर कर ली है। उन्होंने एक वीडियो मैसेज के जरिए लोगों से कहा कि हम जनता के जनादेश को बहुत विनम्रता से स्वीकार करते हैं। हम न केवल एक रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे बल्कि लोगों के बीच रहेंगे और उनकी सेवा करते रहेंगे।

गदगद हुए सीएम मोहन- आप-दा से मुक्त हुई दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दिल्ली में खिला विकास का कमल। यह महाविजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों, विकसित भारत-भ्रष्टाचार मुक्त दिल्ली, सुशासन के संकल्प व दिल्ली की जनता के समर्थन और आशीर्वाद का सुफल है। आप-दा से मुक्त हुई दिल्ली।

प्रवेश बोले- राजधानी पर सबको गर्व होगा

प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली में बनने जा रही यह सरकार पीएम मोदी के विजन को दिल्ली में लेकर आएगी। मैं इस जीत का श्रेय पीएम मोदी को देता हूं। हमारी प्राथमिकता महिलाओं को 2500 रुपए देना, भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी बनाना, यमुना रिवरफ्रंट, प्रदूषण कम करना, ट्रैफिक जाम कम करना होगी। हम ऐसी राजधानी बनाएंगे जिस पर सभी को गर्व होगा।

शादी समारोह से लौट रहे पति पत्नी की सड़क हादसे में मौत

रतलाम। शादी समारोह से लौट रहे बच्चों सहित पति पत्नी की सड़क हादसे में मौत हो गई। ये हादसा उस वक्त हुआ जब इंदौर-रतलाम फोरलेन पर सिमलावदा के निकट झालरापाड़ा पर खड़े एक ट्रक में उनकी कार घुस गई। ये दोनों कार से रतलाम आ रहे थे कि इनकी गाड़ी सड़क पर खड़े एक ट्रक में जा घुसी। हादसे में मृत महिला झन्ना गामड़ बतौर आरक्षक के पद पर रतलाम के माणक चौक थाने में पदस्थ थी। दो बच्चों की जान बच गई। सड़क दुर्घटना सुबह चार बजे के लगभग इंदौर-रतलाम फोरलेन पर सिमलावदा के निकट झालरापाड़ा की है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की ओर से पवित्र संगम में लगाई आस्था की डुबकी

उज्जैन सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन के 'संकल्प' के साथ आया हूं प्रयागराज

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महाकुंभ सनातन संस्कृति का गौरवशाली उत्सव है। विशेष ग्रह नक्षत्रों के शुभ संयोग में होने वाले महाकुंभ में सभी की आस्था का प्रकटीकरण होता है। साथ ही साधु-संतों के सान्निध्य में आत्मिक और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर भी प्राप्त होता है। भारत वर्ष में प्रत्येक 12 वर्ष में अलग-अलग चार नगरों में होने वाले कुंभ में स्नान का अवसर कई जन्मों के पुण्य से प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रयागराज के महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं को इस सौभाग्य के लिए शुभकामनाएं दी।

महाकुंभ में लगा महाजाम

श्रद्धालुओं का आना जारी, संगम से 10 से 15 किलोमीटर पहले अटके वाहन, महामंडलेश्वर से लेकर न्यायाधीश के वाहन फंसे

एजेंसी ▶▶ महाकुंभनगर (प्रयागराज)

तीर्थनगरी प्रयागराज में महाकुंभ का शनिवार को 27वां दिन था। एक बार फिर से महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है। महाकुंभ आयोजन से पहले ही 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद की गई थी, जो शुक्रवार को ही पूरी हो गई। शनिवार और जया एकादशी होने के कारण भारी तादाद में लोगों ने संगम पर डुबकी लगाई। 13 जनवरी से अब तक 40.68 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं।

अभी मेला 18 दिन और चलेगा। शनिवार को संगम से 10 से 15 किलोमीटर पहले से ही वाहन रेंगते रहे। पास धारक वाहनों को भी प्रवेश नहीं मिल रहा है। एंबुलेंस, महामंडलेश्वार और मजिस्ट्रेट से लेकर जजों के वाहन भी जाम में फंसे रहे। बड़े वाहनों की बात तो दूर साइकिल और बाइक सवार भी जाम में फंसकर बेहाल हैं। इसको लेकर फाफामऊ, नैनी और इंडियन प्रेस चौराहा सहित कई जगहों पर यात्रियों की पुलिसकर्मियों से तीखी नोकझोंक हुई। भीड़ ने पुलिस की बैरिकेडिंग को गिरा दिया और वाहन लेकर गुजर गए। घंटों से वाहन के आगे न बढ़ने पर उनके साथ चल रहे संतों की पुलिस से कहासुनी हो गई। संतों ने पुलिस की बैरिकेडिंग को जबरन हटा दिया।

1 13 जनवरी से अब तक 40.68 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके

2 8 से 10 घंटे का जाम झेलने के बाद भी श्रद्धालु संगम पहुंच रहे

महाकुंभ आयोजन से पहले ही 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद की गई थी, जो शुक्रवार को ही पूरी हो गई। शनिवार और जया एकादशी होने के कारण भारी तादाद में लोगों ने संगम पर डुबकी लगाई। 13 जनवरी से अब तक 40.68 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं।

बछरावां से टोल प्लाजा तक जाम ही जाम

यूपी के रायबरेली में आजकल लखनऊ-प्रयागराज एनएच हाईवे पर बछरावां से टोल प्लाजा तक दिन भर जाम लग रहा है। इस कारण बछरावां से टोल प्लाजा तक शनिवार सुबह 5 बजे से ही करीब 10 किलोमीटर की दूरी में जाम की स्थिति रही। कोतवाल पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि महाकुंभ में शाही स्नान के लिए लोग निजी वाहनों से प्रयागराज जा रहे हैं। जिस लिए टोल टैक्स से बछरावां तक का जाम की स्थिति है।

धामी आज करेंगे स्नान

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी आज संगम में स्नान करेंगे। छत्तीसगढ़ सरकार के सीएम विष्णु देव साय और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों समेत भाजपा के सांसद व विधायक 13 फरवरी को प्रयागराज में महाकुंभ में स्नान करेंगे। साय ने कहा कि 13 तारीख को मंत्रिमंडल के सभी सदस्य और पार्टी के विधायक महाकुंभ जा रहे हैं क्योंकि 144 वर्ष बाद ऐसा शुभ मुहूर्त आया है। हम सभी लोग पुण्य के भागी बनना चाहते हैं।

पुलिस कर रही अलर्ट

नाग वासुकी मंदिर की ओर चौराहे पर चारों ओर से श्रद्धालुओं की कतारें सेक्टर 18, 19 की तरफ बढ़ीं। पीपा पुल संख्या 13 पर पुलिस चौकी ने लगातार चेतावनी दी कि घाट पर भीड़ बढ़ रही है। इसलिए स्नान कर तुरंत लौट जाएं। झूसी में शास्त्री ब्रिज की तरफ से बैरिकेडिंग की गई है। जिन श्रद्धालुओं को सेक्टर 18-19 में जाना है। उन्हें भी पूरा शास्त्री ब्रिज पार करके जाना पड़ रहा है। श्रद्धालु पैदल ही शास्त्री ब्रिज को पार कर मेला परिसर में पहुंच रहे हैं। यहां दो किलोमीटर का सफर ढाई घंटे में तय हो रहा है। जिसके चलते व्हीकल कई घंटे फंसे रहते हैं।

आज शहर में वाहनों का प्रवेश नहीं

महाकुंभ मेले से वापसी के लिए कल्पवासी और अखाड़ों के साधु-संतों का मार्ग निर्धारित कर दिया गया है। इसके तहत अलग-अलग दिशाओं की ओर जाने के लिए अलग-अलग मार्गों का प्रयोग किया जाएगा। इसके अलावा लगातार उमड़ रही भीड़ को देखते हुए नौ फरवरी को शहर में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंध कर दिया गया है।

राजस्थान के सीएम भजनलाल ने किया स्नान

राजस्थान के सीएम भजनलाल ने शनिवार को संगम में स्नान किया। उनके साथ उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों, सांसदों एवं विधायकों का 180 सदस्यीय दल मौजूद रहा। वह सेक्टर-6 स्थित राजस्थान सरकार पवेलियन में कैबिनेट मीटिंग करेंगे। उन्होंने कहा कि महाकुंभ हमारी विरासत और संस्कृति का प्रतीक है। यह हमारे पूर्वजों और संतों की विरासत है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए गए इंतजामों के लिए सीएम योगी को धन्यवाद देता हू। वहीं, सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने 'एक्स' पर स्नान की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि मां गंगा, यमुना और सरस्वती के शुभाशीष से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य का वास हो।

खबर संक्षेप

अलास्का में विमान दुर्घटना, 10 की मौत

अलास्का। पश्चिमी अलास्का में एक छोटा यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसका मलबा शुक्रवार को बर्फ से ढंके समुद्र में मिला। इस दुर्घटना में विमान में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। अमेरिकी तट रक्षक बल के प्रवक्ता माइक सालेर्नो ने बताया कि विमान की अंतिम लोकेशन पर बचावकर्मी उसकी तलाश में जुटे थी तभी उनकी नजर विमान के मलबे पर पड़ी। पड़ताल के लिए दो तैराकों को समुद्र में उतारा गया। 'बेरिंग एयर' के विमान ने गुरुवार दोपहर को उनालाक्लीट से उड़ान भरी थी।

जवानों पर गोलीबारी कोई हताहत नहीं

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में शनिवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार एक जंगल में गश्त कर रहे सैनिकों पर गोलीबारी की गई, जिसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षा अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस संक्षिप्त गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इलाके में सख्त निगरानी करने के लिए कहा गया है। भारतीय सैनिक केरी सेक्टर के अग्रिम गांव में गश्त कर रहे थे, तभी सीमा पार जंगल में छिपे संदिग्ध आतंकवादियों ने कुछ राउंड गोलियां चलाईं।

गाजा में युद्धविराम समझौते का पालन

हमास ने तीन बंधक किए रिहा, इनमें एक महिला

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

हमास ने शनिवार को इजराइल के तीन और बंधकों को रिहा कर दिया। रिहाई से पहले तीनों बंधकों की हमास ने गाजा में हजारों लोगों के सामने परेड कराई। हमास ने बंधकों को रिहाई से पहले हजारों लोगों के सामने मंच पर पेश किया और उनसे बयान देने को कहा गया। जब बंधकों को रिहा किया जा रहा था तो मौके पर हमास के हथियारबंद लड़ाके बड़ी संख्या में मौजूद रहे। समझौते के तहत शनिवार को तीन और बंधकों को रिहा किया गया, इनमें तीन पुरुष शामिल हैं। बंधकों में एली शारबी (52), ओहद बेन अमी (56) और ऑर लेवी (34) शामिल हैं। 7 अक्टूबर, 2023 को सभी का अपहरण कर लिया गया था।

पहले चरण में 33 बंधकों को किया जाना है रिहा

छह हफ्ते तक चलने वाले पहले चरण के युद्धविराम समझौते में 33 इजराइली बंधकों को रिहा किया जाना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमास द्वारा जिन तीन बंधकों को रिहा किया गया है, उनमें एली शराबी (52 वर्षीय), ओहाद बेन एमी (56 वर्षीय) और ओर लेवी (34 वर्षीय) का नाम शामिल है। वहीं इजराइल द्वारा 183 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। एली शराबी को किबुत्ज बीरी से बंधक बनाया गया था। हमले में एली की पत्नी और बेटी की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। बेन एमी को भी किबुत्ज बीरी से ही बंधक बनाया गया था। हमले में बेन की पत्नी को भी बंधक बनाया गया था, लेकिन उन्हें नवंबर 2023 में छोड़ दिया गया था। लेवी एक कंप्यूटर प्रोग्रामर है, जिसे रिशोन लीजन इलाके से पकड़ा गया था। हमले में लेवी की पत्नी की हत्या हुई थी। दंपति का बेटा अन्य परिजनों के पास है।

कई खूंखार फिलिस्तीनी कैदी होंगे रिहा

अभी इजराइल और हमास के बीच दूसरे चरण के युद्धविराम को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। दूसरे चरण में करीब दर्जन भर इजराइली बंधक रिहा किए जा सकते हैं। वहीं शनिवार को रिहा किए जा रहे फिलिस्तीनी कैदियों में 18 लोग ऐसे हैं, जो उम्रकैद की सजा काट रहे हैं। वहीं 54 कई-कई वर्षों की सजा भुगत रहे हैं। वहीं 111 बंधक वे हैं, जिन्हें 7 अक्तूबर के हमले के बाद गाजा से पकड़ा गया था। रिहा किए जाने वाले कैदियों में इयाद अबु शखदम का नाम भी शामिल है। वह साल 2000 में इजराइल पर हुए हमले में शामिल था, जिसमें कई इजराइली नागरिक मारे गए थे। इयाद अबु शखदम को 18 बार उम्रकैद की सजा हुई थी। साथ ही जमाल अल तवैल का नाम भी शामिल है, वेस्ट बैंक के शहर अल बीरेह का मेयर रहा है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेशी डिप्लोमेट को तलब किया

कहा- हसीना के बयान निजी, हमारा वास्ता नहीं, हम पर झूठे आरोप लगाना बंद करें

बांग्लादेश के कार्यवाहक हाई कमिश्नर मोहम्मद नूरल इस्लाम को शुक्रवार शाम को साउथ ब्लॉक में तलब किया गया था। साथ ही उन्होंने शेख हसीना के बयान को निजी बताया और कहा कि उसे भारत से जोड़ना ठीक नहीं है।

भारत ने स्पष्ट किया हम बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं

बांग्लादेश की मांग पूर्व पीएम हसीना को बयान देने से रोकें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बांग्लादेश के कार्यवाहक हाई कमिश्नर मोहम्मद नूरल इस्लाम को शुक्रवार शाम को साउथ ब्लॉक में तलब किया गया था। साथ ही उन्होंने शेख हसीना के बयान को निजी बताया और कहा कि उसे भारत से जोड़ना ठीक नहीं है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि मोहम्मद नूरल को बताया गया कि भारत बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध चाहता है, जिसे हाल की उच्च स्तरीय बैठकों में कई बार दोहराया गया है।

लेकिन दुखद है कि बांग्लादेशी अधिकारी भारत के खिलाफ बयान दे रहे हैं और आंतरिक मामलों के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बांग्लादेश हम पर झूठे आरोप लगाना बंद करे। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने 6 फरवरी को बयान जारी कर भारत के समक्ष अपना विरोध जताया था। बांग्लादेश ने मांग की थी कि भारत को अपदस्थ पूर्व पीएम शेख हसीना को बयान देने से रोका जाए। यूनुस सरकार ने शीर्ष राजनयिक को बुलाकर कहा था कि शेख हसीना भारत में रहकर झूठे और मनगढ़ंत बयान दे रही हैं।

इतिहास अपना बदला लेता है: हसीना

दरअसल, 5 फरवरी को प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान 'बंगबंधु' के ढाका स्थित धनमंडी-32 आवास पर तोड़फोड़ की थी। इसके बाद हसीना ने फेसबुक पर अपने समर्थकों को संबोधित किया था। हसीना ने हमलावरों को चेतावनी देते हुए कहा था कि इतिहास अपना बदला लेता है। हसीना ने कहा था कि किसी ढांचे को मिटाया जा सकता है, लेकिन इतिहास को नहीं मिटाया जा सकता।

'बुलडोजर जुलूस' के बाद शुरू हुई हिंसा

5 फरवरी को हुई हिंसा की शुरुआत सोशल मीडिया पर 'बुलडोजर जुलूस' के ऐलान के बाद हुई। जब हमला हुआ, तब वहां सुरक्षाबल भी मौजूद थे। भीड़ को वहां से जाने के लिए समझाने की कोशिश की, लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं। कुछ उपद्रवी शेख मुजीब के आवास और संग्रहालय में भी घुस गए। बालकनी पर चढ़ गए और तोड़फोड़ की। बताया जा रहा है कि आवास में आगजनी भी की गई है।

तोड़फोड़ लोकतंत्र के लिए खतरा: बीएनपी

बांग्लादेश में शेख हसीना की विरोधी पार्टी बीएनपी ने इस घटना को लोकतंत्र खत्म करने की साजिश करार दिया था। बीएनपी नेता हाफिजुद्दीन अहमद ने कहा कि ढाका में शेख मुजीब के घर पर जिस तरह हमला हुआ, उससे अराजकता फैल सकती है। इस तरह की घटनाएं देश में अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यह घटना लोकतंत्र के लिए खतरा है।

घटना की कड़ी निंदा की जाए

भारत ने एक बयान में रहमान के आवास को ध्वस्त करने की निंदा करते हुए स्थल को 'वीर प्रतिरोध' का प्रतीक बताया। कहा वे सभी लोग जो बांग्ला पहचान और गौरव को पोषित करने वाले स्वतंत्रता संग्राम को महत्व देते हैं, वे बांग्लादेश की राष्ट्रीय चेतना के लिए इस निवास के महत्व से अवगत हैं। इस घटना की कड़ी निंदा की जानी चाहिए।

देशभर में हो रही तोड़फोड़ और आगजनी रोकेंगे: यूनुस

ढाका। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह देश भर में हो रही तोड़फोड़ और आगजनी पर रोक लगाएगी। अंतरिम सरकार ने यह बयान ऐसे वक्त दिया है जब देश के एक प्रमुख विपक्षी दल और पड़ोसी मुल्क भारत ने अपदस्थ पीएम शेख हसीना से जुड़े एक ऐतिहासिक घर पर हमले को लेकर चिंता व्यक्त की है। देश के विभिन्न हिस्सों में बुधवार रात से भीड़ हसीना के समर्थकों के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर तोड़फोड़ कर रही है। पूर्व सांसदों, कैबिनेट सदस्यों और हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं के कई प्रतिष्ठानों में आग लगा दी गई है। अंतरिम सरकार ने कहा कि हसीना द्वारा बांग्लादेश में अस्थिरता पैदा करने के लिए नियमित रूप से की गईं 'भड़काऊ' टिप्पणियों के कारण बुधवार को हमले हुए।

एलवीएम3 रॉकेट के ऊपरी चरण को पावर देने में इसरो को मिली कामयाबी

क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन का परीक्षण सफल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फिर एक बार नई उपलब्धि को हासिल किया है। इसरो ने शनिवार (8 फरवरी 2025) को बताया कि उसने क्रायोजेनिक इंजन का वैक्यूम इग्निशन ट्रायल सफलतापूर्वक कर लिया है। इसरो ने कहा कि उसने वैक्यूम परिस्थितियों में 'मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर' के साथ एलवीएम3 के ऊपरी चरण को पावर देने वाले स्वदेशी सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का सफलतापूर्वक प्रज्वलन परीक्षण किया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह परीक्षण यह परीक्षण शुक्रवार को तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन परिसर में उच्च स्थल परीक्षण प्रतिष्ठान में किया गया।

तमिनाडु के महेंद्रगिरि में प्रोपल्शन परिसर में किया गया है ट्रायल

19टी से 22टी तक के 'थ्रस्ट' स्तर पर काम करने के लिए मुफीद

कई परीक्षण कर रहा है इसरो

इसरो क्रायोजेनिक इंजन को फिर से शुरू करने की क्षमता बढ़ाने की दिशा में बूटस्ट्रैप मोड में इंजन शुरू करने के मकसद से एक के बाद एक परीक्षण कर रहा है। इससे पहले, मल्टी-एलिमेंट इग्नाइटर का इस्तेमाल करके इंजन इग्निशन परीक्षण वैक्यूम चैम्बर के बाहर जमीनी परिस्थितियों में किया गया था। इंजन पहले से ही एकल शुरुआत के साथ उड़ान में 19टी से 22टी तक के 'थ्रस्ट' स्तर पर काम करने के लिए मुफीद है। इसे तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र द्वारा विकसित किया गया था।

यह इंजन गगनयान मिशन के लिए

यह इंजन गगनयान मिशन के लिए काफी अहम है। इस मिशन के तहत भारत पहली बार अंतरिक्ष में इंसानों को भेजेगा। अंतरिक्ष में उड़ान के बीच में वैक्यूम परिस्थितियों में क्रायोजेनिक इंजन को दोबारा से शुरू करना पेचिदा है, इसलिए ऐसे हालात में इंजन को दोबारा शुरू करने के लिए इसरो केंद्रीय गैस प्रणाली के बजाय बूटस्ट्रैप मोड में टर्बोपंप के इस्तेमाल करने को लेकर खोज कर रहा है।

आधुनिक विमान प्रणालियों व रक्षा तकनीकों पर होगा मंथन

बेंगलुरु में चार दिवसीय 15वीं एयरो-इंडिया अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का हुआ शुभारंभ

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के बेंगलुरु में 15वीं द्विवार्षिक एयरो-इंडिया अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय यह कार्यक्रम डीआरडीओ के सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थीनेस एंड सर्टिफिकेशन (सेमीलेक) और एयरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एईएसआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि यह सेमिनार 10 से 14 फरवरी 2025 तक आयोजित होने वाले एयरो इंडिया 2025 शो के पहले आयोजित किया जा रहा है।

इस वर्ष सेमिनार का विषय "भविष्य की एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी : डिज़ाइन सत्यापन की चुनौतियां" रखा गया है। सेमिनार के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन जबकि डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

12 तकनीकी सत्र होंगे

सेमिनार में कुल 12 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे जिनमें अत्याधुनिक विमान प्रणालियों का डिजाइन और प्रमाणिकता, एयरवर्थीनेस व प्रमाणन के नवीन दृष्टिकोण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से एविएशन का भविष्य, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेंसिंग टेक्नोलॉजी में नवीनतम इनोवेशन, अगली पीढ़ी के प्रोपल्शन सिस्टम, सैन्य विमानन में उभरते रुझान तथा अंतरिक्ष में मानव मिशनों को आगे बढ़ाने वाले नवाचारों जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

दिग्गजों के बोल

कांग्रेस साथ देती तो नहीं हारती आप

भाजपा ने आम आदमी पार्टी के गढ़ दिल्ली में उसे हराकर अरविंद केजरीवाल को तगड़ा झटका दिया है। दिल्ली चुनाव के नतीजों पर तमाम नेताओं ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। आप की हार पर शिवसेना यूबीटी ने भी प्रतिक्रिया दी है। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने भी कांग्रेस और आप की लड़ाई को हार के लिए जिम्मेदार बताया।

और लड़ो आपस में! समाप्त कर दो एक-दूसरे को!

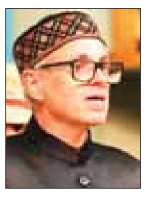

दिल्ली चुनाव के नतीजों पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी आनी शुरू हो गई हैं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बड़ी ही दिलचस्प प्रतिक्रिया दी है। उमर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'और लड़ो आपस में!' अब्दुल्ला ने एक जीआईएफ भी साझा किया है, जिसमें लिखा है कि 'जी भर कर लड़ो, समाप्त कर दो एक दूसरे को!'

भाजपा को जिताने के लिए राहुल को बधाई

कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन पर तंज कसते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने भाजपा को कथित तौर पर जीत दिलाने के लिए राहुल गांधी को बधाई दी। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में रामा राव ने कहा, 'भाजपा को एक बार फिर चुनाव जिताने के लिए राहुल गांधी को बधाई। बहुत अच्छा।

अहंकार रावण का भी नहीं बचा था...

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल का एक सोशल मीडिया पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें हिंदू महाकाव्य महाभारत से द्रौपदी के 'चीरहरण' को दिखाया गया है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि रावण का अहंकार भी नहीं बचा था।

हम प्राथमिकता से वादों को पूरा करेंगे

भाजपा के प्रवेश वर्मा ने कहा कि मैं नई दिल्ली के मतदाताओं, लाखों मेहनती कार्यकर्ताओं और पीएम नरेंद्र मोदी का शुक्रिया अदा करता हूं। यह वाकई उनकी जीत है। लोगों ने उन पर भरोसा जताया है। हमारी प्राथमिकता महिलाओं को 2500 रुपए देना, भ्रष्टाचार की जांच के लिए एसआईटी बनाना, यमुना रिवरफ्रंट, प्रदूषण कम करना, ट्रैफिक जाम कम करना होगी।

केजरीवाल का चैलेंज-इस जन्म में तो नहीं...

भाजपा की रिकॉर्ड जीत के बाद आप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।आप की हार के बाद आप प्रमुख केजरीवाल का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे अपनी पार्टी की जीत का दावा कर रहे थे। इस वीडियो में वे मंच से पपीएममोदी को चैलेंज कर रहे थे कि इस जन्म में पीएम मोदी उन्होंने नहीं हरा सकते।

पहली कैबिनेट में एसआईटी गठित होगी

दिल्ली में भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में ही एसआईटी का गठन होगा। सभी घोटालों की जांच होगी। माना जा रहा है एक बार फिर अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। वे जेल भी जा सकते हैं।

निर्लज्ज, आत्ममुग्ध व्यक्ति पर क्या संवेदना

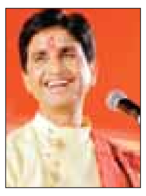

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप की करारी हार के बाद मशहूर कवि और कभी आप नेता रहे कुमार विश्वास ने अरविंद केजरीवाल को खरी-खोटी सुनाई है । विश्वास ने कहा कि आप के लाखों और करोड़ों कार्यकर्ता, जिनके बहुत ही निश्छल,निष्पाप और भारत की राजनीति को बदलने के बड़े सपने की हत्या एक निर्लज्ज, आत्ममुग्ध व्यक्ति ने की उसके प्रति क्या ही संवेदना रखना।

100वीं सफल विफलता, न बहू न ही बहुमत

परेश रावल ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया पोस्ट में राहुल गांधी की फोटो शेयर की गई, जिसमें लिखा, राहुल गांधी मानव इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने से कुछ घंटे दूर हैं- 100वीं सफल असफलता। रावल ने लिखा, एक मां का दर्द समझो । ना बहू मिलती हैं और ना ही बहूमत मिलता हैं।

सबको सदैव बेवकूफ नहीं बना सकते

भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ दिल्ली में सरकार बनाएगी। इस पर पार्टी की पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा की भी प्रतिक्रिया आई है। शर्मा ने वोट डालने के बाद स्याही लगी उंगली की तस्वीर शेयर की है। साथ ही एक्स पर शनिवार को की गई पोस्ट में लिखा है कि आप कुछ समय के लिए सभी लोगों को बेवकूफ बना सकते हैं और कुछ लोगों को हर समय बना सकते हैं, लेकिन आप सभी लोगों को हर समय बेवकूफ नहीं बना सकते। शर्मा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पोस्ट को भी री-पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता। जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें, ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है।

एलजी सक्सेना के आदेश पर तुरंत की गई कार्रवाई, आप की हार के बाद दिल्ली सचिवालय सील

सचिवालय में की गई तालाबंदी, किसी सूरत में रिकॉर्ड ,फाइल व डेटा नहीं जाने चाहिए बाहर

दिल्ली में भाजपा ने बड़ा बहुमत हासिल कर लिया है। भाजपा ने आप को जीत का चौका लगाने से रोक दिया। भाजपा ने 27 साल बाद सत्ता में वापसी की, वह भी प्रचंड बहुमत से।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ा बहुमत हासिल कर लिया है। भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) को दिल्ली में जीत का चौका लगाने से रोक दिया। अब भाजपा यहां 27 साल बाद सत्ता में वापसी की है, वह भी प्रचंड बहुमत से। अब उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक आदेश जारी किया है। इसमें सचिवालय के दस्तावेजों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का जिक्र करते हुए कहा गया है कि विभाग की अनुमति के बिना कोई भी फाइल, दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि दिल्ली सचिवालय परिसर के बाहर नहीं ले जाया जा सकता है। साथ ही सभी विभागों, एजेंसियों और मंत्रिपरिषद के कैंप कार्यालयों को निर्देश दिया गया है कि वे विभाग की अनुमति के बिना कोई भी रिकॉर्ड या फाइल न हटाएं।

पूरी सुरक्षा हो

आदेश में कहा कि निर्देश दिया जाता है कि सचिवालय में स्थित विभागों/कार्यालयों के अंतर्गत संबंधित शाखा प्रभारियों को उनके अनुभागों/शाखाओं के अंतर्गत अभिलेखों, फाइलों, दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक फाइलों आदि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए जाएं। पेन ड्राइव सुरक्षित रहे।

जीएडी की अनुमति लेना जरूरी होगी

दिल्ली सचिवालय में इस वक्त 'भगदड़' की स्थिति है। आपके कुछ नेता सचिवालय में नजर आए। इस बात का डर सताने लगा है कि कहीं गुपचुप तरीके से किसी अहम फाइल को अंदर से गायब न कर दिया जाए। जिसे देखते हुए दिल्ली सचिवालय के जनरल एडमिनिस्ट्रेटिव ब्रांच के ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रदीप तायल की तरफ से एक आदेश जारी किया गया। सचिवालय से कोई भी फाइल बिना अनुमति के बाहर नहीं जानी चाहिए। दिल्ली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दिल्ली चुनाव में आप की हार के बाद सरकारी दस्तावेजों और डेटा की सुरक्षा के लिए दिल्ली सचिवालय के अधिकारियों को पत्र लिखा है। प्रदीप तायल ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अभिलेखों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अनुरोध किया जाता है कि जीएडी की अनुमति के बिना दिल्ली सचिवालय परिसर से कोई भी फाइल या दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि बाहर न ले जाया जाए।

दिल्ली में इन चर्चाओं ने **पकड़ा जोर**

जहां पीएम मोदी ने किया था प्रचार वहां भाजपा को जबरदस्त 'फायदा'

इस चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी का प्रभाव भी देखने को मिला है। दरअसल, पीएम ने जहां-जहां प्रचार किया है, वहां भाजपा ने अधिकतर सीटों पर बाजी मार ली है। फिर चाहे वह पूरे जिले की बात हो या विधानसभा सीटों की। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रचार का सबसे बड़ा चेहरा खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। पीएम मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव का बिगुल तो काफी पहले फूंक दिया था, लेकिन अंतिम समय में उन्होंने दिल्ली के कुछ और जिलों को कवर करने की कोशिश की। दिल्ली के कुल 11 जिलों में से पीएम मोदी ने चार जिले उत्तर-पश्चिम दिल्ली, पूर्वोत्तर दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली और नई दिल्ली जिले में प्रचार किया।

राहुल-प्रियंका ने भी किया प्रचार, लेकिन...

कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का हाल बीते दो चुनावों की कहानी दोहरा रहा है। फिलहाल पार्टी का राजधानी में खाता भी खुलता नहीं दिख रहा है। ऐसे में दिल्ली में कांग्रेस के चुनाव प्रचार की तैयारियों को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। कई लोगों ने स्टार चेहरों के प्रभाव के बेअसर होने की बात कही है। कांग्रेस के दो प्रमुख नेताओं- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कई रैलियां की हैं।

मीम्स की नजर में दिल्ली चुनाव

सुकून के साथ कांग्रेस देखती रही चुनावी संग्राम

अरे, देखो कहां तक पहुंचे नतीजे?

कहा था न... शराब घर ही नहीं पार्टी भी बर्बाद करती है

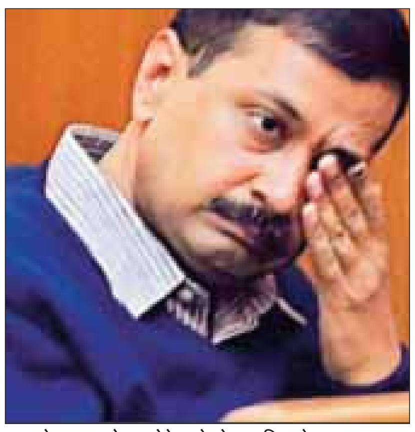

बहुत बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले

अब जाके आया मेरे बेचैन दिल को करार...

जीरो चेक कर लो सर...

बंगाल की भी बारी आएगी

नई दिल्ली

पीएम मोदी के चुनाव प्रचार के दौरान आखिरी रैली नई दिल्ली जिले में हुई। पीएम ने यहां के आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में जनता को संबोधित कर जिले की छह अन्य सीटों को साधने की तैयारी की। इनमें दिल्ली कैंट, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, पटेल नगर, आरके पुरम और राजेंद्र नगर सीट पर प्रभाव छोड़ने की कोशिश की।

पीएम ने जिसके 3 बार छुए पैर, मार लिया मैदान

पीएम मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अंतिम दौर के प्रचार के दौरान एक भाजपा प्रत्याशी के पैर छुए थे। 29 जनवरी को करतार नगर में हुई इस 'संकल्प रैली' में पीएम मोदी के इस अंदाज ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। उस शख्स की भी खूब चर्चा हुई थी, जिसके पैर पीएम मोदी ने छुए थे। पीएम मोदी ने जिस शख्स के पैर छुए थे, वह पटपड़गंज से भाजपा के प्रत्याशी रविंद्र सिंह नेगी थे। नेगी को जब मंच पर बुलाया गया तो उन्होंने सबसे पहले पीएम मोदी के पैर छुए। इसी के जवाब में पीएम मोदी ने तीन बार नेगी के पैर छुए थे। रविंद्र नेगी के सामने पटपड़गंज में बड़ी चुनौती थी। उनके सामने सोशल मीडिया पर फैमस और यूपीएससी एग्जाम की तैयारी करने वाले ओझा थे।

28 हजार मतों से जीते : पटपड़गंज की सीट जीतनानेगी के लिए आसान तो नहीं था लेकिन आप के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर में वे ओझा से पार पा गए। उन्होंने अवध ओझा को 28,072 मतों के विशाल अंतर से मात दी। उल्लेखनीय है कि पिछली बार रविंद्र सिंह नेगी ने इसी सीट पर मनीष सिसोदिया को कड़ी टक्कर दी थी।

मोदी की गारंटी की तोप चली, तिनका क्या पूरी झाड़ू ही बिखरी

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार भाजपा के प्रमुख चेहरा पीएम मोदी का जादू सिर पर चढ़कर बोला। भाजपा को पटखनी देने का दम भरने वाली आम आदमी का सूपड़ा साफ हो गया। कांग्रेस को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी है और उसका खाता अब तक नहीं खुला है इस तरह कांग्रेस का यह तीसरी बार शून्यपर आउटच होने का बड़ा रिपकॉर्ड ही बन गया। यहां बड़ा सवाल यह है कि आखिर पर्दे के पीछे वो कौन लोग या कारण थे, जिन्होंने इस चुनाव में बड़ा खेला किया

भाजपा ने मध्यम वर्ग को लुभाया
दिल्ली का मध्यम वर्ग आप से नाराज है। उसने इस बात का फायदा उठाते हुए मिडिल क्लास को सांत्वना देते हुए उनके साथ खड़े होने का मजबूती से वादा किया।

सुविधाओं की कमी
आप ने जनता की जरूरतों की उपेक्षा की। अपना हित साधने में जुटी रही। जनता काफी परेशान हो गई।

{ कवर स्टोरी / डॉ. ओम निश्चल }

वैसे तो मुहब्बत का कोई दिन मुकर्रर नहीं होता। ये कभी भी कहीं भी किसी को किसी से हो जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैलेंटाइन-डे को प्यार के वार्षिक उत्सव के रूप में मनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। मुहब्बत की कहानी तभी से शुरू हो गई थी, जब से इंसान ने धरती पर जन्म लिया। गुजरते वक्त के साथ इसकी मूल भावना भले न बदली हो पर इसके स्वरूप में बहुत बदलाव आ गए हैं। मुहब्बत की दास्तान और इसके बदलावों पर एक नजर।

दास्तान-ए-मुहब्बत
जज्बात वही-अंदाज नया

प्रेम ऐसा मानवीय अहसास है, जिससे कोई भी अछूता नहीं रहता। यह कुदरत की देन है। हमारी ऋतुएं भी प्रेम की बयार बहाने में मदद करती हैं।

बदल गया प्रेम का स्वरूप: इस वसुधा पर वसंत आता ही है, प्रेम का अहसास लेकर। वसंत और प्रेम का बहुत घना रिश्ता है। हमारा साहित्य प्रेम के ऐसे उद्गारों से भरा है। पहले के जमाने में प्रेम को सौ पर्दे में छिपाकर रखा जाता था कि कोई जान न ले। आज तो प्रेम जताने का चलन है। सोशल मीडिया ने सब कुछ उघार दिया है। लज्जा के वसन उतार फेंके हैं दिलफेंक प्रेमियों ने। लेकिन क्या वही प्रेम आज है, जो कभी हीर-रांझा में था, जो कभी रोमियो और जूलियट में था, जो कभी पिरामिस और थेसबी में था, जो लैला-मजनू में था? अब तो मजनू भी वैसे न रहे, न लैला ही,

केवल मजनू के टीले बचे हैं, जहां प्रेम नदारद है। प्रेम की सुंदर अनुभूति को मनुष्य ने धीरे-धीरे बाजारू बना दिया है। हमने प्रेम की जड़ों को सींचने के बजाय काटना शुरू किया। हमने प्रेम के आख्यान लिखे, गीत लिखे, कविताएं लिखीं, मंदिरों के स्थापत्य को प्रेम के उत्कीर्णनों से भर दिया पर जीवन में प्रेम छीजता रहा।

प्रेम बिना जीवन हो जाए नीरस: कहते हैं, प्रेम एक ऐसी शै है कि यह छुप नहीं सकता। एक दिन सारी दुनिया जहान को पता चल ही जाता है कि बंदा प्रेम में है। लेकिन भले ही पता चल जाए, मुहब्बत करने वालों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्रेम जीवन को संतुलित करने का नाम भी है। प्रेम को, जो काम की ही एक चैतन्य संज्ञा है, पुरुषार्थ चतुष्ट्य का अपरिहार्य अंग है। काम न हो, प्रेम न हो, राग न हो, अनुराग न हो, आसक्तियां न हों तो जीवन काहे का। यह मशीन की गतिशीलता बनाए रखने वाले लुब्रीकेशन की तरह है। यह न हो तो जीवन नीरस हो जाए। कविवर नीरज ने कहा ही है, *'प्यार अगर थामता न पथ में/ अंगुली इस बीमार उमर की/ हर पीड़ा वेश्या बन जाती/ हर आंसू आवारा होता।'* इस तरह प्रेम जीवन का एक अपरिहार्य पहलू है।

बावरा मन करता है प्रेम: कभी गीतकार रामावतार त्यागी के पत्रों की एक पुस्तक हाथ लगी थी। नाम था-चरित्रहीन के पत्र। हर पत्र में संबोधन के साथ अंत में लिखा होता था, 'तुम्हारा चरित्रहीन।' अद्भुत प्रेम की छुअन लिए पत्र थे। त्यागी जी ने एक गीत में लिखा है, *'अक्लमंदी हमारे नाम के आगे नहीं जुड़ती/ मगर भोले नहीं इतना कि जितना आम दिखते हैं/ हमें हस्ताक्षर करना न आया चेक पर माना/ मगर दिल पर बड़ी कारीगरी से नाम लिखते हैं।'* सच, मुहब्बत में अक्लमंदी नहीं चलती। वह तो बावरे मन का काम हैं।

कवियों ने प्रेम के ही गीत गाए। सगुण और निर्गुण प्रेम की धारा बहाई। मीरा, रसखान, पद्माकर, रत्नाकर प्रेम के ही कवि हैं। कृष्णमूर्ति कहते थे, 'जहां निर्भरता और आसक्ति है, वहां प्रेम नहीं रह सकता।'

होने लगा है प्रेम का पूंजी प्रबंधन: प्रेम को प्रबंधन करने का दौर चल पड़ा है। दिल की राह पर चलने वाले लोग, उपहारों के उत्कोच से प्रेम को बांधने का जतन करते हैं। पर सच्चा प्रेम कब इन उपहारों से बंधा है। जहां उपहारों की बारिश खत्म, प्रेम और मुहब्बत की सारी नवाजिश हवा हो जाती है। फिर निराला के इस गीत जैसा हाल ही प्रेमियों का होता है- *स्नेह निर्झर बह गया है, रेत ज्यों तन रह गया है।*

प्रेम सीधे-सच्चे स्नेह का पथ है। इस राह पर छली, कपटी दूर तक नहीं चल सकता। प्रेम के कई रंग हैं- पारिवारिक प्रेम, आत्मिक प्रेम, दांपत्य प्रेम, रूहानी प्रेम। इसी अनुरागमयता से यह संसार चल रहा है।

आया चट चैट-पट प्यार का दौर: प्रेम का जैसा लौकिक और अलौकिक बखान हमारे साहित्य में है, समाज में बिल्कुल नहीं। प्रेम सांसारिक भोग और विलास में बदल गया। आज मोबाइल पर हर दूसरा मैसेज प्यार का लिखा जा रहा है। हर शख्स आई लव यू के बुखार से ग्रस्त है। चट चैट, पट प्यार का फार्मूला ईजाद हो रहा है पर प्यार है कि जीवन में घुल ही नहीं रहा। अब चिट्ठियों का जमाना नहीं रहा कि महीनों लिफाफे से मुहब्बत की खुशबू आती थी। लोग उसे दिल के तहखाने में छुपा के रखते और एकांत में खोल कर पढ़ा करते थे। आज इंटरनेट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स प्यार के इजहार का मंच बन गए हैं। प्रेम और वासना की रीलें बनाई जा रही हैं। इंटरनेट प्रेम कहानियों से भरा है, पर जीवन मे प्रेम नदारद है।

जरूर खोलिए प्यार का एकाउंट: एक बार फिर वैलेंटाइन-डे आ पहुंचा है प्रेम की याद दिलाने। वह जैसे हमारी देहरी पर दरवाजा खटखटा रहा है। लेकिन सच्ची मुहब्बत करने वाले खूबसूरत लोग अब नहीं दिखते हैं। ऐसा इसलिए कि हमने सच्चे दिल से अपने जीवन में प्रेम का खाता नहीं खोला। इसलिए यदि जीवन को बचाना है, समाज को बचाना है, मन को बेगानेपन से बचाना है तो क्रिएट ए लव एकाउंट। प्रेम का खाता जरूर खोलिए जीवन में। मुहब्बत के जज्बे को संकीर्ण न होने दीजिए। एक हाथ मुहब्बत का आगे बढ़ाइए, देखिए सौ हाथ आगे बढ़ कर आपका हाथ थाम लेंगे। तब आप भी नीरज की तरह कह उठेंगे, *'एक नहीं, दो नहीं, करोड़ों साझी मेरे प्यार में।'* *

प्रेमारंभ की प्राचीन मान्यता

प्रेम की भावना यों तो हर किसी में इनबिल्ट होती है, पर सदियों पुरानी कहानी है, जब ईडन गार्डेन में आदम ने दो पक्षियों, दो पशुओं को आपस में अभिसार-मुद्रा में देख ईश्वर से पूछा कि यह क्या है? तो ईश्वर ने कहा यह प्रेम है। ये सभी प्रेम में आबद्ध हैं। तब उदास होकर आदम ने कहा मेरे जीवन में तो कोई है ही नहीं। मैं किससे प्रेम करूं? ईश्वर ने कहा, 'तुम प्रतीक्षा करो कल तक।' कुछ देर में आदम को वहीं एक पेड़ के नीचे गहरी नींद आ गई। जगा तो उसे एक सुंदरी दिखी। वह उसके प्रेम के वशीभूत हो बैठा। प्रेम के इस वर्जित फल को चखने का परिणाम ही है यह सृष्टि।

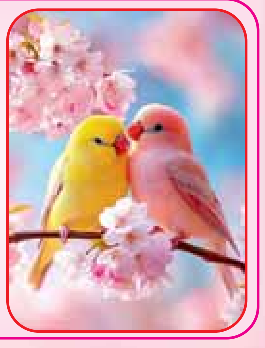

महान हस्तियों के यादगार प्रेम पत्र

आज के दौर में प्रेमी युगल को भले ही अपनी फीलिंग प्रकट करने के लिए पत्र लिखने की जरूरत नहीं रह गई है। लेकिन प्रेम पत्र लिखने का दौर भी बहुत खूबसूरत रहा है। कई प्रसिद्ध हस्तियों के पत्र तो आज भी हर प्रेम करने वाले के लिए किसी धरोहर से कम नहीं हैं।

{ अहसास / डॉ. अनिता राठौर }

जब से मैंने आपके बारे में सुना है, मेरे प्रभु! मैं आपकी ओर पूरी तरह से आकर्षित हो गई हूं। कृपया शिशुपाल से मेरे विवाह से पहले अवश्य आएं और मुझे ले जाएं। अगर आप मुझ पर यह कृपा नहीं करते हैं, तो मैं उपवास और कठोर व्रतों का पालन करके अपना जीवन त्याग दूंगी। तब शायद अगले जन्म में मैं आपको प्राप्त कर सकूंगी।' यह संसार का संभवतः सबसे पहला प्रेम पत्र है, जो रुक्मिणी ने श्रीकृष्ण को लिखा था। यह पत्र हमें श्रीमद्भागवतम के सर्ग 10 के अध्याय 52 में मिलता है।

पत्रों में व्यक्त होती थीं भावनाएं: जब कॉल्स व इंस्टेंट मैसेजिंग का दौर नहीं था। तब प्रेमी अपने इश्क का इजहार करने के लिए अपने जज्बात शब्दों में पिरोकर कागज पर अंकित कर दिया करते थे। चिट्ठियों का वो दौर भी क्या दौर था कि प्रेमी या प्रेमिका के लिए दिल की गहराइयों से निकले हुए सुनहरे अल्फाज साहित्य की अमर कृतियां बन गई हैं।

कैफी आजमी-शौकत: बीस दिन गुजर चुके थे और शायर कैफी आजमी को अपनी प्रेमिका शौकत (बाद में पत्नी) की कोई खबर नहीं मिली थी। उन्हें लगा कि शौकत उनसे किसी बात पर नाराज हो गई हैं। उन्हें मनाने के लिए रात में 1 बजे कैफी ने अपने खून से एक प्रेम पत्र लिखा, 'तुम्हें लिखने के बाद मैंने लिफाफे को बंद किया और बिस्तर में चला गया यह सोचते हुए कि कुछ नींद आ जाएगी, लेकिन नींद नहीं आई। मैंने तुम्हारे पिछले खत को फिर पढ़ा और अपने आंसू रोक न सका। शौकत, ये मेरी बदकिस्मती है कि तुम्हें मुझ पर या मेरे प्यार पर यकीन नहीं है। कुछ दिन से मैं कुछ नहीं सोच रहा हूं, सिवाय इसके कि तुम्हें किस तरह से यकीन दिलाऊं कि मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैंने एक ब्लेड से अपनी कलाई पर गहरा घाव कर लिया है और अब अपने खून से तुम्हें खत लिख रहा हूं। महीनों मैंने अपने प्यार के लिए आंसू बहाए हैं और अब मैं खून बहा रहा हूं। मुझे नहीं मालूम हमारा भविष्य क्या है। मोती (शौकत का प्यार का नाम), मुझे बहुत गहरा सदमा लगा है। तुम ये कैसे लिख सकती हो- 'अब मैं जान गई हूं कि उसकी आंखें मुझ पर नहीं हैं बल्कि किसी और पर हैं, जो उसे समझती नहीं है, न ही वह उसे समझना चाहती है?' इन शब्दों को वापस ले लो, शौकत, और मेरे प्यार का मजाक मत उड़ाओ। अगर तुम मेरे लिए कुछ नहीं कर सकती, तो कोई बात नहीं। तुम्हें प्यार करते ही मैं जान गया था कि मेरे लिए कोई उम्मीद नहीं है। खुदा मेरी हिफाजत करेगा। तुम्हें मेरे प्यार पर, मेरे इरादे पर शक है कि मैं तुमसे शादी करूंगा या नहीं। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं कि एक दिन मैं तुम्हे और दुनिया को साबित कर दूंगा कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं। मेरी शौकत, मेरा और मेरे प्यार का क्या होगा। हम तुम एक दूसरे से इतनी दूर हैं कि तुम्हारे लिए मेरे दर्द को देखना मुमकिन नहीं है। अगर तुम्हें मेरी कोई बात बुरी लगी हो तो मुझे माफ कर देना। प्यार और ढेर सारा प्यार, तुम्हारा कैफी।'

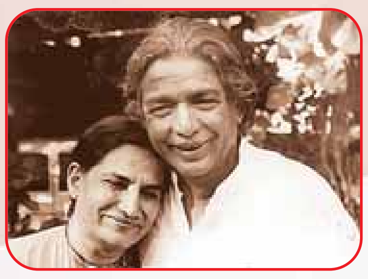

शौकत के साथ कैफी आजमी

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने: रोमांटिक कवि जॉन कीट्स की प्रेमिका फैनी ब्रॉने ने उनके प्रेम पत्र पढ़कर लिखा था, 'मुझे वह शब्द मत लिखो, जिनसे तुम्हारा ज्ञान-काबिलियत प्रकट होती हो, बल्कि वह अल्फाज लिखो जो तुम्हारे दिल की गहराइयों से निकले हों।' इसके बाद कीट्स ने अपने प्रेम पत्रों की शैली बदल दी थी और अपने दिल के जज्बात कागज पर बयान करने लगे थे। एक बानगी देखिए, 'तुम हमेशा नई लगती हो। तुम्हारा पिछला चुंबन सबसे अधिक मीठा था, तुम्हारी पिछली मुस्कान सबसे अधिक चमक लिए हुए थी, तुम्हारा नागिन की तरह पिछला चलने का अंदाज सबसे अधिक दिलकश था। जब कल तुम मेरी खिड़की के पास से गुजरी थीं तो मेरे प्यार भरे जज्बात वैसे ही उमड़े थे, जैसे तुम्हें पहली बार देखने पर उमड़े थे। अगर तुम मुझसे प्यार न भी करतीं तो भी मेरा प्यार सारी उम्र तुम्हें ही समर्पित रहता।'

जॉन कीट्स-फैनी ब्रॉने

व्लादिमीर नबोकोव-वेरा: व्लादिमीर नबोकोव की वेरा से पहली मुलाकात 1921 में हुई थी। व्लादिमीर के वेरा के लिए पत्र अपनी पूर्णता में यादगार हैं। एक पत्र में उन्होंने लिखा है, 'मेरी कोमल कली, मेरी खुशी, मैं तुम्हारे लिए क्या शब्द लिखूं? यह कितना अजीब है कि मेरा जीवन कार्य कागज पर कलम चलाना है, लेकिन मैं यह नहीं जानता कि तुम्हें कैसे बताऊं कि मैं तुम्हें प्यार करता हूं। ऐसी उत्तेजना और ऐसी दैविक शांति पिघलता बादल धूप में गुम होते हुए खुशी का पहाड़ और मैं तुम्हारे साथ तैर रहा हूं। तुम में, जलता, पिघलता और पूरा जीवन तुम्हारे साथ बादलों की गति जैसा है, उनका हवाई, शांत गिरना, उनका हल्कापन कोमलता और रंग भरी आसमानी विविधता-मेरा प्रेम। मैं इस एहसास को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।' *

{ प्रेम-गीत / विनोद श्रीवास्तव }

प्यास को मानसरोवर दिया

बंजर ही बंजर था
किसने हरा-भरा कर दिया
प्यास को मानसरोवर दिया।
अग्निशरों से बींध-बींधकर
छलनी कर दी काया
फेंक दिया तपती धरती पर
मांग रहा था छाया।
पतझर ही पतझर था
किसने फूलों का घर दिया
अधर पर वंशी को धर दिया।
मंदिर-घाट-हाट-मेले की
सुधियां हैं गहराईं
उजड़े डेरे सोच-सोचकर
आंखें हैं भर आईं।
अक्षर ही अक्षर था
किसने प्राणों को स्वर दिया
कंठ को गीतों से भर दिया।

{ व्यंग्य / राकेश सोहम }

वैलेंटाइन डे के दिन जब वे अपनी पत्नी के साथ टहलने पहुंचे। जब चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?' शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर उन्होंने कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?' उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

वैलेंटाइन डे पर हुई मुसीबत

इधर 'वैलेंटाइन डे' का त्यौहार सिर पर है और दिमाग का दही हुआ पड़ा है। यह दिवस एक देशव्यापी त्यौहार बन गया है, जो प्रति वर्ष नियत तिथि पर मनाया जाता है। यह अनोखा त्यौहार बाजारों में भारी चमक-दमक के साथ आता है, लेकिन मनाने में दम निकल जाता है। कई लोगों को हर्षोल्लास की बजाय चोरी-छिपे मनाना पड़ता है। उपहारों का आदान-प्रदान गोपनीय रखना पड़ता है।

गो कि मिठाई चुपके से 'गप' कर लो और चबाते हुए मुंह चलाने का पता भी न चले। युवा अपने अभिभावकों से मुंह छिपाए घूमते हैं। वे घरों से निकलते हैं, अपनी वैलेंटाइन के लिए उपहार खरीदते हैं और उपहार को निपटा कर ही वापस लौटते हैं। बेचारे उम्रदराज, बड़ी उलझन में होते हैं। अधिकार प्राप्त निजी वैलेंटाइन के साथ भी मुश्किल में पड़ जाते हैं।

मेरे जैसे सठिया, खूसठों के द्वारा यह त्यौहार मनाना तो दूर, कुछ सूझता तक नहीं है! वैलेंटाइन डे की बात सूझने मात्र से पत्नी जी का मुंह सूज जाने का भय बना रहता है। उसे दुनिया की सभी स्त्रियों में वैलेंटाइन दिखाई देने लगती है। घर के दरवाजे पर आई बेचारी सेल्स गर्ल अपने उत्पाद के बारे में कुछ बताए, इसके पूर्व पत्नी इतना उत्पात मचा देती है कि वह पतली गली से भाग निकलती है।

एक वाकया याद आ रहा है। पिछले साल हुआ यों कि 'वैलेंटाइन डे' पर अपनी असली पत्नी के साथ 'टहलू पार्क' में टहलने गया था।

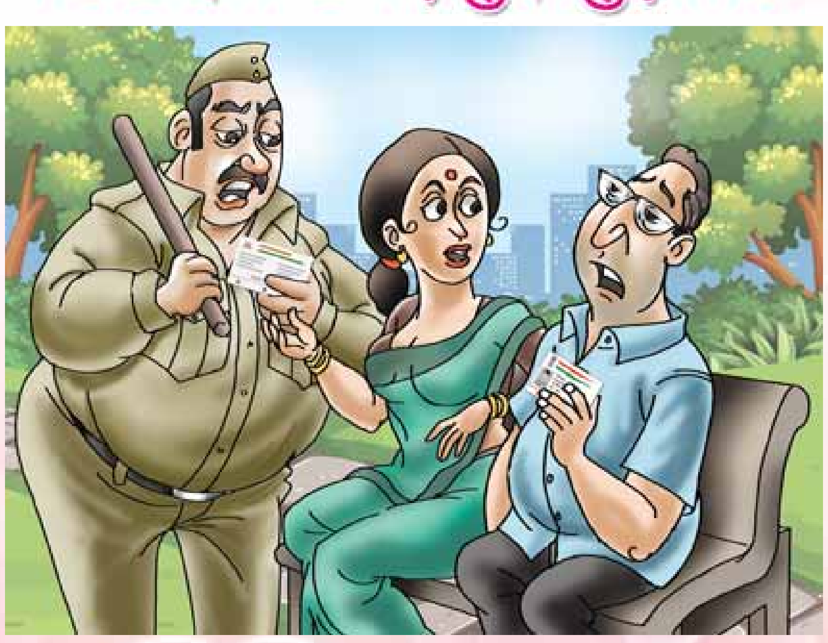

हम चलते-चलते थक गए और घास पर बैठकर सुस्ताने लगे। तभी एक सुरक्षाकर्मी प्रकट हुआ। डंडा घुमाते हुए बोला, 'क्या हो रहा है यहां?'

मैंने शादी के बाद बची-खुची अकड़ समेटकर कहा, 'क्या मतलब है जी आपका?'

उसने आंख मारते हुए पहला सवाल दोहराया, 'क्या कर रहे हो यहां?'

मुझे क्रोध आया, 'हम थक गए थे। अब बैठे सुस्ता रहे हैं।'

वह जोर से हंसा, 'अरे उम्र का लिहाज करो। थकाने वाले काम करते क्यों हो?'

मुझे उसका मंतव्य समझ आ गया, अतः हाथ जोड़कर कहा, 'टहलते हुए थकान हो गई थी इसलिए बैठे हैं, अभी चले जाएंगे।'

मेरी बात समाप्त होते ही वह तपाक से बोला, 'किसके साथ बैठे हो?'

मैंने सीना ठोक कर कहा, 'पत्नी के साथ?'

उसने पत्नी जी को देखा। फिर मुझे देखा और बोला, 'किसकी पत्नी?' दरअसल, पत्नी जी अब भी पुरानी कविता सी दिखती हैं और मैं आज के व्यंग्य जैसा बिखरा-बिखरा खड़ूस हो गया।

मैंने पत्नी जी का हाथ पकड़ा और अकड़ते हुए जवाब दिया, 'मैं अपनी पत्नी के साथ हूं, समझे।'

वह पुलिसिया डंडा घुमाते हुए बोला, 'हम कैसे मान लें?'

फिर हम दोनों के हाथ पर डंडा रख दिया। मुझे अपने 'आधार' की ताकत याद हो आई। मैंने अपने कुर्ते की जेब से दोनों के आधार कार्ड निकाल कर उसकी हथेली पर पटक दिए। वह डंडे को अपनी बगल में दबाए पैर फैला कर खड़ा हो गया और कार्ड्स में छपे छाया चित्रों से हमारी सूरतें मिलाने लगा। फिर दूसरे हाथ से टोपी के अंदर अपनी खोपड़ी खुजलाते हुए बोला, 'तुम्हारी सूरत को ठीक मान भी लें... पत्नी जी की सूरत मेल नहीं खा रही!'

मुझे 'आधार' निराधार लगने लगा। हालांकि, भ्रम हमें भी था कि हमारे आधार कार्ड में छपी सूरतें हमारी ही हैं!

तभी पार्क से हमारे पड़ोसी के बच्चे की आवाज आई, 'अरे! अंकल-आंटी आप लोग यहां हैं, मैं कब से आप लोगों को ढूंढ़ रहा हूं। घर में ताला पड़ा है और जीनू भैया आप लोगों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

हम दोनों बिना कुछ कहे घर की ओर चल दिए। सुरक्षा कर्मी डंडा घुमाते हुए आगे बढ़ गया। मैंने चलते हुए पत्नी जी से कहा, 'तुम तो कभी मेकअप करती नहीं। लेकिन फोटो खिंचाते समय क्या लिपस्टिक लगाना जरूरी है? बेचारा! सुरक्षाकर्मी कन्फ्यूज हो गया था।'

पत्नी जी ने कनखियों से मुझे देखा, 'मैं हूं ही इतनी सुंदर।'

मैंने उनके कदम से कदम मिलाते हुए कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन डे।' वो मुस्कुरा दीं। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

प्रेम में भीगी कविताएं

सुपरिचित कवयित्री-समालोचक डॉ.रचना तिवारी का नया कविता संग्रह 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' हाल में प्रकाशित होकर आया है। हालांकि इस संग्रह में आदिवासी महिलाओं के जीवन का संघर्ष, कोविड की विभीषिका से उपजे मार्मिक दृश्य, स्त्रियों की आकांक्षा और उनके द्वंद्व समेत जीवन की बहुरंगी अनुभूतियों को कई कविताओं में पिरोया गया है। लेकिन संग्रह में संकलित कविताओं का मूल स्वर प्रेमानुभूति से उपजा है। यहां उन्होंने प्रेम की कोमल अनुभूतियों को बहुत संजीदगी से व्यक्त किया है। *'तुम लिख दो मुझे/यहां से वहां तक / जिसकी सड़क/मेरे इस छोर से/तुम्हारे उस छोर तक जाती हो।'*(तुम लिख दो मुझे) संग्रह की शीर्षक कविता 'कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते' में वह लिखती हैं, *'वे नहीं होते/साथ चलने के लिए/वे वनवास काटते हुए/अनकहे और अनसुने रहने के लिए होते हैं/वे एक दूसरे के पूरक होते हुए भी/अधूरे रहने के लिए होते हैं।'* कहने की जरूरत नहीं कि प्रेम पर अब तक असंख्य कविताएं लिखी जा चुकी हैं लेकिन प्रेम में भीगी ये कविताएं, उन प्रेम कविताओं में अलग से पहचान बनाने में सक्षम हैं। *

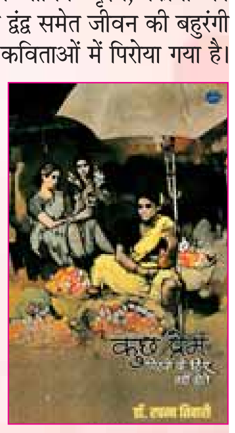

पुस्तक: कुछ प्रेम मिलने के लिए नहीं होते, लेखिका: डॉ. रचना तिवारी, मूल्य:199 रु, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

शहपुरा के पास ट्रेक्टर-ट्राली ने बाइक को टक्कर मारी

सड़क दुर्घटना में बहन की मौत, भाई गंभीर

हरिभूमि जबलपुर।

शहपुरा थाना अतंर्गत रेवा शुगर मिल के सामने एक ट्रैक्टर ट्राली ने बाईक सवार भाई बहन को बुरी तरह टक्कर मार दी। इस हादसे में बहन की मौत हो गई और भाई गंभीर रुप से घायल हो गया। बताया गया है कि बहन अपने मायके आई थी और ससुराल जाने के लिए भाई अपनी बहन को रेलवे स्टेशन छोड़ने के लिए जा रहा था, तभी रास्ते में यह हादसा हुआ।

शहपुरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कड़िया करेली निवासी 40 वर्षीय श्रीमति सीमा व्यास यहां शहपुरा के ग्राम सिंगोरी में अपने मायके आई थी। सीमा को आज अपने ससुराल करेली लौटना था। उसका भाई दीपक शुक्ला उसे रेलवे स्टेशन छोडऩे के लिए मोटर साइकल पर निकला था, इस दौरान रेवा शुगर मिल के सामने पीछे से एक ट्र्रैक्टर ट्राली ने बाईक में जोर से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों बाईक सहित नीचे गिरे, जिन्हे कुचलते हुए ट्र्रैक्टर-ट्राली निकल गई. हादसे में सीमा के शरीर पर गंभीर चोटें आने

के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई, वहीं दीपक के शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलने पर शहपुरा पुलिस घटना स्थल पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाया, वहीं मृतिका के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया, घायल युवक की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने ट्र्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में लिया। ट्र्रैक्टर ट्राली जब्त कर ली गई है आरोपी चालक फरार है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवती की मौत

जबलपुर। खमरिया थाना अतंर्गत डुमना नेचर पार्क के आगे एयरपोर्ट रोड में सड़क दुर्घटना में घायल एक युवती की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। खमरिया पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंजाब कालोनी निवासी 21 वर्षीय अनन्या सोनी की गत शाम लगभग 6.35 बजे डुमना नेचर पार्क के आगे एयरपोर्ट रोड पर सड़क दुर्घटना में घायल होने के कारण इलाज के लिए दिव्या जायसवाल द्वारा जबलपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार दौरान रात लगभग 9.5 बजे अनन्या सोनी की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

राष्ट्रवाद का कमल दिल्ली में खिलने पर भाजपा ने मनाया जश्न

झूठ, फरेब व भ्रष्टाचार की आप-दा छंट गई : राकेश सिंह

जबलपुर। दिल्ली 'मोदी की गारंटी' को निरंतर साकार होते देख रही है और झूठ, फरेब व भ्रष्टाचार की आप-दा छट गई है उसी का सुपरिणाम है कि उसने भाजपा को प्रचंड जनादेश दिया है, यह बात लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की स्वर्णिम विजय पर सभी दिल्लीवासियों और कर्मठ भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देते हुए भाजपा द्वारा मालवीय चौक में आयोजित मिष्ठान वितरण के अवसर पर कही। सांसद आशीष दुबे ने इस अवसर पर देश और दिल्ली की जनता को शुभकामनाएं देते हुए कहा यह मोदी जी के विकास और विश्वास की जीत है। नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा दिल्ली की जनता को दस साल के आपदा के कुप्रबंधन से आज मुक्ति मिली है, यह भाजपा के कार्यकर्ताओ की मेहनत और हमारे नेतृत्व के प्रति जनता का विश्वास ही है। इस अवसर पर ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अजय विश्नोई नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, पूर्व विधायक शरद जैन, हरेदंद्रजीत सिंह बब्बू, निलेश अवस्थी, पूर्व अध्यक्ष जीएस ठाकुर, पूर्व महापौर सदानंद गोड़बोले, स्वाति गोडबोले, एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बिना अध्यक्ष के आयोग की सुनवाई का बहिष्कार

विद्युत नियामक आयोग की जन सुनवाई मात्र औपचारिकता

जबलपुर। विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष पद पर न तो हाईकोर्ट जज की नियुक्ति की गई है, न ही आयोग ने सीधी सुनवाई करने का निर्णय लिया है, तथा यह जन सुनवाई शहर के बीच किसी हॉल में करने का भी निर्णय नहीं लिया, जिससे भारी संख्या में बिजली उपभोक्ता जन सुनवाई से वंचित होने वालें है। अतः आयोग द्वारा आयोजित जन सुनवाई मात्र एक औपचारिकता है। अध्यक्ष पद रिक्त है, फिर भी जनसुनवाई!

यह आरोप लगाते हुए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, भारतीय वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन, महिला समिति, सीनियर सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन, किसान समिति, आदि विभिन्न संगठनों ने निर्णय लिया है कि विद्युत नियामक आयोग द्वारा 13 फरवरी को जबलपुर में आयोजित जन सुनवाई का बहिष्कार करेंगे। डॉ. पीजी नाजपांडे ने बताया कि विद्युत अधिनियम 2003 के अनुसार आयोग को बिजली कंपनियों द्वारा प्रस्तुत बिजली दरों पर आपत्तियां बुलाकर उन पर जन सुनवाई करना जरुरी है। इससे निष्पक्षता तथा विश्वसनीयता एवं उपभोक्ताओं की भी संतुष्टि बनी रहेगी। इसी कारण हमेशा मांग की गई है कि आयोग के अध्यक्ष पद पर सेवा निवृत्त हाईकोर्ट न्यायाधीश की नियुक्ति हो, वर्चुवल सुनवाई ने होकर सीधी सुनवाई हो और वह भी नगर के मध्य हॉल में हो। लेकिन इन सभी बिन्दुओं पर ध्यान नहीं के कारण उपभोक्ताओं की संतुष्टि नहीं होगी।

डॉ. पीजी नाजपांडे ने बताया कि कोविड काल समाप्ति के बाद अभी भी वर्चुवल सुनवाई हो रही है जबकि अब इसकी जरुरत नहीं बची। वास्तविकता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक केंद्र में सीधी जन सुनवाई करने का आयोजन होना चाहिए था।

शिव महापुराण में भगवान को लगाए छप्पन भोग

जबलपुर। कछपुरा मालगोदाम, गणेश नगर में श्री राधिका राम नारायण मंडल द्वारा आयोजित संगीतमय शिव महापुराण में आज बाललीला कर 56 भोग भगवान को अर्पित किए गए। कथा वाचक पंडित सचिन महाराज ने शिव महापुराण के माध्यम से शिव और पार्वती की कथा, साथ ही भगवान शिव के विभिन्न रूपों और उनके अद्भुत कार्यों को गाया और प्रस्तुत किया। बाललीला, भगवान शिव के बचपन के अद्भुत वृतांत होते हैं, जिनमें उनका लीलाभाव और महिमा दर्शाई जाती है। इसके साथ ही शिव जी को 56 तरह के व्यंजन अर्पित किए गए। कथा में मुख्य रूप से विधायक अभिलाष पांडे, गोपाल तिवारी, मुख्य यजमान मुन्ना लाल- सरला श्रीवास्तव, आशीष- पूजा श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

श्रीरामचरित मानस यज्ञ में प्रति दिन हो रहे धार्मिक आयोजन

जबलपुर। श्री महादेव महावीर हनुमान मंदिर संचालन समिति पंचायती कुआं गोकलपुर द्वारा श्री रामचरित मानस यज्ञ 01 फरवरी से 12 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें विगत छह वर्षों से भक्तजन अपने सांसारिक कार्यों के साथ ही श्रीराम चरित मानस का पाठ अपनी सुविधानुसार कर रहे हैं, जिसके 151वें पाठ को यज्ञ स्वरूप में किया जाना सुनिश्चित हुआ है। आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन सीताराम संकीर्तन शाम 6.30 से 7.30 तक, आरती प्रतिदिन प्रातः 08 एवं शाम 7.30 बजे, महाआरती 12 फरवरी को शाम 06 बजे तथा भंडारा शाम 07 बजे से आयोजित है। श्रद्धालु भक्तों से उपस्थिति का आग्रह आयोजक समिति ने किया है।

राजस्व अधिकारियों की बैठक संपन्न

फर्जीवाड़ा करने वाले रैकेट को पहचाने और उन पर तगड़ी कार्यवाही करें : कलेक्टर

हरिभूमि जबलपुर।

कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें राजस्व महाअभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने नक्शा बटांकन, आधार से आरओआर लिंकिंग, फार्मर रजिस्ट्री, बंटवारा, नामांतरण, सीमांकन तथा आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देशति किया कि राजस्व महाअभियान अंतर्गत सभी कार्यों में प्रगति लायें, इसमें लापरवाही बिल्कुल बर्दाशत नहीं की जायेगी। इसके साथ ही कहा कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को गंभीरता से लें और उनका निराकरण करें। प्रकरणों के निराकरण से जिले की रैंकिंग में सुधार होगी। इस दौरान कलेक्टर सक्सेना ने एक-एक प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निराकरण के निर्देश दिये। इसके साथ ही कहा कि धारणाधिकार के प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी पटवारी अपने मुख्यालय में रहे और सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कार्य करें और जो पटवारी कार्य नहीं करते हैं उनका नो वर्क नो पे के आधार पर वेतन कटेगा। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि जबलपुर में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए डिजीटल साईन किये जाने के मामले सामने आये हैं, इसमें कहीं न कहीं आफिस में संलग्न लोगों का हाथ हो सकता है, अतः उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित करें और उन पर कार्यवाही सुनिश्चित करें एवं तुरंत एफआईआर भी दर्ज करायें। सिर्फ जाति प्रमाण पत्र ही नहीं, फर्जी रजिस्ट्री, फर्जी लोन फर्जी दस्तावेज बनाने आदि में फर्जीवाड़ा करने वाले रैकेट को पहचाने और उन पर तगड़ी कार्यवाही करें। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि प्राथमिकता के विषयों में तत्परता से कार्य करें। सीएम हेल्पलाईन, आधार से आरओआर लिंकिंग, आरसीएमएस में दर्ज प्रकरण व राजस्व महाअभियान के घटकों पर सभी राजस्व अधिकारी ध्यान केन्द्रित कर प्रकरणों का निराकरण करें। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सुमिशा सिंह, नाथूराम गौड़ सहित सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रीय मल्टी गेम्स मुक्केबाजी में तनीष ने स्वर्ण पदक जीता

जबलपुर। संयुक्त भारतीय खेल फाउंडेंशन के तत्वावधान में 27 जनवरी से 02 फरवरी तक जयपुर, राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय मल्टी गेम्स प्रतियोगिता में जबलपुर शहर के तनीष चौरसिया ने मुक्केबाजी के 65 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त कर प्रदेश और नगर का नाम गौरवान्वित किया। तनीष की इस विशिष्ट उपलब्धि को ध्यान में रखते हुए एसबीकेएफ के संस्थापक एवं अध्यक्ष पंकज गर्वाली, एसबीकेएफ के निदेशक और सामान्य सुरक्षा प्रमुख सेवा तिवारी ने तनीष को शुभकामनाएं दी।

खबर संक्षेप

विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के लिए जनसुनवाई मंगलवार को

जबलपुर। विद्युत उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु वितरण कंपनियों द्वारा ऑनलाईन एवं ऑफलाईन व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, तथापि कई विद्युत उपभोक्ता इन सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाते हैं। इस विषय में निर्णय लिया गया है कि विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु वितरण केन्द्र / जोन कार्यालय स्तर तक के सभी कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार को पूर्वान्ह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे के मध्य जनसुनवाई का आयोजन किया जाये। उक्त जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहेंगे।

अंकित मिश्रा की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

जबलपुर। स्वर्गीय अंकित मिश्रा ने सदैव सेवाभाव, स्नेह एवं अपनत्व से लोगों के बीच अपने व्यक्तित्व की छाप छोड़ी है। उनकी स्मृति में 09 फरवरी को उदय नगर गोकलपुर वार्ड में प्रातः 09 से शाम 04 बजे तक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में जबलपुर नर्सिंग होम संस्था, जबलपुर अस्पताल संघ एवं रोटरी क्लब द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं एवं बीमारियों का निःशुल्क परीक्षण एवं इलाज किया जाएगा। साथ ही 70 वर्ष के लोगों के आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे, संबंधित व्यक्ति अपना आधार कार्ड लाकर या उनके परिजन आधार कार्ड व पासपोर्ट साइज फोटो लाकर सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

राजस्व वसूली का लक्ष्य बड़ा और समय कम

नई संपत्तियों से भी नहीं बढ़ पा रही नगर निगम की आय

जबलपुर। शहर के विकास कार्यों के लिए जरूरी राशि की कमी हो रही है, जबकि नगर निगम आय बढ़ाने में नाकाम साबित हो रहा है। नगर निगम ने स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सभी 79 वार्डों का संपत्ति रिकॉर्ड अपडेट करने के लिए सर्वे कराया था, जिसमें 25 हजार नई संपत्तियां सामने आईं, जो निगम के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं थीं। हालांकि, अब तक इन संपत्तियों में से केवल लगभग 9 हजार संपत्तियां ही निगम के रिकॉर्ड में दर्ज हो पाई हैं, जिसके कारण इन संपत्तियों से इस वित्तीय वर्ष में आय की संभावना समाप्त हो गई है। अगर इन सभी संपत्तियों को निगम के राजस्व रिकॉर्ड में शामिल किया गया होता, तो निगम की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती।

दूसरे स्त्रोत आखरी सहारा

अब निगम की पूरी उम्मीद संपत्ति कर और अन्य शुल्कों से जुड़ी वसूली पर टिकी हुई है। वित्तीय वर्ष के आखिरी दो महीनों में संपत्ति कर, जल शुल्क, लाइसेंस शुल्क, डोर-टू-डोर शुल्क, दुकान किराया आदि मदों से निगम के खजाने में कुछ राशि जमा होने की उम्मीद है, जिससे निगम को थोड़ी राहत मिल सके।

3.5 करोड़ किया था खर्च

नगर निगम ने 3डी जीआईएस सर्वे पर लगभग 3.5 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इस प्रोजेक्ट के तहत नगर के सभी 79 वार्डों का ड्रोन सर्वे किया गया, इसके बाद संपत्तियों का भौतिक रूप से भी सर्वे किया गया था। वार्ड स्तर के डेटा का विश्लेषण कर छिपी हुई संपत्तियां भी उजागर की गईं, जिससे निगम की आय बढ़ने का दावा किया जा रहा था। लेकिन सर्वे के बावजूद निगम अब तक इन संपत्तियों के डेटा का उपयोग कर राजस्व रिकॉर्ड को अपडेट नहीं कर सका है, जिससे नगर निगम की आय में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाई है।

लक्ष्य से कोसों दूर

फिलहाल निगम के लिए समय कम और लक्ष्य बहुत बड़ा है। वित्तीय वर्ष के अब तक के 10 महीनों में 270 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य का आधा भी नहीं हासिल हो सका है। इस दौरान केवल 130 करोड़ रुपये का ही राजस्व संग्रहित हो सका है, जो कि लक्ष्य से काफी कम है।

नये रिकार्ड जल्द होंगे अपडेट

नगर निगम के उपायुक्त राजस्व, पीएन सनखेरे ने बताया, "हम बड़े बकायादारों से धन वसूलने के लिए कठोर कदम उठा रहे हैं। नए संपत्ति रिकॉर्ड को जल्द से जल्द अपडेट किया जाएगा ताकि निगम की आय में वृद्धि हो सके।" फिलहाल, निगम के सामने प्रमुख चुनौती यह है कि वह अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा कर सके और शहर के विकास कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जरूरी राशि जुटा सके।

एपीएन विद्यालय में विदाई समारोह संपन्न

प्रतिस्पर्धा युग में कार्यकुशलता से सिद्ध करना होती है योग्यता : चमन श्रीवास्तव

जबलपुर। "विदाई का क्षण जहां हमारे मन को दुःखी करता है, वहीं इस बात की भी प्रसन्नता रहती है कि हमारे प्रयत्नों से तैयार किए गए विद्यार्थी एक नए युग की इबारत लिखने पूर्ण रूपेण तैयार हैं। उनका आने वाला जीवन आशा और उम्मीदों से भरा होगा जिन्हें साकार करने वे पूर्णतः तैयार एवं तत्पर हैं। आज का समय प्रतिस्पर्धा से भरा है, जहां हमें अपनी कार्यकुशलता के द्वारा अपनी योग्यता प्रदर्शित करना होती है।" उक्ताशय के विचार एपीएन ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने एपीएन विद्यालय द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं के छात्रों के विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीना श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के पूजन अर्चन एवं दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के छात्रों द्वारा स्वागत गीत के माध्यम से अतिथियों का अभिनंदन किया गया। छात्रों द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई, जिसमें एकल एवं सामूहिक नृत्य, गायन आदि की प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मिस्टर एपीएन रघुनंदन पटेल, मिस एपीएन आशी कुशवाहा चुने गए। कार्यक्रम का संचालन लितिका चेलानी एवं निहाल राय ने व आभार प्रदर्शन शिक्षिका कीर्ति शर्मा ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रबंधक तुलसीदास द्रविड़, सह प्रबंधक मयंक श्रीवास्तव, महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, स्टेट बोर्ड प्राचार्य अजय वर्मा, उप प्राचार्य मनु श्रीवास्तव, सीबीएसई प्राचार्य महेश मोरे, कोआर्डिनेटर स्वाति नॉटियाल सहित सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कीर्ति शर्मा, सिद्दिका उस्मानी, प्रेरणा पाण्डे, भगत सिंह, नेहा चौरसिया सहित रितेश श्रीवास्तव, की प्रमुख भूमिका रही।

ईको कार्डियोग्राफी के बारे में नवीनतम जानकारी देंगे वरिष्ठ ईको विशेषज्ञ

"ईको जबलपुर 2025" कॉन्फ्रेंस आज

जबलपुर। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पराज पटेल और डॉ. अंजनेय मिश्रा ने पटेल क्लीनिक एण्ड डायग्नोस्टिक सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि "ईको जबलपुर 2025" का आयोजन 09 फरवरी को होटल सत्य अशोका राइट टाउन में हार्ट रिसर्च एसोसियेशन एवं गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसमें देश के सुप्रसिद्ध एवं वरिष्ठ ईको विशेषज्ञ चेन्नई से ईको कार्डियोग्राफी स्पेशलिस्ट डॉ. आर अलागेसन एवं बेंगलौर से डॉ. सतीश गोविंद ईको कार्डियोग्राफी के बारे में नवीनतम जानकारी देंगे। जबलपुर एवं इसके आसपास के शहरों के चिकित्सक ईको के संबंध में जानकारी लेंगे, जिसमें कटनी, मैहर, सतना, रीवा, शहडोल, अनूपपुर, मंडला, बैतूल, छिंदवाड़ा, भोपाल, इंदौर से चिकित्सक इस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने आ रहे हैं।

पत्रकार वार्ता में डॉ. पुष्पराज पटेल ने बताया कि ईको कार्डियोग्राफी से हृदय के वाल्वों की गतिविधियों और क्षेत्रों का आकलन किया जा सकता है, ईको कार्डियोग्राफी से हृदय की उत्पादन क्षमता का पता लगाया जा सकता है, ईको कार्डियोग्राफी से हृदय की असामान्यताओं का पता लगाया जा सकता है एवं हृदय के आसपास की रक्त वाहिकाओं की स्थिति का पता लगाया जा सकता है।

प्रवासी भारतीयों की गरिमा की रक्षा हेतु उचित कदम उठाए जाएं

जबलपुर। मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमित सिसोदिया के मार्गदर्शन में जबलपुर शहर अध्यक्ष डॉ. अजय वाधवानी, एड. भावना निगम, एड. आशीष त्रिपाठी,डॉ. अभिजीत जैन, डॉ. आशीष डेंगरा, डॉ. दिगंत पाठक, डॉ. पीयूष जैन, एड. रोशन मंध्यानी, एड. साक्षी भारद्वाज, एड. आशुतोष चतुर्वेदी, एड. विवेक शुक्ला, कमरुल इस्लाम खान, डॉ. अभिषेक जैन द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, विदेश मंत्री को पत्र भेजकर प्रवासी भारतीयों की गरिमा की रक्षा की मांग की गई। बताया गया हाल ही में, अमेरिका द्वारा हमारे प्रवासी भारतीय नागरिकों का अत्यधिक अपमान किया गया है। अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों को हथकड़ी लगाकर अपमानित किया गया, जो कि हमारे राष्ट्रीय गौरव और संस्कृति का अपमान है।

खालसा महाविद्यालय में हुआ आयोजन

हर्षोल्लास से मनाया वार्षिक स्नेह सम्मेलन "आरोहण"

जबलपुर। गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला स्नेह सम्मेलन इस वर्ष भी अत्यंत हर्षोल्लास के साथ 08 फरवरी को "आरोहण" के रूप में आयोजित किया गया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में राकेश सिंह कैबिनेट मंत्री लोक निर्माण विभाग, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अलकेश चतुर्वेदी प्राचार्य पीएम श्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एवं स. एमएस चावला अध्यक्ष श्री गुरु तेग बहादुर खालसा एजुकेशन सोसायटी जबलपुर की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से किया गया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना एवं गुरु साहिब का पावन शबद कीर्तन हुआ। इसके उपरांत मुख्य अतिथि राकेश सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन आपके लिए अपनी प्रतिभा दिखाने, नए अनुभव प्राप्त कर यादगार बनाने और अपने कौशल को निखारने का अवसर है, आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। इसके उपरांत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएस चंडोक ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल शिक्षा का केन्द्र नहीं है, अपितु आपके व्यक्तित्व विकास का भी स्थान है, क्योंकि सफलता केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होती।

महाकोशल उमावि का 85वां स्नेह सम्मेलन संपन्न

जबलपुर। संस्कारधानी की प्राचीनतम शैक्षणिक संस्था महाकोशल उमावि का 85वां स्नेह सम्मेलन रिंकुज विज अध्यक्ष नगर निगम के मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथिद्वय अयोध्या तिवारी सचेतक कांग्रेस पार्षदल दल एवं प्रमोद दिवाकर पाठक सचिव महाराष्ट्र शिक्षण मंडल जबलपुर, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जयंत कुमार तनखीवाले, अध्यक्ष महाराष्ट्र शिक्षण मंडल जबलपुर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में मुख्य अतिथि रिंकुज विज एवं उपस्थित मंचासीन अतिथियों ने माँ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में गणेश वंदना के पश्चात जोगवा नृत्य, लावणी नृत्य, राम भजन नृत्य, भांगडा एवं नाटक का मंचन किया गया, तत्पश्चात शाला के मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य आरके गुजराल, श्रीमती पी चार्वेकर, श्रीमती एस डोंगरे, श्रीमती एस राठौर, एम काडे.आदि शिक्षक उपस्थित रहे। संचालन पी चार्वेकर एवं आभार प्रदर्शन आरके गुजराल, प्राचार्य द्वारा किया गया।sdfsfg

गौ माता को पशु नहीं माता का दर्जा दिया जाए : महाराज गोपाल मणि

मझौली। गौ कथा धेनु मानस की रचना करके भारतवर्ष में गौ कथा का शंखनाद करने वाले उत्तराखंड उत्तरकाशी से पधारे महाराज गोपाल मणी ने कथा के अंतिम दिन में बुडराई उमरिया की सिद्धा आश्रम में गौ माता राष्ट्र माता आंदोलन के बारे में बताते हुए कहा कि वैदिक सनातन धर्म में गाय को माता के रूप में देखता है किंतु संवैधानिक दृष्टि से गाय को पशु का दर्जा प्राप्त है जब तक गाय को पशु की सूची से हटाकर माता की सूची में नहीं रखा जाता तब तक भारत देश में गौ हत्या का कलंक नहीं मिट सकता। इसलिए भारतवर्ष के सनातनी को एक स्वर से यह बात सरकार के सामने रखनी चाहिए कि पशु सूची से हटा कर गाय माता की सूची में रखा जाए तथा प्रदेश स्तरीय केंद्रीय कानून बनाए जाए जिससे गौ हत्या पर प्रतिबंध लगे।

समय सीमा में विकास कार्य पूर्ण करने के निर्देश

रेलवे चीफ इंजीनियर मीणा ने किया सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

सिहोरा। अमृत भारत योजना के तहत सिहोरा रोड रेलवे स्टेशन में चल रहे निर्माण में लापरवाही और देरी को लेकर पश्चिम मध्य रेलवे के चीफ इंजीनियर संबधित अधिकारियों और ठेकेदार पर भडक गए। चीफ इंजीनियर ने सख्त लहजे में कहा कि मार्च तक स्टेशन का काम पूरा हो जाए नहीं तो कार्रवाई के लिए सभी तैयार रहें। दो साल में स्टेशन का काम पूरा नहीं हो पाया। उन्होंने इंजीनियर और ठेकेदार की जमकर क्लास ली।

पश्चिम मध्य रेलवे के चीफ इंजीनियर ओपी मीणा ने सिहोरा पश्चिम मध्य रेलवे में हो रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हो रहे निर्माण कार्यों में लेटलतीफी को लेकर चीफ इंजीनियर भडक गए। उन्होंने कहा कि इतने बडे काम को मजाक बनाकर रख लिया है, तय टारगेट में किसी भी हालत में गुणवत्तायुक्त काम मार्च तक पूरा हो जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मुकेष चैदहा ने सुलभ काम्पलेक्स बंद होने, एटीएम अव्यवस्थित होने,ट्रांसफार्मर न हटने,रोड की सड़कों का निर्माण न होने की समस्या से चीफ इंजीनियर को अवगत कराया।

जबलपुर रेल मंडल में अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल में अंतर विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला जिसमें क्रिकेट, वालीबॉल, बास्केटबॉल, शतरंज, बैडमिंटन एवं एथलेटिक्स खेल का आयोजन रेलवे स्टेडियम जबलपुर में किया जा रहा है जिसका शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा द्वारा क्रिकेट खेल कर किया गया। पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर मंडल में 08.02.2025 को तीन क्रिकेट मैच खेले गए जिसमें पहले मैच में सिग्नल एवं दूरसंचार ने इलेक्ट्रिकल जी को 9 विकेट से हराया, सिग्नल एवं दूरसंचार से महमूद ने सर्वाधिक 24 रन और एक विकेट लिया। दूसरा मैच टीआरओ और टीआरएस (एनकेजे) के बीच खेला गया जिसमें टीआरएस ने टीआरओ को 8 विकेट से हराया। टीआरएस की ओर से राहुल यादव ने सर्वाधिक 27 रन बनाये। तीसरा मैच स्टोर वर्सेस पर्सनल के बीच खेला गया जिसमें पर्सनल विभाग ने स्टोर विभाग को आठ विकेट से हराया। पर्सनल विभाग की ओर से प्रवीन नेगी की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की मदद से विजय रहे, इस मैच के अंपायर रहे विक्रम जसरी, कैलाश यादव, हसन अली, असलम अली और गुलाम गौस।

डॉ राजेन्द्र कुररिया के कुलपति बनने से ब्राह्मण समाज हुआ गौरवान्वित

सिहोरा। सिहोरा के डॉ राजेन्द्र कुमार कुररिया के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति बनने पर ब्राह्मण समाज सिहोरा में हर्ष व्याप्त है उन्होंने न केवल परिवार बल्कि सम्पूर्ण ब्राह्मण समाज को गौरवान्वित किया है। डॉ कुररिया की यह नियुक्ति मध्यप्रदेश के राज्यपाल महामहिम मंगूभाई पटेल कुलाधिपति द्वारा आदेश जारी कर की गई है। विदित हो डॉ कुररिया वर्तमान में साइंस कालेज जबलपुर में भौतिक विभाग के प्रोफेसर पद पर पदस्थ हैं। डॉ कुररिया के कुलपति बनने पर ब्राह्मण समाज सिहोरा के अध्यक्ष राकेश पाठक,संरक्षक अश्वनी कुमार पाठक,प्रकाश पांडे, नंदकुमार परौहा, जयप्रकाश दुबे, महामंत्री प्रवीण कुररिया, नरेंद्र त्रिपाठी, प्रवीण गौतम, गोपाल पाठक, राजेश मिश्रा, सुनील तिवारी, सुरेन्द्र तिवारी, माधव मिश्रा, शिशिर पांडे, अनिल कुररिया, राजेन्द्र गर्ग, आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

निधन

श्रीमती शकुंतला मरवाहा- आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री राधेश्याम मरवाहा की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला मरवाहा (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राजेंद्र कुमार चौबे- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री राजेंद्र कुमार चौबे (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बृजमोहन ओझा- रामकृष्ण कॉलोनी घमापुर निवासी श्री बृजमोहन ओझा (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती चमेली राजपूत- शीतलामाई निवासी श्री कमल सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती चमेली राजपूत (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष जाट- कंजड़ मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री संतोष जाट (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री पंचम चौधरी- पोलीपाथर स्थित मॉल के सामने निवासी श्री पंचम चौधरी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राधेश्याम माली- महेशपुर मदनमहल निवासी श्री राधेश्याम माली (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

कु. अनन्या सोनी- पंजाब बैंक कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री दुर्गा सोनी की पुत्री कु. अनन्या सोनी (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती नीतू कोरी- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री बलीराम कोरी की धर्मपत्नी श्रीमती नीतू कोरी (37) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रमापति मिश्र- ग्राम योगिया बक्सर बिहार निवासी श्री रमापति मिश्र (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शीला बाई राजपूत- सरकारी कुआं घमापुर निवासी श्री प्रताप सिंह राजपूत की धर्मपत्नी श्रीमती शीला बाई राजपूत (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

आचार्य विद्यासागर महाराज की प्रथम स्मृति पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित

जबलपुर। संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज की प्रथम समाधि स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद लॉर्डगंज शाखा (चंदना संभाग) द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. अनिमेष गुप्ता हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. कुसुम जैन, डॉ. चित्रा जैन स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. मयूर जैन एक्यूप्रेशर, डॉ. शुभी जैन डेंटिस्ट, डॉ. प्रिया भूरा न्यूरो फिजियोथैरेपी की सेवाएं प्राप्त हुईं। करीब 150 लोगों ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। अध्यक्ष पूजा विद्यार्थी द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक मंगलाचरण से किया गया। शिविर का उद्घाटन संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महाराज के छायाचित्र के समक्ष लॉर्डगंज स्वर्ण मंदिर के अध्यक्ष राजेश जैन किराना, प्रदीप भैया, युवा विद्वान अमित शास्त्री एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. विमला जैन द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया।

रजिस्ट्री गुमी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्रीमती रानी गिरी पत्नी श्री मायाशंकर गिरी निवासी-2523 पुरानी बस्ती, पोलीपाथर ग्वारीघाट वार्ड तहसील एवं जिला जबलपुर म.प्र.द्वारा आराजी खसरा नं.-136/1/5 रकवा 629 वर्गफिट मौजा ग्वारीघाट न. बी. नं.- 603, प.ह.न.-08, रा. नि. म.- जबलपुर, तहसील एवं जिला जबलपुर म.प्र. को डीड क्रमांक MP182542023A12278770 दिनांक 21.08.2023 के माध्यम से रेखा सिंह पति ओम नारायण सिंह निवासी-365/8 पुलिस क्वार्टर हनुमानताल, जबलपुर म.प्र. से खरीदा था। तथा रेखा सिंह पति ओम नारायण सिंह निवासी-365/8 पुलिस क्वार्टर, हनुमानताल जबलपुर म. प्र. ने आराजी खसरा नं. 136/1/5 रकवा 629 वर्गफिट मौजा ग्वारीघाट, न. बी. नं. -603, प.ह.न.-08, रा.नि.म. -जबलपुर तहसील एवं जिला जबलपुर म. प्र. को MP182542021A1746525 दिनांक 02.09. 2021 के माध्यम से श्रीमति कैलाश गर्ग पत्नी श्री तिलकराज गर्ग निवासी हाउस नं.-1585, टैगोर नगर, मोदी कॉलोनी, ग्वारीघाट जबलपुर म. प्र. से खरीदा था। जबकि श्रीमती कैलाश गर्ग पत्नी श्री तिलकराज गर्ग निवासी हाउस नं.1585 टैगोर नगर, मोदी कालोनी ग्वारीघाट जबलपुर म. प्र. ने आराजी खसरा नं. 136/1 रकवा 2323 वर्गफिट मौजा मौजा ग्वारीघाट न. बी. नं. 603 प.ह.नं.-08 रा. नि. मं.- जबलपुर तहसील एवं जिला जबलपुर म. प्र. को संजय मिश्रा तनय श्री केदारनाथ मिश्रा निवासी 35/ सी शीतलपुरी कालोनी, बल्देव बाग, उखरी रोड, जबलपुर तहसील एवं जिला जबलपुर से डीड क्रमांक-MP182542020A1884654 दि. 26.12.2020 के माध्यम से खरीदा था। यह कि उक्त डीड क्रमांक-MP182542020A1884654 दिनांक 26.12.2020 कही खो गई है काफी खोजबीन उपरांत भी नहीं मिल पाई है। अतएवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त डीड (रजिस्ट्री) किसी व्यक्ति संस्था या बैंक को मिली हो या जानकारी में हो तो सात दिवस के अंदर मेरे अधिवक्ता ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी को सूचित करें। दिनांक 07.02.2025 भवदीय-
ज्ञानेन्द्र कुमार द्विवेदी अधिवक्ता
26, नर्मदा परिसर सोहागी,बिरसामुण्डा वार्ड-75, जिला जबलपुर म.प्र.
मो.-8109283241
Legacy

अलर्ट : 6 माह में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ने कराया 10-19% तक नुकसान

ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव दिखा ● सेंसेक्स और निफ्टी अपने पीक से 10% से ज्यादा कमजोर
बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर ● मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ

बिजनेस डेस्क

इस बार स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर पड़ा है। 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड ऐसे हैं, जिनमें 10 से 19% तक की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर में पीक बनाने के बाद से अब तक ज्यादातर ट्रेडिंग सेशन में स्टॉक मार्केट पर दबाव देखने को मिला है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स अपने पीक से 10 फीसदी से ज्यादा कमजोर हुए हैं। इस साल अभी बाजार में गिरावट जारी है। हालांकि बिकवाली का सबसे ज्यादा असर स्मॉलकैप सेग्मेंट में देखने को मिल रहा है। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स बीते 6 महीनों में 11 फीसदी कमजोर हुआ है। इस साल भी इंडेक्स में करीब 11 फीसदी ही गिरावट है। फिलहाल स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली का असर स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में एसआईपी रिटर्न भी दिख रहा है।

इक्विटी मार्केट की बात करें तो बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स इस साल अबतक करीब 11 फीसदी कमजोर हुआ है। वहीं, 6 महीने में भी इसमें इतनी ही गिरावट रही है। जो अन्य प्रमुख इंडेक्स के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस साल अबतक सेंसेक्स में 1.65 फीसदी और निफ्टी में 1.50 फीसदी गिरावट रही है। मिडकैप इंडेक्स इस साल 8 फीसदी कमजोर हुआ है तो बीएसई 500 इंडेक्स में 4.5 फीसदी गिरावट रही है। बैंक निफ्टी इस दौरान 3.17 फीसदी और निफ्टी आईटी इंडेक्स करीब 3 फीसदी कमजोर हुआ है।

स्मॉलकैप फंड : बिगड़ा रिटर्न

स्मॉलकैप स्टॉक में गिरावट के चलते स्मॉलकैप फंड के शॉर्ट टर्म रिटर्न पर असर हुआ है। बीते 6 महीने में 25 से ज्यादा स्मॉलकैप फंड हैं, जिनमें 10 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इनमें 10 से 19 फीसदी निगेटिव रिटर्न दिख रहा है।

इन फंडों में गिवट का दौर

फंड	गिरावट
मिराए एसेट निफ्टी स्मॉलकैप 250 मोमेंटम क्वालिटी 100 ईटीएफः	-19.73%
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	-14.02%
एबीएसएल स्मॉल कैप फंडः	-13.65%
बड़ौदा बीएनपी परिबास स्मॉल कैप फंडः	-13.30%
फ्रैंकलिन इंडिया छोटी कंपनी फंडः	-13.06%
डीएसपी निफ्टी स्मॉलकैप250 क्वालिटी 50 इंडेक्सः	-12.94%
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंडः	-12.89%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-12.73%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.63%
आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.59%
एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.57%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.56%
निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.51%
एचडीएफसी निफ्टी स्मॉलकैप 250 ईटीएफः	-12.46%
एडलवाइस निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्सः	-12.46%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	-11.52%
एसबीआई स्मॉल कैप फंडः	-11.42%
कोटक निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.02%
एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्सः	-11.01%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	-10.86%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	-10.55%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	-10.15%
कोटक स्मॉल कैप फंडः	-10%
यूनियन स्मॉल कैप फंडः	-10%

स्मॉलकैप में अस्थिरता वजह

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉलकैप सेग्मेंट में पिछले साल लगातार भारी इनफ्लो देखने को मिला था। वहीं, बाजार की जो रैली सितंबर तक चली है, उसमें स्मॉलकैप शेयरों में बहुत ज्यादा तेजी आई। स्मॉलकैप इंडेक्स में अन्य इंडेक्स के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूती देखने को मिली। वहीं, अब बाजार वोलेटाइल है तो ऐसे में स्मॉलकैप सेग्मेंट में सबसे ज्यादा अस्थिरता देखने को मिल रही है। ऐसा आमतौर पर होता भी है कि बाजार के गिरावट के दौर में स्मॉलकैप में ज्यादा अस्थिरता दिखती है। हालांकि यह दौर ज्यादा नहीं चलता। बजट के बाद फिर इन फंडों में रैली देखने को मिल सकती है।

स्मॉल कैप फंड : कौन करें निवेश

फाइनेंशियल एडवाइजर हमेशा सलाह देते हैं कि जो इन्वेस्टर्स हाईरिटर्न के लिए हाई रिस्क लेने को तैयार हैं, वे स्मॉल कैप फंडों में निवेश कर सकते हैं। कहने का मतलब है कि जो निवेशक बाजार का ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे स्मॉल कैप कैटेगरी में निवेश करने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि स्मॉलकैप फंडों में उनके निवेश का लक्ष्य कम से कम 5 साल का होना चाहिए। लंबी अवधि में किए गए निवेश से शॉर्ट टर्म की वोलेटिलिटी का रिस्क कम हो जाता है। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड प्रमुख रूप से 5,000 करोड़ रुपये से कम मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। यह इक्विटी म्यूचुअल फंड की एक सब-कैटेगरी है और इनका प्रदर्शन बाजार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है। स्मॉल कैप कंपनियों में बाजार में गिरावट के दौरान अधिक अस्थिरता यानी वोलैटिलिटी दिखती है। हालांकि बेस्ट स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि में हाई रिटर्न देने की क्षमता होती है।

5 साल में कैसा रहा एसआईपी रिटर्न

बीते 5 साल में स्मॉलकैप फंडों का एसआईपी रिटर्न देखें तो यह हाई रहा है। 15 से ज्यादा फंड में सालाना 25 फीसदी या इससे ज्यादा रिटर्न मिला है, जिनमें कुछ के नाम इस प्रकार हैं।

पांच साल में इन्होंने दिया बढ़िया रिटर्न

फंड का नाम	रिटर्न
क्वांट स्मॉल कैप फंडः	35%
निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	30.64%
इनवेस्को इंडिया स्मॉलकैप फंडः	29%
टाटा स्मॉल कैप फंडः	28%
एचएसबीसी स्मॉल कैप फंडः	28%
एडलवाइस स्मॉल कैप फंडः	27.76%
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27.61%
एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंडः	27.58%
बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैप फंडः	27%
एचडीएफसी स्मॉल कैप फंडः	26.76%
केनरा रोबेको स्मॉल कैप फंडः	25.67%
आईसीआईसीआई प्रू स्मॉलकैप फंडः	25.35%

(डिस्क्लेमरः किसी भी इक्विटी फंड में पुराना रिटर्न आगे भी जारी रहेगा या नहीं, इसकी गारंटी नहीं है। यह भविष्य में कायम भी रह सकता है और नहीं भी। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश करने के पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।)

बाजार के उतार-चढ़ाव में हाईब्रिड फंड हो सकते हैं निवेश के लिए अच्छा सौदा

- इनमें टैक्स में बचत और नुकसान का कम होता है खतरा
- अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं
- इससे निवेशकों के लिए नुकसान का खतरा कम हो जाता है

सुझाव

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में हाल के दिनों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। ऐसे निवेशकों की चिंता भी लगातार बढ़ती है और निवेश के लिए एक अच्छा और सुरक्षित विकल्प चुनना भारी हो जाता है। ऐसे में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। बाजार के जानकारों का कहना है कि ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। इससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जो लोग शेयरों में निवेश करना चाहते हैं साथ ही टैक्स भी बचाना चाहते हैं, लेकिन वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव के कारण उनके कदम डगमगा रहे हैं। ऐसे निवेशकों के लिए हाइब्रिड फंड्स निवेश के लिए अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये फंड्स अलग-अलग तरह की असेट्स को मिलाकर बनाए जाते हैं। जिससे नुकसान का खतरा कम हो जाता है। जानकारों का कहला है कि मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप के शेयरों के दाम अभी ठीक-ठाक हैं। इसलिए निवेश इनकी ओर रुख कर सकते हैं। ऐसा करना कोई नुकसान का सौदा नहीं है। हालांकि रिटर्न कुछ कम हो सकता है, लेकिन लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो आप अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे और टैक्स भी बचा लेंगे।

क्या कहते हैं आंकड़े

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में निफ्टी 50 (जिसमें बड़ी कंपनियों के शेयर हैं) का पीई 23 है। पिछले पांच साल के औसत 24.4 से थोड़ा कम है। लेकिन बीएसई मिडकैप का पीई 43.1 और बीएसई स्मॉलकैप 250 का पीई 43.2 है। ये पिछले पांच साल के औसत पीई (33.8 और 27.4) से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि लार्जकैप की तुलना में स्मॉल और मिडकैप महंगे हैं।

कैसे होता है अलोकेशन

जानकारों का कहना है कि हाइब्रिड फंड्स में ज्यादातर बड़ी कंपनियों (लार्जकैप) के शेयर होते हैं, जिनके वैल्यू अभी फेयर हैं। वेल्थ मैनेजर्स बताते हैं कि ज्यादातर हाइब्रिड फंड्स में मीडियम और छोटी कंपनियों के शेयर बहुत कम होते हैं। हाइब्रिड फंड्स में इक्विटिज का हिस्सा 20% से 70% तक होता है, ये फंड के कैटिगरी पे निर्भर करता है। इक्विटी सेविंग्स फंड्स में सबसे कम 10% से 35% तक शेयर होते हैं। उसके बाद मल्टी असेट फंड्स आते हैं। इनमें 25% से 65% तक इक्विटी होते हैं। बैलेंस्ड अडवांटेज फंड्स में औसतन 50% से 60% इक्विटी होते हैं, जबकि अग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में 65% से 75% तक।

ऐसे में क्या करें निवेशक

जो लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से शेयरों में आना चाहते हैं और ज्यादा जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं, वो अपने रिस्क के हिसाब से अलग-अलग तरह के हाइब्रिड फंड्स में निवेश कर सकते हैं। आप इक्विटी सेविंग्स, बैलेंस्ड अडवांटेज, मल्टी असेट और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में बराबर-बराबर पैसा लगा सकते हैं। इसमें नुकसान होने की संभावना बेहद कम होती है। ऐसे में यह निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प हो सकते हैं।

लॉन्ग ट्रम में देखेंगे तो अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे, टैक्स बचेगा मिड और स्मॉलकैप की तुलना में लार्जकैप शेयर अभी फिट हैं

क्यों जरूरी हाइब्रिड स्ट्रेटेजी

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के आंकड़े बताते हैं कि पिछले 22 वर्षों में शेयरों ने 12 बार, सोने ने 9 बार और डेट ने सिर्फ एक बार बेहतर प्रदर्शन किया है। इससे साफ है कि हाइब्रिड स्ट्रेटेजी कितनी जरूरी है। वेल्थ मैनेजर्स कहते हैं कि हाइब्रिड फंड्स टैक्स में बचत कराते हैं। अगर कोई खुद शेयर, डेट व सोने में निवेश करके अपना पोर्टफोलियो बनाता है, तो उसे शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स या फिर अपनी स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स देना पड़ सकता है, जिससे इनकम कम होती है। लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश करने से टैक्स में बचत होती है। इसकी वजह ये है कि इनमें से ज्यादातर कैटेगरीज को टैक्स के लिए इक्विटी फंड्स की तरह माना जाता है।

हाइब्रिड फंड क्या हैं

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक निवेश फंड है जो अपनी परिसंपत्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में फैलाता है। आम तौर पर, ये फंड स्टॉक और बॉन्ड में निवेश करते हैं, लेकिन अपने पोर्टफोलियो में सोना, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, रियल एस्टेट, आईटी, फार्मा आदि जैसी अन्य परिसंपत्तियां भी शामिल कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड द्वारा प्रदान किया गया विविधीकरण बाजार के जोखिमों को नियंत्रित करने और एकल परिसंपत्ति वर्ग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपेक्षाकृत स्थिर लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

- एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करें, एक लाख रुपये हर माह कई वर्षों तक मिलते रहेंगे
- मोटा रिटर्न हमेशा से ही रिस्क भरा होता रहा है, अब निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क पसंद कर रहे

फ्यूचर प्लानिंग

हर माह करने होंगे 15,000 रुपये निवेश, बरसेगा धन

बिजनेस डेस्क

अमीर बनना और बड़ा फंड बनाना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए हर कोई अपने-अपने तरीके से जतन भी करता है। कोई बाजार में निवेश करता है तो कोई, जमीन, गहने, ईटीएफ, म्युचुअल फंड, एफडी-आरडी में निवेश अपना भविष्य सुरक्षित करने की जुगत लगाता है। इसलिए हर कोई अलग-अलग तरीके अपनाता है। हालांकि एक निवेश ऐसा भी जहां शुरूआत में आपको हर महीने 15,000 रुपये निवेश करने होंगे और बुढ़ापे में आपको चिंता की कोई जरूरत नहीं होगी और आप आसानी से अपने लिए बढ़िया फंड तैयार कर लेंगे। हालांकि बड़ा फंड बनाने के लिए काफी निवेशक अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। फ्यूचर फाइनेंशियल प्लानिंग कई बार गड़बड़ भी हो जाती है। कई प्लान ऐसे हैं, जिनमें आप निवेश कर जिंदगीभर मोटी कमाई कर सकते हैं। आप हर महीने कुछ रकम निवेश कर जिंदगीभर एक लाख रुपये या उससे ज्यादा घर बैठे कमा सकते हैं।

हर कोई कर रहा निवेश

आज के समय काफी लोग अपनी कमाई का कुछ हिस्सा अलग-अलग जगह पर निवेश कर रहे हैं। कोई एफडी में निवेश कर रहा है तो कोई शेयर मार्केट या दूसरी जगह अपना पैसा लगा रहा है। कुछ प्लान और स्कीम ऐसी हैं जिनमें निवेश करके मोटी कमाई की जा सकती है। हालांकि मोटा रिटर्न हमेशा से रिस्क भरा होता है, लेकिन काफी निवेशक अच्छे रिटर्न के लिए रिस्क भी लेना पसंद करते हैं।

कितना कमा सकते हैं

आप हर महीने जिंदगी भर एक लाख रुपये घर बैठे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कुछ वर्षों तक हर महीने 15 हजार रुपये निवेश करने होंगे। इसके बाद आपको एक लाख रुपये हर महीने आपको कई वर्षों तक मिलते रहेंगे। फिर भी कई करोड़ रुपये आपके पास बचे होंगे। यह रकम इतनी हो जाएगी कि आपकी सात पुश्तें भी घर बैठकर कमाई कर सकेंगी। यह कमाई कैसे होगी, इसके बारे में इस रिपोर्ट में बताया गया है।

कितना मिलता है रिटर्न?

निवेश के लिए काफी लोग अभी भी एफडी को पसंद करते हैं। इसका कारण है कि इसमें 6 से 9 फीसदी तक का फिक्स्ड रिटर्न मिल जाता है। हालांकि यह रिटर्न बैंक पर निर्भर करता है। समय-समय पर बैंक इस ब्याज में बदलाव करते रहते हैं। लेकिन घर बैठे एक लाख रुपये की कमाई एफडी में निवेश करके नहीं की जा सकती। इसके लिए आपको दूसरी स्कीम में निवेश करना होगा।

कहां करना होगा निवेश

आपको अच्छी कमाई के लिए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करना होगा। आपको हर महीने 15 हजार रुपये 20 साल तक किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करने होंगे। 15 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से 20 साल बाद यह रकम बढ़कर 2.27 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसमें 36 लाख रुपये आपके निवेश के और बाकी की रकम ब्याज की होगी।

कैसे मिलेंगे एक लाख हर महीने

20 साल बाद आपको कोई काम करने की जरूरत नहीं है। इन 2.27 करोड़ रुपये में से 27 लाख रुपये आप अपने किसी काम में खर्च कर सकते हैं। बाकी के दो करोड़ रुपये एसडब्ल्यूपी में निवेश कर दें। एसआईपी का मतलब हर महीने रकम जमा करना है तो एसडब्ल्यूपी का मतलब हर महीने रकम निकालना। इसमें भी यह रकम म्यूचुअल फंड में लगानी होती है। अगर कोई म्यूचुअल फंड सालाना 9 फीसदी का ब्याज दे रहा है तो भी आप 30 साल तक एक लाख रुपये हर महीने निकाल सकेंगे।

बच्चों के बच्चे भी करेंगे कमाई

आपके इस निवेश से आपके बच्चे और उनके बच्चों के बच्चे भी जिंदगीभर कम से कम एक लाख रुपये हर महीने कमाते रहेंगे। ध्यान रखें कि अगर आप हर महीने एक लाख रुपये से ज्यादा चाहते हैं तो वह भी मिल सकते हैं लेकिन इसमें कई बार आपका फंड यानी 2 करोड़ रुपये जल्दी खत्म हो सकते हैं। एसडब्ल्यूपी में रकम का चुनाव करने के लिए इंटरनेट पर कई कैलकुलेटर मौजूद हैं। आप उनकी भी मदद ले सकते हैं।

टर्म इंश्योरेंस, सही प्लान व कवरेज के लिए इन बातों का रखना ध्यान

जानकारी

बिजनेस डेस्क

परिवार के आर्थिक भविष्य और उसकी सुरक्षा की फिक्र हर किसी को रहती है। लोग लाइफ इंश्योरेंस इसी फिक्र को दूर करने के लिए लेते हैं, लेकिन लाइफ इंश्योरेंस के एंडोमेंट प्लान के जरिये पर्याप्त कवरेज लेने पर काफी महंगा प्रीमियम भरना पड़ता है। ऐसे में कई लोग प्रीमियम भरने की क्षमता को देखकर कवरेज लेते हैं, जो काफी नहीं होता, जबकि कवरेज पर्याप्त न हो तो लाइफ इंश्योरेंस लेने का उद्देश्य ही पूरा नहीं होता। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के जरिये कम खर्च में भी जरूरत के मुताबिक कवरेज लिया जा सकता है। यह जीवन बीमा कवरेज का सबसे आसान और किफायती तरीका है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस लेने के लिए सबसे पहले तो इस प्लान का सही मतलब समझना जरूरी है। दरअसल, टर्म इंश्योरेंस एक ऐसा जीवन बीमा प्लान है, जो निश्चित अवधि (टर्म) तक सुरक्षा प्रदान करता है। अगर इस अवधि के दौरान पॉलिसीधारक का निधन हो जाता है, तो बीमा कंपनी द्वारा उसके नॉमिनी को कवरेज के हिसाब से एकमुश्त रकम दी जाती है। यह एक प्योर प्रोटेक्शन प्लान होता है। यानी इसमें किसी तरह का निवेश या सेविंग का पहलू जुड़ा हुआ नहीं होता।

यह किफायती क्यों

टर्म लाइफ इंश्योरेंस की सबसे बड़ी खासियत इसका कम प्रीमियम है। कवरेज की तुलना में इसका प्रीमियम इतना कम इसलिए होता है, क्योंकि इसमें केवल 'डेथ कवर' दिया जाता है और प्रीमियम के तौर पर भरे गए पैसों पर कोई रिटर्न या प्रॉफिट नहीं मिलता, लेकिन एंडोमेंट प्लान्स की तुलना में इसकी प्रीमियम की दरें इतनी कम होती हैं, जिससे आपको कम लागत में अधिक बीमा कवर लेने का मौका मिलता है।

कितना कवरेज लें

सही टर्म इंश्योरेंस कवरेज का चुनाव करना बेहद जरूरी है। बीमा कवरेज की रकम इतनी होनी चाहिए कि बीमा कराने वाले के न रहने पर उसके परिवार की आर्थिक जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें। कवरेज की रकम तय करते समय आपको अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों और जरूरतों, मसलन, होम लोन, कार लोन, बच्चों के एजुकेशन और दैनिक खर्चों को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा, भविष्य में बढ़ने वाली महंगाई और अन्य संभावित खर्चों को शामिल करना भी जरूरी है। आमतौर पर माना जाता है कि टर्म इंश्योरेंस का कवरेज की रकम आपकी सालाना आमदनी के मुकाबले 10-15 गुना होनी चाहिए। यानी अगर आपकी सालाना आमदनी 10 लाख रुपये है, तो टर्म इंश्योरेंस 1 से 1.5 करोड़ होना जरूरी है।

सही अवधि कैसे चुनें

बीमा कवरेज की अवधि का चुनाव करते समय यह ध्यान में रखें कि पॉलिसी की अवधि आपकी एक्टिव अर्निंग लाइफ यानी कामकाजी उम्र को जरूर कवर करती हो। टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान के कवरेज की अवधि इतनी होनी चाहिए कि जब तक आपके आश्रित परिवार को आपके आर्थिक सपोर्ट की जरूरत है, कम से कम तब तक वे सुरक्षित रहें। अगर आपके बच्चे अभी छोटे हैं या आपके पास लंबी अवधि के ऋण हैं, तो आपको लंबी अवधि का टर्म प्लान लेना चाहिए।

राइडर्स और अन्य लाभ चेक करें

इंश्योरेंस प्लान के साथ आने वाले राइडर्स का मतलब है, ऐसे एक्स्ट्रा बेनिफिट यानी अतिरिक्त लाभ, जिन्हें आप अपने टर्म इंश्योरेंस प्लान में जोड़ सकते हैं। इनमें क्रिटिकल इलनेस कवर, एक्सीडेंटल डेथ कवर और प्रीमियम वेवर जैसे बेनिफिट शामिल होते हैं। ये राइडर, अतिरिक्त सुरक्षा तो देने हैं, लेकिन इनके लिए एक्स्ट्रा प्रीमियम भी भरना पड़ सकता है। अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह तय कर सकते हैं कि कौन सा राइडर आपके लिए फायदेमंद है। टर्म इंश्योरेंस प्लान में प्रीमियम पेमेंट यानी भुगतान के लिए अलग-अलग ऑप्शन उपलब्ध होते हैं। आप सालाना, छमाही, तिमाही या मंथली आधार पर भी प्रीमियम का भुगतान कर सकते हैं।

रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी

कुछ टर्म लाइफ इंश्योरेंस प्लान में रिन्यूएबिलिटी और कन्वर्टिबिलिटी जैसे ऑप्शन भी दिए जाते हैं। रिन्यूएबिलिटी का ऑप्शन आपको पॉलिसी पीरियड खत्म होने के बाद बिना किसी नए मेडिकल टेस्ट के इसे आगे बढ़ाने की सुविधा देता है। वहीं, कन्वर्टिबिलिटी का ऑप्शन आपको अपने टर्म प्लान को किसी और तरह के जीवन बीमा प्लान में बदलने की सुविधा देता है। हालांकि, इन ऑप्शन्स के साथ प्रीमियम की रकम बढ़ सकती है, इसलिए इन्हें चुनने से पहले सभी पहलुओं को अच्छी तरह समझना जरूरी है।

सेहत और उम्र का असर

आपकी उम्र और स्वास्थ्य आपकी बीमा पॉलिसी की प्रीमियम दरों को सीधे प्रभावित करते हैं। आमतौर पर, जितनी कम उम्र में आप टर्म इंश्योरेंस खरीदते हैं, प्रीमियम उतना ही कम देना पड़ता है। अगर आप पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, तो आपकी प्रीमियम दरें अधिक हो सकती हैं. इसलिए, टर्म इंश्योरेंस को जल्द से जल्द लेना फायदेमंद होता है। पॉलिसी खरीदने से पहले उससे जुड़ी शर्तों और नियमों को अच्छी तरह से पढ़ना और समझना जरूरी है। बीमा पॉलिसी में कुछ एक्सक्लूज़न्स भी होते हैं, जिनके तहत बीमा कंपनी क्लेम का भुगतान नहीं करती।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो भी देखें

इंश्योरेंस कवरेज लेने से पहले यह देखना भी जरूरी है कि आप जिस बीमा कंपनी का प्लान लेने की सोच रहे हैं, उसका क्लेम सेटलमेंट रेशियो कितना है। क्लेम सेटलमेंट रेशियो से पता चलता है कि बीमा कंपनी ने अपने पॉलिसीहोल्डर्स के कितने प्रतिशत क्लेम यानी दावों का निपटारा किया गया है। अगर यह रेशियो अधिक है, तो उससे पता चलता है कि बीमा कंपनी अपने ग्राहकों के प्रति जिम्मेदार है और समय पर दावों का भुगतान करती है।

टर्म इंश्योरेंस प्लान को बीच में बंद न करें

कई बार लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस प्लान को पूरी अवधि तक जारी नहीं रखते कि इसके प्रीमियम में भरे जाने वाले पैसों पर कोई रिटर्न मिलना तो दूर, प्रीमियम की रकम भी वापस नहीं मिलेगी, लेकिन ऐसा सोचना सही नहीं है, क्योंकि इंश्योरेंस का मकसद सुरक्षा देना है, रिटर्न देना नहीं। अगर आप एक बराबर कवरेज वाले किसी एंडोमेंट प्लान और टर्म प्लान के प्रीमियम की तुलना करें, और टर्म प्लान में होने वाली प्रीमियम की बचत को किसी अच्छे म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा दें, तो पॉलिसी की पूरी अवधि के दौरान आपको मिलने वाला कुल रिटर्न एंडोमेंट प्लान के मुकाबले बहुत अधिक हो सकता है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में करीब 27 वर्ष बाद कमल खिला है। पूर्ण बहुमत से भाजपा की शानदार जीत हुई है, जबकि सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को करारी हार मिली है। आप के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सतेन्द्र जैन, सौरभ भारद्वाज, सोमनाथ भारती, दुर्गेश पाठक, अवध ओझा, राखी बिड़लान आदि चुनाव हार चुके हैं। भाजपा 8 से 48 पर पहुंची है तो आप 62 से 22 पर सिमट गई है। 70 सीटों की विधानसभा वाली दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 जादुई आंकड़ा है। बड़बौलेपन अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता ने नकार दिया है। इस हार के बाद आम आदमी पार्टी के राजनीतिक भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया है। कांग्रेस एक बार फिर से जीरो साबित हुई, लेकिन उसने आप के 14 सीटों पर हारने में अहम भूमिका निभाई। अब भाजपा की अग्निपरीक्षा होगी। नए मुख्यमंत्री के चुनाव से लेकर सभी चुनावी वादे पूरे करने होंगे। भाजपा ने बिना चेहरा चुनाव लड़ा है। प्रवेश वर्मा, विजेंद्र गुप्ता, वीरेन्द्र सचदेवा व मनजिंदर सिंह सिरसा जैसे दिग्गज नेता सीएम की रेस में हैं। भाजपा के सामने वर्ष में दो मुफ्त सिलेंडर, केजी से पीजी मुफ्त शिक्षा, महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये, गर्भवती महिलाओं को 21 हजार, आयुष्मान योजना, झुग्गी बस्तियों में अटल कैंटीन में 5 रुपये में भोजन, 50 हजार सरकारी नौकरियां, 20 लाख स्वरोजगार, पंजीकृत श्रमिकों को 3 लाख लोन आदि संकल्पित वादे पूरे करने होंगे। पिछली आप सरकार की योजना मुफ्त बिजली, पानी व महिलाओं का बस में सफर को भी जारी रखने का वादा निभाना होगा। एलजी व सीएम के बीच का टकराव तो खत्म हो जाएगा, लेकिन भाजपा को काम करके दिखाना होगा। दिल्ली चुनाव का असर बिहार में भी देखने को मिलेगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

गढ़ भी छूटा और सेनापति भी नहीं रहा

दिल्ली चुनाव
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे जनाकांक्षा को भूलते गए।

मराठी की एक कहावत में गढ़ जीतने को अहम तो बताया गया है, लेकिन गढ़ की जंग में अगर सेनापति का बलिदान हो जाता है तो उस जीत को भी बड़ा नहीं माना जाता। इसी मराठी कहावत की तर्ज पर दिल्ली की सियासी जंग को अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में देखें तो कह सकते हैं कि गढ़ तो गया ही, सिंह यानी सेनापति भी नहीं रहा। अलग तरह की वैकल्पिक राजनीति और उसके जरिए आम लोगों को खुशहाल और नए तरह के भविष्य का सपना दिखाकर राजनीति में आए अरविंद केजरीवाल के लिए दिल्ली विधानसभा में बहुमत एक तरह से गढ़ यानी किला ही था।

केजरीवाल के लिए राह कठिन

अरविंद केजरीवाल वह किला अब खो चुके हैं और उनके लिए चिंता की बात है कि खुद उनके साथ उनके सेनापति इस जंग में खेत रहे हैं। तो क्या यह मान लिया जाए कि आंदोलन से उपजी राजनीति के दौर का खात्मा तय है? अभी तो यह मान लेना कि आम आदमी पार्टी खत्म हो जाएगी, थोड़ी जल्दबाजी होगी। लेकिन अतीत के उदाहरणों को देखें तो साफ लगता है कि केजरीवाल के लिए राह अब आसान नहीं रही।

अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के साथ उभरी आम आदमी पार्टी ने अलग तरह की राजनीति देने का वादा किया था। अण्णा के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को लेकर लोगों को इतनी उम्मीदें थीं कि अण्णा का अनशन तो दिल्ली में हो रहा था, लेकिन उसके समर्थन में राजस्थान के रेतीले इलाकों में इक्का-दुक्का घरों के साथ बसी ढाणियों, झारखंड-छत्तीसगढ़ के सुदूर जंगलों, पानीपत से लेकर मोतिहारी, कच्छ से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, शायद ही कोई शहर या गांव रहा होगा, जहां मोमबत्तियां न जली हों। ये मोमबत्तियां दरअसल नए भारत की अंजोरिया भरी राह का सपना थीं। आम आदमी पार्टी का जब गठन हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि उसके जरिए देश और उनकी जिंदगी में ऐसा प्रकाश फैलेगा, जिसमें उनके, उनकी संततियों और उनके देश का भविष्य उज्ज्वल होगा। इस उम्मीद और सपने को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में दिल्ली की जनता ने भरपूर साथ दिया। पहली 54.3 प्रतिशत वोट और 67 सीटें तो दूसरी बार 53.57 प्रतिशत वोट और 62 सीटें देना एक तरह से बेहतर और चमकीले सपनीले भविष्य को लेकर जनाकांक्षाओं का उफान था। कभी बंगला और गाड़ी न लेने, वीआईपी कल्चर को न अपनाने के वादे के साथ राजनीति में आए केजरीवाल धीरे-धीरे इसी जनाकांक्षा को भूलते चले गए। दूसरे कार्यकाल में तो वे तानाशाह की तरह खुद को स्थापित करते गए। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भारी जीत के बाद जैसे उनका खुद पर नियंत्रण नहीं रहा। आम आदमी पार्टी में सिर्फ उनकी ही चलती थी। लोकतंत्र का मुखौटा भी वहां नहीं रह गया था। वैसे भी आम आदमी पार्टी को पहली आर्थिक मदद देने वाले प्रशांत भूषण, वैचारिक आधार तैयार करने वाले योगेंद्र यादव और प्रोफेसर आनंद कुमार के साथ ही अपने साथी रहे कुमार विश्वास को पार्टी से पहले ही बाहर कर चुके थे। उनके शासन के आखिरी दिनों में जिस तरह स्वाति मालीवाल की मुख्यमंत्री के घर में ही पिटाई हुई, उसने अरविंद केजरीवाल के स्वभाव की एक तरह से कलई खोल दी। केजरीवाल ने अपने पहले कार्यकाल में बेशक अच्छे कार्य किए।

राजधानी में बढ़ता गया भ्रष्टाचार

मोहल्ला क्लीनिक का विचार दिया और उसे लागू किया। शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया, दो सौ यूनिट तक बिजली और एक सीमा तक पानी मुफ्त दिया। महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सहूलियत दी। लेकिन इसके साथ ही दिल्ली में भ्रष्टाचार बढ़ता गया। दो साल पहले के चुनाव में नगर निगम पर भी उनका कब्जा हो गया। इसके पहले दिल्ली की सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम पर अपना नियंत्रण ना होने का बहाना बनाते रहे थे, लेकिन अब वह बहाना भी नहीं रहा। फिर भी दिल्ली गंदी होती चली गई। दिल्ली की लाइफ लाइन मानी जाने वाली डीटीसी के बेड़े से बसें कम होती चली गईं। केजरीवाल के दौर में हवा-हवाई घोषणाएं खूब हुईं। इसकी वजह से उनसे फायदा लेने वाले लोग भी खुश नहीं थे। डीटीसी के कर्मचारियों, बसों में तैनात मार्शलों आदि को स्थायी नौकरियां देने का वादा कर चुके केजरीवाल उन्हें नौकरियां नहीं दे पाए।

पंजाब में किए वादे नहीं निभाए

2022 में पंजाब में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने महिलाओं को हजार रुपये महीने देने का वादा किया था, लेकिन अब तक उन्हें यह रकम नहीं दे पाए। पंजाब रोडवेज की बसों में महिलाओं को फ्री सहूलियत देने के चलते पंजाब रोडवेज घाटे में है। इसकी वजह से महीनों तक कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिल रही। इसका असर यह हुआ कि केजरीवाल से लोगों का भरोसा खत्म हो गया। पिछले दो चुनावों तक केजरीवाल नैरेटिव तैयार करते थे और उनके विपक्षी उसका जवाब देते थे। इस बार भी महिलाओं को 21 सौ रुपये महीने देने और उसके लिए उनके फॉर्म भरवाकर नैरेटिव स्थापित कर दिया था। लेकिन बाद में बीजेपी ने उनकी काट शुरू की। उसने अपना पंद्रह सूत्रीय संकल्प पत्र पेश किया। महिलाओं को 2500 रुपए महीने की सम्मान निधि देने और 200 की बजाय 300 यूनिट बिजली फ्री देने जैसे ऐलान किए। इसका असर वोटरों पर दिखा। इस बीच बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन के लिए अपने सारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री उतार दिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता भी सक्रिय हुए। भारतीय जनता पार्टी ने बुनियादी स्तर पर अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया, जिन्हें मनाने की जरूरत थी, उन्हें मनाया। केजरीवाल की पार्टी पस्त रही। खुद केजरीवाल भी हारे हैं, उनके विश्वस्त मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और राखी बिड़लान जैसे नाम चुनावी जंग में खेत रहे हैं।

कांग्रेस ने भी बिगाड़ा खेल

बीजेपी की जीत में कुछ हिस्सेदारी कांग्रेस की भी है। कांग्रेस को भले ही समर्थन नहीं मिला। कुछ एक जगहों को छोड़ दें तो उसके उम्मीदवार दूसरे स्थान पर भी नहीं रहे। लेकिन उसने केजरीवाल के भ्रष्टाचार और उनके बड़बोलेपन के खिलाफ माहौल बनाने में योग जरूर दिया। केजरीवाल के शीश महल का सवाल भले बीजेपी ने उठाया, लेकिन जिस आबकारी नीति घोटाले में केजरीवाल जेल गए थे, उसका भंडाफोड़ कांग्रेस के नेता अजय माकन ने ही किया था। जनता के बीच वे सादगी के साथ आए थे, इसलिए लोगों को उनका शीश महल स्वीकार नहीं हुआ। केजरीवाल ने चुनाव के आखिरी वक्त में एक और गलती कर दी। उन्होंने यह कहकर बीजेपी पर हमला बोला कि उसकी हरियाणा सरकार ने यमुना के पानी में जहर मिला दिया है ताकि दिल्ली वालों का नुकसान हो। इस बात को जनता स्वीकार नहीं कर पाई। दिल्ली में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। अब बीजेपी के सामने जिम्मेदारियों की लंबी लिस्ट है। उसकी जिम्मेदारी है कि वह राजधानी को खुशहाल ही नहीं, पर्यावरण अनुकूल और साफ भी बनाए। केजरीवाल के लिए यह चिंतन का वक्त है। उनका गढ़ भी छिन गया है और सेनापति भी नहीं रहे। ऐसे में सेना का उठ खड़ा होना आसान नहीं, वे उठ पाएंगे या नहीं, उनकी राजनीति में बदलाव आएगा या नहीं, यह तो वक्त ही बता पाएगा।

अहंकार और रणनीतिक चूक से 'आप' हारी !

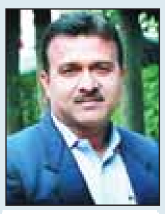

दो टूक
सुशील देव
वरिष्ठ स्तंभकार

आम आदमी पार्टी की विधानसभा चुनाव में हार ने भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है। यह हार केवल चुनावी गणित की वजह से नहीं हुई, बल्कि इसके पीछे कई गहरे कारण हैं, जो पार्टी की कार्यशैली, नेतृत्व की गलतियां और जनविश्वास की कमी को उजागर करते हैं। संगठन के स्तर पर भी आम आदमी पार्टी में वास्तविक कार्यकर्ताओं की उपेक्षा रही। आप की हार का एक बड़ा कारण उसका अहंकार और अति आत्मविश्वास रहा। जब कोई दल सत्ता में होता है, तो उसे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना पड़ता है। आम आदमी पार्टी ने अपने शुरुआती दिनों में जनता से जो वादे किए थे, उन्हें निभाने में विफल रही। नाली, पानी, सड़क, सीवर एवं अन्य बुनियादी समस्याओं पर सही समय पर सही काम नहीं हुआ। इसके अलावा, संगठनात्मक रूप से पार्टी कमजोर पड़ गई। पुराने और अनुभवी साथियों की उपेक्षा तथा नए-नए लोगों को आगे बढ़ाने की नीति ने पार्टी की जड़ों को कमजोर किया। मतलब साफ है कि हार का एक और बड़ा कारण इसके कार्यकर्ताओं की अनदेखी रही। इससे पार्टी के जमीनी समर्थन में गिरावट आई। वहीं, प्रशासनिक स्तर पर भी कई फैसले ऐसे रहे जो जनता को प्रभावित नहीं कर सके। दिल्ली सरकार की शराब नीति, मुख्यमंत्री का शीश महल और केंद्र सरकार को हर नाकामी के लिए दोष देने की प्रवृत्ति ने जनता में नकारात्मक संदेश दिया। इससे केजरीवाल की 'कट्टर ईमानदार' छवि को गहरा धक्का लगा। हर बात पर केंद्र को कोसना, धीरे-धीरे जनता को काम न करने का बहाना लगने लगा। मुफ्त योजनाओं से आगे की सोच का अभाव दिखा। जैसे कि बिजली, पानी और बस यात्रा को मुफ्त करने जैसी योजनाएं शुरूआती दौर में आकर्षक थीं, लेकिन पार्टी इनसे आगे बढ़कर कोई ठोस विकास मॉडल प्रस्तुत नहीं कर पाई। भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के आरोपों ने पार्टी की विश्वसनीयता को कमजोर किया। अन्ना आंदोलन से निकली इस पार्टी से जनता को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन समय के साथ यह उम्मीदें टूटती गईं। उनके विधायकों ने क्षेत्र के अंदर कोई कैडर तैयार नहीं किया। इस पार्टी ने बहुत जल्दी राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने की कोशिश की, जो एक बड़ी रणनीतिक भूल साबित हुई। जबकि पार्टी को पहले कुछ राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत करनी चाहिए थी, लेकिन उसने सीधे केंद्र की राजनीति को लक्ष्य बनाया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर लगातार हमले करने की रणनीति भी कारगर नहीं रही। चाहे अनुभवों की कमी हो, या सही मागदर्शन का अभाव आम आदमी पार्टी की सरकार पर कई भ्रष्टाचार के आरोप लगे जो बड़ी किरकिरी साबित हुई। कई अवसरों पर स्वयं प्रधानमंत्री मोदी को केजरीवाल के द्वारा यह चुनौती देना कि इस जन्म में वे दिल्ली नहीं जीत सकते। यह सब बचकाना और अनुभवहीनता से जनता खुश नहीं होती थी। अब पार्टी का भविष्य क्या होगा। समय का चक्र ही बताएगा। लेकिन यह सही है कि आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप भी हार का एक बड़ा कारण रहे।

जहां तक दिल्ली में विपक्ष की भूमिका निभाने की बात है। आगे की राह भी आसान नहीं दिखती। जनता का खोया हुआ विश्वास वापस पाना पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। कई नेता पार्टी छोड़ सकते हैं, जिससे संगठन और कमजोर हो सकता है। सच तो यह है कि केजरीवाल को अब सड़कों पर उतर कर फिर से आंदोलन करना पड़ सकता है। आम आदमी पार्टी को इस हार से सबक लेकर आत्ममंथन करने की जरूरत है। भाजपा ने जिस तरह आप की छवि को नकारात्मक रूप से प्रचारित किया, उसे सुधारने के लिए पार्टी को अपनी रणनीति बदलनी होगी। इस हार ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि राजनीति में टिके रहने के लिए सिर्फ वादे और मुफ्त योजनाएं ही काफी नहीं होतीं। जनता को स्थायी समाधान, पारदर्शिता और भरोसेमंद नेतृत्व चाहिए। आप को अपनी नीतियों और रणनीति पर गहन पुनर्विचार करने की जरूरत है, ताकि वह भविष्य में एक मजबूत राजनीतिक ताकत के रूप में उभर सके।

सत्ता की धुरी बनतीं महिला मतदाता

विमर्श
डॉ. मोनिका शर्मा
स्वतंत्र टिप्पणीकार व स्तंभकार

आम चुनावों से लेकर विधानसभा चुनावों तक आधी आबादी की सियासी लामबंदी स्पष्ट अब दिखने लगी है। राजधानी दिल्ली के विधानसभा चुनाव परिणामों में भी महिला वोटर्स के झुकाव का असर स्पष्ट नजर आया। 1998 से लेकर 2025 तक लंबे अर्से से सत्ता के बाहर रही बीजेपी की वापसी के पीछे भी महिला मतदाताओं ने अहम भूमिका निभाई है। 70 सीटों वाली दिल्ली विधानसभा में बीजेपी ने 48 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया है।

ध्यातव्य है कि दिल्ली में सरकार बनाने के लिए 36 सीटों पर जीत आवश्यक है। महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा से लेकर घरेलू मोर्चे पर मुफ्त पानी-बिजली देने वाली आम आदमी पार्टी के जादू को तोड़ने वाली यह जीत बीजेपी ने भी महिलाओं से लिए बहुत सी योजनाओं का वादा करके हासिल की है। असल में महिला मतदाताओं में बनती बुनियादी मुद्दों से जुड़ी सरोकारी समझ के साथ ही बढ़ता मतदान प्रतिशत भी सत्ता का खेल बनाने-बिगाड़ने वाला साबित होने लगा है।

आधी आबादी की वोटिंग ज्यादा

इस बार राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभा सीटों पर 60.54 प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 94 लाख 51 हजार 997 लोगों ने वोट डाले। महिलाओं ने न केवल मतदान प्रक्रिया में काफी उत्साह दिखाया बल्कि कई विधानसभाओं में तो पुरुषों से अधिक मतदान किया। ज्ञात हो कि दिल्ली में कुल पंजीकृत महिला मतदाताओं की संख्या 72,36,560 और पुरुष वोटर्स का आंकड़ा 83,76,173 है। आधी आबादी की वोटिंग का आंकड़ा 60.92 फीसदी रहा। वहीं 60.20 प्रतिशत पुरुषों ने मतदान किया। 5 फरवरी को हुए मतदान में देश का पावर सेंटर कही जाने वाली राजधानी दिल्ली की कुल 70 विधानसभाओं को मिलाकर महिला-पुरुष वोटरों की तुलना में महिलाओं ने 0.72 प्रतिशत अधिक मतदान किया।

महिला वोटर्स को लुभाया

महिला वोटर्स की प्रभावी भागीदारी के चलते ही दिल्ली के चुनावी मैदान में उतरे सभी दलों की सहयोगी योजनाओं के केंद्र में आधी आबादी को लुभाने की खूब कवायद की। आर्थिक सहायता देने से लेकर मुफ्त सुविधाएं देने तक, महिलाओं के लिए बहुत सी घोषणाएं की गईं थीं। महिला मतदाताओं को रिझाने के प्रयासों की सबसे पहली कोशिश 10 साल के दिल्ली की बागडोर सम्भाल रही आम आदमी पार्टी ने की थी।

घोषणाएं राजनीति का हिस्सा

पहले भी महिला वोटर्स को मुफ्त सुविधाएं देकर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना के तहत दी जाने वाली राशि को इस बार 1000 रुपये से बढ़ाकर 2100 रुपये करने का निर्णय किया था। वहीं दिल्ली विधानसभा चुनाव-2025 में कांग्रेस ने भी आधी आबादी के लिए अपना पिटारा खोलने में कोताही नहीं की। ध्यातव्य है कि कभी दिल्ली की राजनीति में मजबूत उपस्थिति रखने वाली कांग्रेस पार्टी

पिछले दो विधानसभा चुनावों में अपना खाता तक नहीं खोल सकी है। ऐसे में चुनाव से पहले महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान करते हुए कांग्रेस ने भी सत्ता में आने पर प्यारी दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देने का वादा किया था। साथ ही महंगाई मुक्ति योजना के तहत 500 रुपये में गैस सिलेंडर देने की बात भी कही थी। निःसंदेह, दोनों ही दलों की ऐसी योजनाएं महिलाओं को प्रभावित करने की राजनीति का हिस्सा थीं। वहीं 26 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी करने में सफल रही भारतीय जनता पार्टी ने भी महिलाओं को 2,500 रुपये की सम्मान राशि भी देने का ऐलान किया था। ज्ञात हो कि बीजेपी ने विधानसभा चुनाव जीतने पर 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर देने की भी घोषणा की थी। साथ ही घोषणाओं में विधवाओं, बेसहारा महिलाओं की पेंशन 2,500 से बढ़ाकर 3,000 रुपये करने और हर गर्भवती महिला को 21,000 रुपये दिये जाने की बात भी शामिल थी।

भाजपा पर जताया विश्वास

दिल्ली विधानसभा के परिणाम बताते हैं कि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने वाली योजनाओं का सकारात्मक असर देख चुकी भारतीय जनता पार्टी के वादों पर फिर से महिला वोटर्स ने भरोसा किया है।

सजगता का प्रतीक

कहना गलत नहीं होगा कि महिलाओं का बढ़ता मतदान प्रतिशत योजनाओं और मुफ्त सुविधाओं की घोषणाओं से परे उनकी सजगता का भी प्रतीक है। देश की आधी आबादी अब राष्ट्र के नव -निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के इस अधिकार के मायने समझने लगी हैं। गौरतलब है कि इस बार सत्ता गंवाने वाली आम आदमी को 2020 में मिली जीत के पीछे भी महिला मतदाताओं की अहम भूमिका थी। वर्ष 2020 के चुनाव में 31 विधानसभा क्षेत्रों और साल 2015 में 15 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का मत प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा था।

असल में अपने परिवेश के प्रति जागरूक होने के चलते स्त्रियां अब गंभीर और सजग वोटर्स बन गई हैं। महिला वोटर्स की इस जागरुकता के चलते राजनीतिक पार्टियां महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में भी दिलचस्पी दिखाती हैं। वहीं मतदान का अधिकार महिलाओं को हर भेदभाव से परे एक नागरिक के रूप में बराबरी का अहसास करवाता है। समानता, सुरक्षा और अपना अस्तित्व संवारने हेतु सहज परिवेश पाने के लिए महिलाएं पूरे उत्साह से वोट देने निकलती हैं। नतीजतन, देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक मतदाता के रूप में स्त्रियों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है।

वोटिंग को लेकर महिलाएं सजग

विचारणीय है कि परंपरागत सामाजिक-पारिवारिक ढांचे वाले भारतीय समाज में स्त्रियाँ मतदान के मोर्चे स्वतंत्र राय भी रखने लगी हैं। 2014 के आम चुनावों के समय हुए 'सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसायटी' के एक सर्वे के मुताबिक़ 70 फीसदी महिला मतदाता वोट डालने में अपने पतियों से राय लेने के बजाय स्वतंत्र निर्णय करती हैं। बीते एक दशक में तो यह आंकड़ा और बढ़ा ही है। स्त्रियां अपना मत देने को लेकर बेहद सजग हुई हैं। इतना ही नहीं, स्त्रियों में मतदान के प्रति कर्तव्य बोध का भाव भी खूब दिखता है। मतदान के अधिकार और कर्तव्य के मोर्चे पर महिला वोटर्स की बढ़ती भागीदारी व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं सामाजिक, पारिवारिक और राजनीतिक मोर्चे पर भी सकारात्मक बदलाव की बानगी है। चुनावी खेल बदलने वाली यह भागीदारी बहुत से पहलुओं पर आ रहे परिवर्तन को सामने रखती है।

घोटालों ने डुबाई 'आप' की नैया

विश्लेषण
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

आखिरकार दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन ही गई और 27 सालों का सूखा खत्म हुआ। राजधानी की जीत हर राज्य से बड़ी जीत मानी जा रही है चूंकि बीते दशकभर में बीजेपी केंद्र के अलावा कई राज्यों में सरकार बनाने में कामयाब हुई लेकिन यहां मोदी लहर के बावजूद भी केजरीवाल दिल्ली में सत्ता पर काबिज रहे। बीजेपी ने 70 में से 48 सीटों पर कब्जा किया और आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा और कांग्रेस इस बार भी शून्य पर रही।

मोदी पर जताया विश्वास

माना यह भी जा रहा था कि यदि इस बार दिल्ली में बीजेपी की सरकार नहीं बनती तो बीजेपी के सम्मान को ठेस व छवि पर बड़ा डेन्ट पड़ जाता। लेकिन इस बार दिल्ली को बीजेपी के रूप में डबल इंजन की सरकार मिल गई और जनता ने मोदी के चेहरे पर विश्वास किया। जैसा कि बीजेपी अंत तक सीएम चेहरे की घोषणा नहीं करती तो दिल्ली को लेकर भी वही रणनीति अपनाई और कामयाब भी हुए। आम आदमी पार्टी की स्थिति इतनी दयनीय हुई कि चोटी के नेता भी अपनी सीट बचाने में कामयाब नहीं हो पाए।

यदि सबसे पहले आप संयोजक व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की बात करें तो वह भी नई दिल्ली से प्रवेश वर्मा से हार गए। वहीं पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भी हार का सामना करना पड़ा, वह जंगपुरा से लड़े थे। सतेन्द्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज व दुर्गेश पाठक समेत कुछ अन्य बड़े चेहरे भी अपनी सीट नहीं बचा पाए। हालांकि मौजूदा सीएम आतिशी ने अपनी सीट जीतकर थोड़ी सी साख बचा ली। लेकिन अब आम से लेकर खास तक के मन में एक ही प्रश्न है जिस पार्टी ने दो बार पूर्ण बहुमत से रिकॉर्डतोड़ जीत हासिल की थी, आखिर उसका किला इतनी बुरी तरह क्यों ढह गया।

शराब घोटाले का लगा दाग

वैसे तो कई कारण रहे लेकिन कुछ मुख्य वजहों से आम आदमी पार्टी की स्थिति खराब होती चली गई। सबसे पहली व बड़ी वजह शराब नीति बनी जिसकी वजह से दिल्लीवासियों ने अपने आप को बहुत ठगा व कुंठित महसूस किया। शराब नीति के तहत दिल्ली के हर एक वार्ड में तीन शराब के ठेके खोले गए थे और वह उन जगहों में खोले गए जो कॉलोनी के बीचोंबीच थे। इस बात से जनता बहुत नाराज हुई थी। मामला यहां तक पहुंच गया था कि आप अपने दामन पर लगे शराब घोटाले के दाग को छुड़ा नहीं पाई। बीजेपी ने पिछले तीन साल में इस मुद्दे पर जमकर घेरा। हालात यह थी कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और राज्य सभा सांसद संजय सिंह को जेल जाना पड़ा।

जल बोर्ड घोटाला भी बना मुद्दा

बीजेपी इस मुद्दे को लेकर लगातार प्रदर्शन करती रही और घेरती रही। बीजेपी नेताओं ने इस मुद्दे को गर्म रखा और हर जगह इस घोटाले की चर्चा करते रहे। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड घोटाला ने भी आप को परेशान किया। इस मामले

में ठेकेदारों से पैसे वसूलने के लिए ठेकों को कम पैसे पर छोड़ने का आरोप लगा था। इस मामले की जांच अब तक ईडी कर रही है। अरविंद केजरीवाल इस मामले में भी आरोपी हैं।

इसके अलावा बीते लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन करना भी आम आदमी पार्टी को भारी पड़ा और हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में गठबंधन नहीं हुआ तो आप-कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आए, जैसा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच ज्यादा समय नहीं था तो जनता बातों को भूल भी नहीं पाई।

आप विधायकों ने छोड़ा साथ

इससे जनता में अविश्वास बढ़ा। साथ ही बीजेपी के लिए सोने पर सुहागा इसलिए भी हो गया कि दिल्ली में जब चुनाव प्रचार चरम पर था तो आम आदमी पार्टी के सात विधायक पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए थे।

इससे पहले आप के कई कैबिनेट मंत्री भी पार्टी का साथ छोड़कर दूसरी पार्टियों में शामिल हो गए थे। इनमें कैलाश गहलोत और राजेंद्र पाल गौतम मुख्य माने जा रहे थे।

बता दें कि ये दोनों नेता कभी 'आप' के मुख्य चेहरा हुआ करते थे। इस बात का भी असर आप के चुनाव परिणाम पर पड़ा।

स्वाति मालीवाल का पिटाई कांड

आम आदमी पार्टी लोगों में यह धारणा बना पाने में नाकाम रही कि पार्टी में सबकुछ ठीक-ठाक है और वहां नेतृत्व का कोई संकट नहीं है लेकिन सच्चाई सबको पता चल गई। स्वाति मालीवाल के पिटाई कांड से भी पार्टी को बड़ी क्षति हुई और उस कांड के बाद स्वाति ने अपनी पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और पार्टी की आंतरिक बातों को बाहर उजागर करना शुरू कर दिया। बीते लगभग 6 महीने से स्वाति मालीवाल ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ एक मुहिम सी छेड़ दी जिससे पार्टी के कुछ अन्य नेताओं का भी विश्वास टूटा, साथ ही जनता में एक बड़ा नकारात्मक संदेश गया और पार्टी को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस भले ही कोई सीट नहीं जीत पाई हो लेकिन वह अपना वोट फीसदी बढ़ा पाने में कामयाब रही है। कांग्रेस को 2020 के चुनाव में 4.26 फीसदी वोट मिले थे और इस बार लगभग 7 प्रतिशत वोट मिले।

कांग्रेस को जितना भी वोट प्रतिशत बढ़ा वो आम आदमी पार्टी का ही माना जा रहा है। इन तमाम बड़े मुद्दों को बीजेपी ने जमकर भुनाया और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे ने कई 'बंटोगे तो कटोगे' के नारे से कई राज्यों में बीजेपी को जीत में मदद मिली। दिल्ली में योगी के इस नारे का जादू चला और योगी ने कुल 14 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था जिसमें से 11 सीटों पर जीत मिली है।

भाजपा का आक्रामक प्रचार

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय गृहमंत्री के अलावा भाजपा शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ कई बड़े चेहरों ने जमकर प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया।

इस बार भाजपा की ओर से बहुत पहले से ही माहौल बना हुआ था और जिस ऊर्जा के साथ लड़ रहे थे उससे यह तो तय हो गया था कि इस बार खेल बड़ा होगा। बीजेपी ने दिल्ली तो जीत ली लेकिन दिल्ली वालों का दिल जीतना अभी भी बाकी है। चूंकि पार्टी ने आम आदमी पार्टी के तर्ज पर जितनी बड़ी घोषणाएं की हैं उसको पूरा करना व निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा चूंकि बीजेपी अब तक भी आप को फ्री की योजनाओं को लेकर घेरती रही। अब बीजेपी के लिए भी खेल गुणवत्ताओं पर चलेगा चूंकि दावों और वादों की झड़ी बहुत ज्यादा व बड़ी है।

खबर संक्षेप

उपद्रव मचा रहे चार युवकों को किया गया गिरफ्तार

कटनी। किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में उपद्रव मचा रहे चार युवकों पर माधवनगर पुलिस ने कार्यवाही की है। पुलिस के अनुसार अमीरगंज, बंगला लाईन, कुम्हार मोहल्ला, इन्द्रा ज्योति कालोनी में आम रास्ते पर उपद्रव कर रहे चार लड़को पर कार्यवाही करते हुए मौके से गिरफ्तार कर लिया। जानकारी अनुसार अमीरगंज में राजेन्द्र चौधरी 42 साल निवासी अमीरगंज व बंगला लाईन के पास साहिल वंशकार 20 साल निवासी बंगला लाईन व सुधीर चौधरी 50 साल निवासी हाउसिंग बोर्ड व कुम्हार मोहल्ला में बिक्रम चौबे 18 साल निवासी कुम्हार मोहल्ला को आम लोगो के साथ गाली गुफ्तार कर उपद्रव कर रहे थे जिसकी सूचना थाना प्रभारी उनि रूपेन्द्र राजपूत को प्राप्त हुई। पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। मौके पर पुलिस ने पाया कि राजेन्द्र चौधरी, साहिल वंशकार, सुधीर चौधरी, बिक्रम चौबे उपद्रव कर रहे थे जो संज्ञेय अपराध घटित करने की अंदेशा पर पुलिस के समझाने पर नही समझने पर पुलिस ने तत्परता से चारो लड़को को खण्ड 170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर लिया।

पत्नि पर बका से हमला करने वाला पति पहुँचा जेल

कटनी। खुद की पत्नि पर बका से हमला करने वाले आरोपी पति के खिलाफ उमरियापान पुलिस ने कार्रवाई किया है। आरोपी को न्यायालय से जेल भेजा गया। उमरियापान थाना प्रभारी दिनेश तिवारी ने कहा बताया कि ढीमरखेड़ा थाना अंतर्गत मुरवारी निवासी नंदनी बर्मन गुरुवार शाम उमरियापान न्यू बस स्टैंड पर खड़ी थी।महिला पर चरित्र संदेह को लेकर उसके पति धनंजय बर्मन ने गालियां देते हुए धारदार लोहे के बके से हमला कर दिया। जिस पर महिला के शरीर में चोट पहुँची। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई किया है। कार्रवाई में प्रधान आरक्षक आशीष मेहरा, अजय सिंह, अजय तिवारी, आरक्षक नीलेश पटेल, जगन्नाथ सिंह, मनोज कुम्हरे, मोहन मुवेल की भूमिका रही।

चाका बायपास में 2 घंटे तक लगा लंबा जाम

कटनी। राष्ट्रीय राजमार्ग में चाका बायपास क्षेत्र में करीब 2 घंटे तक जाम चलने से वाहन चालकों एवं यात्रियों को परेशान होना पड़ा। जाम लगने की सूचना मिलने पर कुठला पुलिस एवं यातायात का अमला मौके पर पहुंचा। यातायात थाना प्रभारी राहुल पाण्डेय ने बताया कि मैहर रीवा रोड की और जाने वाले मार्ग कटनी जबलपुर चाका बाईपास मार्ग पर वाहनो का कुम्भ जाने और वापस लौट रहे यात्रियों के वाहनो का काफी लम्बा जाम लगा हुआ था। सूचना मिलने पर यातायात एवं पुलिस बल द्वारा जाम को खुलवाया गया। कुठला थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा व यातायात प्रभारी राहुल पांडे व कंट्रोल रूम से सुदेश कुमार, जुहला चौकी वर्तमान प्रभारी शशिभूषण दुबे ट्रैफिक व थाना पुलिस बल के द्वारा कुम्भ जाने वाले यात्रियों की मदद की गई। जब तक मैहर सतना हाइवे मार्ग की ओर वाहनो को आगे बढ़ाने सूचना मिलते ही वाहनो को आगे जाने दिया गया।

जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के चलते हावी है मनमानी

ओवरलोड भारी वाहन सड़कों का निकाल रहे दम, उड़ रही धूल डस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

इसमें कोई दो मत की बात नहीं कि सड़को के निर्माण व विस्तार की दिशा में कारगर प्रयास हुये है गांव से मुख्य शहरो को जोड़ने हुये बेहद सार्थक प्रयासो में प्रशासनिक लापरवाही व वाहन चालको की मनमानी सामने आई है। ओवरलोड भारी वाहन सड़को का सत्यानाश कर रहे है। हाईवा वाहनो पर लगे पटरे तत्काल हटवाने निर्देश होने के बावजूद इसके भारी वाहनो से पटरे नहीं हटाये गये।

दरअसल रेत, गिटटी, सीमेंट, कोयला, सरिया लोड भारी भरकम हाईवा बेरोकटोक सड़को पर दौड़ रहे है। 50-50 टन वजनी हाईवा जहां से भी गुजरते है वही सड़को की शामत आ जाती है। वाहनो के साइड लेते ही किनारे से सड़क टूटने के अलावा कभी दबकर ढाल बनने तो कही अधिक दवाब से गढडा बन जाता है। यदि सड़क एक बार उखड़ी तो फिर उसी पर से वाहनों की लगातार आवाजाही की वजह से उखड़ती चली जाती है और बिना किसी हादसा या हो हल्ला के मरम्मत भी नही होती।

सड़को का दम निकाल रहे भारी भरकम ओवरलोड वाहनों पर कभी कभार ही दिखावे की कार्यवाही होती है। सबसे ज्यादा वाहन सुडडी, बसाड़ी, बड़वारा, उमरिया, चंदिया रोड होकर कटनी पहुंचते है। इन ओवरलोड वाहनों की कही भी जांच कार्यवाही हो सकती है लेकिन इस दिशा में न तो परिवहन अधिकारी न ही खनिज विभाग के अधिकारी ध्यान नही दे पा रहे है। नतीजन सड़के बर्बाद हो रही है। ग्रामीण सड़को के अलावा शहर की अंदरूनी सड़को में भी भारी वाहनों की धमाचौकड़ी से न सिर्फ सड़क खराब हो रही है बल्कि ओवरब्रिज पर भी खतरा मंडरा रहा है।

धमाचौकड़ी से मुसीबत

रिहायशी बस्तियों के बीच से भारी वाहनो की आवाजाही पर पूरी तरह विराम नही लग सका है। रिहायशी क्षेत्र से भारी वाहनो की आवाजाही से पूर्व में अनेक हादसे हो चुके है। अकाल मौत भी हो चुकी है। बावजूद इसके भारी वाहनो की आवाजाही नही थम रही है। जगह जगह पर सड़क में गड्ढे भी है इसी वजह से हादसे का अंदेशा बना रहता है। इतना सब होने के बावजूद समस्या की ओर ध्यान नही दिया जा रहा है। उखड़ी सड़क की गिट्टियां उचटकर लोगो को लगती है। नशे की हालत में वाहन चालन की बजह से हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। कार्यवाही नहीं होने से भारी वाहनो की धमाचौकड़ी और बढ़ गई है।

ओवरलोड भारी वाहनो पर नियमित कार्यवाही न होने के पीछे एक वजह राजनीतिक दल से जुड़े नेताओं के वाहन है। वाहनों की पहचान के लिये या तो उन पर नेताओं का सरनेम लिखा है या फिर पार्टियों के चिन्ह बने हुए है। ऐसे वाहनों को छोड़कर ही अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की जाती है जिनकी गिनती बेहद कम है। गौरतलब है कि टाटा, महिन्द्रा जैसी अनेक कंपनियों के हाईवा जिनकी क्षमता के हिसाब से बाडी तो बना दी गई है लेकिन ओवरलोडिग के लिये वाहन मालिको द्वारा अलग से पटरा लगाकर रेत ढोई जा रही है। इसी वजह से सड़के ध्वस्त हो रही है।

बड़वारा टीम को राज्य स्तर पर पिट्टू में मिला गोल्ड मैडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

छात्र व छात्रा आगामी दिनों में राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे सहभागिता

जिला स्तरीय पिट्टू प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय बड़वारा की टीम ने महिला एवं पुरुष दोनों ही वर्ग में विजेता स्थान प्राप्त किया था। जिसके परिणामस्वरूप महाविद्यालय के नौ खिलाड़ियों का चयन कटनी जिला दल में किया गया था। मंडला में आयोजित हुई संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में अपने खेल कौशल और प्रदर्शन के दम पर बड़वारा महाविद्यालय के दो छात्र छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु जबलपुर संभाग दल में किया गया था।

इंदौर में 7 फरवरी को आयोजित हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में महिला व पुरुष दोनों वर्गों में फाइनल में जबलपुर संभाग ने इंदौर को हराकर ख़िताब अपने नाम किया। विजेता टीमों को गोल्ड मैडल प्रदान किया गया जिसमें शासकीय महाविद्यालय बड़वारा की अमिता सिंह एवं शिवम् महोबिया शामिल थे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीतकर महाविद्यालय के छात्रों ने एक बार फिर क्षेत्र व जिले का नाम रौशन किया है। ज्ञात हो कि बड़वारा की पूरी टीम कई दिनों से महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. आदित्य गढ़ेवाल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। आगामी दिनों में दोनों छात्र छात्राएँ राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता करेंगी।

कलेक्ट्रेट गेट के सामने मांगों को लेकर की नारेबाजी

51 सूत्रीय मांगों को लेकर संयुक्त मोर्चा ने सीएम के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संघ ने आंदोलन के तीसरे चरण में 51 सूत्रीय मांगों के निराकरण हेतु कटनी कलेक्ट्रेट गेट के सामने मोर्चा में सम्मिलित 52 संगठन प्रमुखों व पदाधिकारियों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर संगठनात्मक एकता का संदेश दिया तथा कर्मचारियों ने अपनी न्यायोचित मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की । अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री एवं मुख्यसचिव मप्र शासन के नाम ज्ञापन एडीएम श्रीमती साधना परस्ते को सौंपा गया । मप्र सिविल सेवा महासंघ से संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संस्कृति शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती निधि गोहल, एसडीएम प्रदीप मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर विवेक गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर प्रमोद चतुर्वेदी, लोक सेवा प्रबंधक दिनेश विश्वकर्मा, तहसीलदार सुश्री नेहा जैन, अधीक्षक भू अभिलेख डॉ राकेश अहिरवार, कलेक्ट्रेट अधीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव ने भी ज्ञापन में अपनी उपस्थिति देकर अधिकारी कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों का समर्थन किया।

प्रमुख मांगों में कर्मचारियों का स्वास्थ्य बीमा कर हेल्थ कार्ड जारी करने,लंबित 3 प्रतिशत डी ए शीघ्र देने , पुरानी पेंशन की बहाली,2016 से रोकी गई पदोन्नति स्थाई रूप से शुरू करने, लिपिक संवर्ग की वेतन विसंगति दूर करने, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का पदनाम परिवर्तन करने व ग्रेड पे 1300 के स्थान पर 1800 किये जाने ,गृह भाड़ा भत्ता सातवें वेतनमान के अनुरूप दिया जाने, दैवेभो स्थाई कर्मियों अंशकालीन को नियमित किया जाने ,रसोईया कोटवार आंगनबाड़ी आशा कार्यकर्ता को कलेक्टर दर पर घोषित करने, कर्मचारी को 300 दिवस के अर्जित अवकाश का लाभ दिये जाने, सीपीसीटी परीक्षा की बाध्यता खत्म करना आउटसोर्स प्रथा बंद कर नियमित पदों पर भर्ती किये जाने आदि की मांगें शामिल हैं।

सामूहिक विवाह आयोजन में दिखी अव्यवस्थाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

ढीमरखेड़ा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनांतर्गत ढीमरखेड़ा जनपद में हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम में अव्यवस्थाएं हावी रही। यहाँ विवाह के आये जोड़ों के साथ पहुँचे परिजनों को परेशान होना पड़ा। जनप्रतिनिधियों ने भी सामूहिक विवाह कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पर सवाल खड़ा किया। ढीमरखेड़ा जनपद में शुक्रवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। 56 जोड़ों ने विवाह के लिए पंजीयन कराया। 43 जोड़ों युवक-युवतिया परिणय सूत्र में बंधी।

जिपं सदस्य ने आरोप

जिला पंचायत सदस्य अजय गौंटिया ने अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बाहुल्य ढीमरखेड़ा जनपद में सरकार की मंशा के अनुरुप सामूहिक विवाह कार्यक्रम नहीं किया गया। विवाह कार्यक्रम में जनपद प्रशासन के अधिकारियों द्वारा लापरवाही बरती गई। उन्होंने कहा कि जनपद प्रशासन ने बंद मंगल भवन में विवाह कार्यक्रम कराया। जहाँ एक ही मंडप में एक साथ चार चार जोड़ों ने फेरे लिया। कमरे में धुंआ इतना था कि विवाह की खुशी की बजाय वर - वधु की आंखों से आंसू टपक रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम खुले मैदान में सुव्यवस्थित पंडाल पर होना चाहिए।

जिला पंचायत सदस्य ने विवाहित जोड़ों को दी गई सामग्री पर कमीशन खोरी को लेकर भी सवाल खड़े किया है। उन्होंने कहा कि वर वधु के साथ आये परिजनों को बैठने की कोई व्यवस्था नहीं हैं। साथ आये लोग यहाँ वहाँ भटकते रहे। पीने के पानी के लिए लोगों को परेशान होना पड़ा।

1 लाख 20 हजार रूपए कीमती धान का रास्ते में हो गया गोलमाल, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

समर्थन मूल्य में धान खरीदी के बाद जब उपज का परिवहन कर वेयर हाउसों में भंडारण का कार्य चल रहा है। परिवहन के दौरान घपलेबाजी का खेल भी चल रहा है। वेयर हाउस में धान जमा कराने के लिए ट्रकों के माध्यम से पहुंची। वेयर हाउस संचालक को कुछ शंका हुई तो ट्रकों का धर्मकांटा में तौल कराया गया। तौल के दौरान दो ट्रकों में करीब 52 क्विंटल धान कम निकली। वेयर हाउस संचालक ने बिलहरी पुलिस चौकी में मामले की शिकायत की। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी हैं।

जानकारी के अनुसार जेबीडी फूड प्रोडक्ट राईस मिल ग्राम करहैया कला बिलहरी रोड के लिये नागरिक आपूर्ति विभाग कटनी से धान की डिलेवरी आर्डर क्रमांक 2 एलओटी 866 क्यूएनटीएल हैं का आर्डर प्राप्त हुआ। जिससे दिनांक 4/2/25 ग्राम मसंदा उपार्जन केन्द्र बाकल जिसका कोड 59242169 हैं उपार्जन केन्द्र से 866 क्विंटल धान 2166 बोरी लोड कराने का धान डिलेवरी आर्डर मिला था। 3 ट्रकों में धान लोड करके मसंदा उपार्जन केन्द्र से राईस मिल जेबीडी प्रोडक्ट ग्राम करहैया कला आना था। ट्रक क्रमांक एमपी 20 एबी 6291 में 735 बोरी धान जिसका वजन 294 क्विंटल जिसकी माल एवं गाडी सहित वजन 40470 किलो था। ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 8091 में 760 बोरी वजन 304 क्विंटल जिसका माल सहित वजन 41170 किलो था तथा ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 5581 शेष बचे हुये माल 670 बोरी धान लोड थी दिनांक 5/2/25 को सुबह करीब 9 बजे तीनों ट्रक कृष्णा धर्मकांटा पहुंची जो वजन कराने पर ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 5581 लोड धान पूरी थी तथा ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 6291 में 58 बोरी धान 23 क्विंटल 30 किलो व ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 8091 में 73 बोरी धान वजन 29 क्विंटल 10 किलो कम थी। ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 6291 एवं ट्रक क्रमांक एमपी 20 एचबी 8091 के चालकों द्वारा कुल 87 बोरी शासकीय धान कुल 52 क्विंवट 40 किलो धान जिसकी कीमत अनुमानित लगभग 1 लाख 20 हजार रूपये हैं। खुर्दबुर्द कर ली गयी हैं। पुलिस ने धारा 305 316/3बीएनएस प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना विवेचना में लिया।

प्रयागराज में वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी के बाद लोगों को समस्या से बचाने कवायद

प्रयागराज जाने यात्रियों की भारी भीड़ हाईवे पर वाहनों को रोका

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

प्रयागराज में महाकुंभ के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की खासी भीड़ चल रही है। ट्रेनों के अलावा लोग अपनी सुविधानुसार स्वयं वाहनों से भी जा रहे हैं। बढ़ते ट्रैफिक दवाब एवं जाम की समस्या को देखते हुए यात्रियों को परेशानियों से बचाने के लिए पुलिस द्वारा हाइवे में बैरीकेटिंग कर समझाइश दी गई। दरअसल प्रयागराज में वाहनों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है, जिसका असर राष्ट्रीय राजमार्गों में हो रहा है।

कटनी से होकर गुजरे नेशनल हाईवे 30 में भी देखने को मिल रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन के निर्देश पर यातायात प्रभारी राहुल पांडे ने पीरबाबा के समीप मोर्चा संभाला और यहां से भी वाहनों को आगें बढने से रोका। मैहर व कटनी जिला प्रशासन के मुताबिक हाइवे पर वाहनों का दबाव कम होने के बाद हाइवे पर वाहनों को पुनः आवागमन के लिए छोड़ा जाएगा। यातायात थाना प्रभारी राहुल पांडे के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात किया गया है, जो कुंभ जाने वाले वाहनों को नियंत्रित कर रहा है। हाईवे पर लगभग 2-3 किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गई है। राहुल पाण्डेय के मुताबिक यातायात का दबाव कम करने के लिए वाहनों को क्रमबद्ध तरीके से आगे भेजा जा रहा है। स्थानीय प्रशासन इस स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।सभी आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

पड़ोसी जिले मैहर में भी एनएच पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा प्रयागराज जा रहे वाहनों को रोकने का काम शुरू किया। श्रद्धालुओं को समझाया जा रहा है कि कुछ देर बाद स्थिति सामान्य होने पर वाहनों को क्रम से छोड़ा जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रयागराज महाकुंभ में फिर से भीड़ का दबाव बढ़ने लगा है। सुबह से ही कुंभ की ओर जाने वाले सारे रास्तों पर विकट का जाम लगा हुआ है. जिस पर कटनी के राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर भी जाम की स्थिति बनी हुई थी गाड़ियां रेंग रेंग कर चल रही हैं। यातायात पुलिस और प्रशासन की यातायात व्यवस्था के चलते लोगों से अपील की जा रही हैं कि वें बिना आवश्यकता के ना निकले। NH 30 पर स्थितयां सामान्य होने तक आवश्यक होने पर ही निकलें।

स्टेशनों में भी रही भारी भीड़

महाशिवरात्रि तक चलने वाले महाकुंभ में यात्रियों के पहुंचने का उत्साह अभी कम नहीं हुआ है। रेलवे स्टेशनों में भी यात्रियों की खासी भीड़ नजर आ रही है। रेलवे प्रशासन भी यात्रियों की सहूलियत के लिए प्रयासरत है। यात्रियों को यात्रा के दौरान किसी तरह की परेशानियों का सामना नहीं करना पड़े इसलिए जरूरत के अनुसार स्पेशल कोच भी लगाए जा रहे हैं।

विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता के बारे में दी जानकारी

सौर ऊर्जा पर रोजगारोंमुखी कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास संस्थान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय कटनी में एक दिवसीय रोजगार प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि संगम जायसवाल, डॉ शोभाराम मेहरा कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राज शर्मा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर सुनील कुमार बाजपेई, अंजली सोनी उपस्थित में शुभारंभ किया गया।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कुमारी सृष्टि तिवारी एवं ज्योत्सना सोनी द्वारा स्वागत गीत एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा, तथा अतिथियों का स्वागत डॉक्टर सुनील कुमार बाजपेई द्वारा किया गया। तथा उन्होंने ऊर्जा संरक्षण के आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। डॉ शोभाराम मेहरा ने राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वर्ष भर आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दिए तथा उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, प्रमाण पत्र के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया। राज शर्मा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा देश और प्रदेश को सौर ऊर्जा के प्रति जागरुक और ऊर्जा के क्षेत्र में सक्षम बनाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की सराहना की। उन्होंने युवाओं और छात्रों को इन प्रयासों से जोड़ने की महत्ता पर जोर दिया साथ ही राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और उनकी विस्तृत श्रृंखला की जानकारी भी दी जिससे छात्र लाभान्वित होकर ऊर्जा क्षेत्र में नए अवसर पा सकें।

कार्यशाला के पहले दिन सौर ऊर्जा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। छात्रों ने इस कार्यक्रम भारी संख्या में भाग लिया और सौर ऊर्जा के तकनीकी व व्यवहारिक ज्ञान का लाभ उठाया। कार्यक्रम में छात्रों को ऊर्जा से संबंधित विभिन्न तकनीकी कौशल सिखाए जायेंगे। डॉ सतीश तिवारी कार्यक्रम अधिकारी द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ रुक्मणी प्रताप सिंह जिला संगठन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं आभार डॉ अरविंद सिंह कार्यक्रम अधिकारी द्वारा किया गया।

मां बेटे को जान से मारने की धमकी देकर महिला से किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे आये दिन गंभीर अपराधों के मामले बढ़ते जा रहे है वही पुलिस अपराधों पर लगाम लगाने के लिय निरंतर सक्रिय है लेकिन अपराध कम होने का नाम नही ले रहे है। ऐसा ही मामला थाना क्षेत्र स्टेशनगंज से सामने आया जहां पर पीड़ति द्वारा द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायती आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई। आवेदन मे पीड़ति द्वारा बताया गया कि युवक द्वारा उसके साथ नागपुर लेकर जा कर दुष्कर्म की घटना को अजाम दिया। आवेदन मे महिला द्वारा यह बताया गया है कि आरोपी द्वारा उसे तथा उसके बेटे को जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीडिता द्वारा आवेदन मे बताया गया कि उसका बेटा बीमार था तब अगस्त माह मे वह बेटे को अस्पताल में भर्ती कर इलाज करा रही थी तभी उसकी मुलाकात आरोपी से हुई और उसने बच्चे को खिलाने के बहाने पास आया और उसे जान से मारने की धमकी देकर नागपुर ले गया, जहां तीन महीने तक दुष्कर्म किया। पीड़िता को कुछ दिन बाद आरोपी दूसरी जगह ले गया जहां पर लगभग दो महिना रखा और उसके साथ दुष्कर्म करता रहा आरोपी द्वारा पीड़िता को शादी का झांसा भी दिया गया। जब पीड़िता ने शादी के लिये कहा तो आरोपी द्वारा मना कर दिया गया। जिसकी शिकायत पुलिस थाने मे करने गई तो मामला दर्ज नही किया गया। आरोपी द्वारा पीड़िता को बताया गया कि वह ढाई एकड़ भूमि का मालिक है तथा शादी करने का झांसा दिया गया। जब आरोपी दूर होने लगा तो पता किया जिसमे पता चला कि आरोपी पहले से ही शादीशुदा है और उसके दो संतान है जिसमे 16 वर्षीय बेटी और 14 वर्षीय बेटा है जब पीड़िता ने शादी की बात की तो आरोपी ने न केवल इनकार कर दिया बल्कि उसे धमकियां भी दी गई। पीडिता ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई। महिला की शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध ना करने से पुलिस की कार्य प्रणाली पर भी सवाल उठ रहे है। अब देखना होगा कि पुलिस क्या कार्रवाई करती है।

'देवा' का नया गाना 'बस तेरा प्यार में विशाल ने लगाए सुर...

मुंबई। शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की फिल्म 'देवा' को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक सप्ताह पूरा हो गया है। इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थी, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल बेहाल है। अब इस बीच निर्माताओं ने 'देवा' का नया गाना 'बस तेरा प्यार है' जारी कर दिया है, जिसे विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। इस गाने में शाहिद और पूजा की खूबसूरत केमिस्ट्री दिख रही है। 'देवा' का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है, वहीं सिद्धार्थ रॉय कपूर इस फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म में पावेल गुलाटी ने भी अभिनय किया है। इस एक्शन ड्रामा में शाहिद ने एक 'दबंग' पुलिसवाले का किरदार निभाया है, वहीं फिल्म में पूजा एक पत्रकार बनी हैं।

लाइफ Style

नोरा

खुद को दिल से भारतीय मानती हूं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री एवं डांसर नोरा फतेही गुरुवार को 33 वर्ष की हो गईं। नोरा फ़तेही का जन्म कनाडा में छह फ़रवरी 1992 में हुआ था। वह कनाडा में ही पली बढ़ी हैं। उनका जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था, लेकिन उनकी मां एक भारतीय महिला हैं।

नोरा फतेही कनाडाई डांसर, अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने हिंदी, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और तमिल भाषा की फिल्मों में अभिनय किया है। नोरा फतेही का जन्म और पालन-पोषण टोरंटो कनाडा में हुआ और वह मोरक्को की मूल निवासी हैं। उन्होंने टोरंटो के वेस्टव्यू सेंटेनियल सेकेंडरी स्कूल से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने यॉर्क यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान और अंतरराष्ट्रीय संबंधों का अध्ययन किया। उन्होंने कई साक्षात्कारों में कहा है कि वह खुद को दिल से भारतीय मानती हैं।

नोरा फतेही ने वर्ष 2014 हिंदी फिल्म रोरः टाइगर्स ऑफ दि सुंदरबन्स से अपने अभिनय जीवन की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने पुरी जगन्नाथ की फिल्म टेम्पर में आइटम नंबर, इट्टेज रेचीपोधम के साथ तेलुगु फिल्मों में कदम रखा। नोरा ने विक्रम भट्ट निर्देशित और महेश भट्ट निर्मित फिल्म मिस्टर एक्स में इमरान हाशमी और गुरमीत चौधरी के साथ एक विशेष भूमिका भी निभाई। नोरा फतेही बाहुबली दि बिगिनिंग के गाने मनोहारी और किक 2 के गाने कुक्कुरुकुरु आइटम नंबर में दिखाई दी। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म शेर में काम किया।

हॉलीवुड मसाला

पति को नया नाम मिलने पर मुस्करा दीं

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने पति निक जोनस के साथ भारत में हैं। वह अपने भाई की शादी में हिस्सा लेने भारत पहुंची हैं। प्रियंका जब भी भारत आती हैं, पैप्स निक जोनस को प्यार से कई अलग नामों से बुलाते हैं। अब प्रियंका और निक का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में निक और प्रियंका पैप्स के सामने पोज कर रहे थे। निक जब पोज कर रहे होते हैं, तभी वो निक जोनस को निकू कहकर बुलाते हैं। निक का नाम सुनते ही प्रियंका चोपड़ा की हंसी निकल जाती है।

'समलैंगिक समुदाय को आगे बढ़ने का हक' ...

लॉस एंजिल्स। गायिका लेडी गागा ने सर्वश्रेष्ठ पॉप जोड़ी प्रदर्शन के लिए ग्रैमी सम्मान जीतने के बाद 'समलैंगिक समुदाय' का आभार जताया और कहा कि इन्हें भी आगे बढ़ने का अधिकार है। वेराइटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, गागा ने कहा, "आप सभी के लिए गाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं आज बस इतना कहना चाहती हूं कि ट्रांस लोग गुम नहीं हैं। ट्रांस लोग प्यार के हकदार हैं। समलैंगिक समुदाय को ऊपर उठने का हक है। संगीत प्यार है। धन्यवाद।"गागा अपने गीतों के जरिए अक्सर समलैंगिक लोगों का साथ देती नजर आती हैं। ग्रैमी इवेंट से पहले, गागा ने लॉस एंजिल्स में लगी विनाशकारी जंगल की आग के बाद श्रद्धांजलि देने के लिए मार्स के साथ 'कैलिफोर्निया ड्रीमिन' गीत प्रस्तुत किया था।

'तेरा यार हूं मैं' से अमन संग जुड़ीं

मुंबई। पिछले काफी समय से दिग्गज अभिनेता परेश रावल अपनी आगामी फिल्म 'तेरा यार हूं मैं' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान मिलाप मिलन जावेरी ने संभाली है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए जाने-माने निर्देशक और निर्माता इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अब 'तेरा यार हूं मैं' की स्टार कास्ट में नेहा खान भी शामिल हो गई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'तेरा यार हूं मैं' में अमन की जोड़ी नेहा के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। निर्माताओं ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए नेहा से संपर्क किया है और अभिनेत्री ने इस फिल्म के लिए हामी भर दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है।

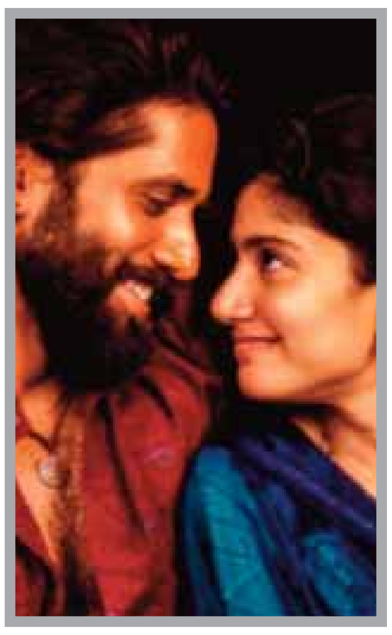

नागा और साई की 'थंडेल' ओटीटी पर

मुंबई। अभिनेता नागा चैतन्य पिछले काफी समय से फिल्म 'थंडेल' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म आखिरकार 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म में नागा की जोड़ीदार साई पल्लवी हैं। इस फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अब 'थंडेल' की ओटीटी रिलीज से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद 'थंडेल' ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के ओटीटी राइट्स खरीद लिए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म और निर्माताओं के बीच अच्छा सौदा हुआ है। फिल्म का प्रीमियर मार्च के अंत तक हो सकता है। यह फिल्म सिनेमाघरों में धमाल मचाने के बाद तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषा में नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी।

टीवी मसाला

'गुम है किसी के प्यार में' शो में हुई एक्ट्रेस रेखा की एंट्री...

नई दिल्ली। 'गुम है किसी के प्यार में' एक नए रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां इमोशनल ड्रामा, जबरदस्त ट्विस्ट और इमोशन देखने को मिल रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए प्रोमो से फैंस की एक्साइटेमेंट बढ़ गई है। इसकी खासियत लीजेंडरी एक्ट्रेस रेखा हैं। रेखा की भावनाओं से भरी आवाज़ इस कहानी को और भी खास बना देती है, जो तेजस्विनी के जज़्बातों के उतार-चढ़ाव को बखूबी दर्शाती है। नील के साथ बेमेल शादी की उलझन और अपने पहले प्यार रूतुराज की वापसी के बीच फंसी तेजस्विनी की कहानी दर्शकों को गहराई तक छू जाएगी। रेखा की आवाज़ इस सफर को और भी भावुक और यादगार बना रही है, जो शो को एक अलग ही लेवल पर ले जाती है।

भावनाओं से भरी है रेखा की आवाज : शो में नई कास्ट की एंट्री हुई है, जिसमें वैभवी हंकारे (तेजस्विनी), सनम जौहर (रूतुराज) और परम सिंह (नील) शामिल हैं। ये सभी अपने दमदार अभिनय से इस कहानी में नए रंग भर रहे हैं। रेखा की बेमिसाल ग्रेस और उनकी भावनाओं से भरी आवाज़ ने प्रोमो को और भी खास बना दिया है, जिससे कहानी को एक अलग ही गहराई मिल रही है। तेजस्विनी के खुद को खोजने, प्यार और त्याग के सफर को उनकी मौजूदगी ने और भी दिलचस्प बना दिया है।

यह सीरियल हमेशा दिल के करीब रहा : लीजेंडरी एक्ट्रेस रेखा ने अपने इमोशनल कनेक्शन को जाहिर करते हुए कहा, "गुम है किसी के प्यार में' हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है।

'शिव शक्ति तप त्याग तांडव' में नजर आएगी घुमारवीं की बेटी

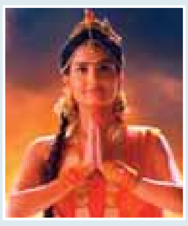

मुंबई। मायानगरी मुंबई में हिमाचल प्रदेश के घुमारवीं की रिया शर्मा धूम मचा रही है। कलर चैनल पर लोकप्रिय धारावाहिक महाकाव्य पौराणिक गाथा शिव शक्ति-तप त्याग तांडव में कन्या कुमारी की महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छोटे पर्दे पर यह धारावाहिक कलर चैनल पर सोमवार से रविवार रात आठ बजे प्रसारित होता है। इससे पहले भी रिया ने स्टार प्लस चैनल में हिट सीरियल तेरी मेरी डोरियां में मन्नत के किरदार से दर्शकों का दिल जीत चुकी है। रिया के पिता व्यवसायी अनिल शर्मा और माता सुनीता शर्मा गृहिणी और समाजसेविका हैं।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आएंगे बॉबी देओल और लक्ष्य...

मुंबई। अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के निर्देशन में बन रही वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का ऐलान पहले ही हो चुका है। यह सीरीज इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए आर्यन हिंदी सिनेमा में बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। इस सीरीज की कहानी किसी बाहरी व्यक्ति के बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखने पर आधारित है। अब खबर आ रही है कि 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में बॉबी देओल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

सीरीज में नजर आएंगे ये सितारे : पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में दिग्गज अभिनेता बॉबी देओल अभिनय करते नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में 'किल' के अभिनेता लक्ष्य लालवानी भी दिखाई देंगे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसमें शाहरुख के साथ सलमान खान और आमिर खान का भी कैमियो हो सकता है। कहा जा रहा है कि इस सीरीज में आलिया भट्ट, एसएस राजामौली, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और करण जौहर भी अहम भूमिका निभाएंगे।

सीरीज की रिलीज तारीख आई सामने : 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। यह सीरीज जून, 2025 में रिलीज हो सकती है। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख का ऐलान नहीं हुआ है। यह अब तक का सबसे फिल्मी और रोमांचक शो होने वाला है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही है, जिसकी कहानी भारतीय फिल्म सिनेमा के इर्द-गिर्द घूमेगी। इस सीरीज की कहानी आर्यन ने बिलाल सिद्दीकी के साथ मिलकर लिखी है।

दिलजीत दोसांझ के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखेगी

नई दिल्ली। दिलजीत दोसांझ आज दुनियाभर में मशहूर हैं और उनकी आवाज से लेकर अभिनय तक की दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोलती है। कोई शक नहीं कि जीवन में इतना बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए दिलजीत ने दिन-रात मेहनत की है। वह कइयों की प्रेरणा हैं। अब खबर है कि दिलजीत के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री बनने वाली है। एक चर्चित ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनकी यह डॉक्यूमेंट्री सीरीज आने वाली है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म हुलू से बातचीत जारी : दिलजीत ने न केवल भारतीय, बल्कि विदेशी दर्शकों का भी दिल जीता है। खासकर धमाकेदार दिल-लुमिनाटी टूर के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। खबर है कि उनके जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री के लिए अमेरिकी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हुलू से उनकी बातचीत चल रही है। इस सीरीज के जरिए लोगों को दिलजीत को करीब से जानने का मौका मिलेगा। इस कड़ी में उनके शुरुआती संघर्ष से लेकर दुनियाभर में उनके स्टारडम की कहानी हम सभी के सामने होगी।

पहले कीर्तन में गाया करते थे दिलजीत

दिलजीत का असली नाम दलजीत था। वह बेहद साधारण परिवार से हैं। पिता रोडवेज में ड्राइवर थे तो मां गृहिणी। गरीबी में बचपन बिताने वाले दिलजीत को बचपन से ही गाना गाने का बहुत शौक था। वह गुरूद्वारे में कीर्तन गाकर अपने घर का गुजारा करते थे। साल 2004 में दलजीत ने अपना पहला एल्बम 'इश्क दा उड़ा अड्डा' रिलीज किया था। इस दौरान उन्होंने अपना नाम दलजीत से दिलजीत कर लिया और बस फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

पहली ही फिल्म से छा गए दिलजीत

बतौड लीड हीरो दिलजीत की पहली फिल्म थी 'द लॉयन ऑफ पंजाब'। इसका गाना 'लक 28 कुड़ी दा' जबरदस्त हिट हुआ और पहली बार बीबीसी के एशियन डाउनलोड चैट में गैर बॉलीवुड गायक का गाना टॉप पर पहुंचा। इससे दिलजीत की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ।शाहिद कपूर अभिनीत 'उड़ता पंजाब' से दिलजीत बॉलीवुड में आए और पहली ही फिल्म से वह हिंदी सिनेमा में भी छा गए। जल्द ही वह सनी देओल के साथ 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे।

यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ से ज्यादा कमाई की थी

ऋषि कपूर ने ठुकरा दी थी 'हम तुम', कहा- बकवास, 7 तो सीन दिए तूने मुझे

मुंबई। दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर ने अपने करियर में कई यादगार फिल्में की हैं। 'हम तुम' भी उन्हीं में से एक है, जिसे न सिर्फ दर्शकों, बल्कि समीक्षकों से भी खूब प्यार मिला। सैफ अली खान और रानी मुखर्जी के साथ-साथ ऋषि की भी फिल्म में तारीफ हुई थी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऋषि ने इस फिल्म में काम करने से साफ इनकार कर दिया था। हाल ही में फिल्म के निर्देशक कुणाल कोहली ने यह खुलासा किया। फिल्म ने 5 फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किए थे। 28 मई, 2004 में यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

बिना सुने ऋषि ने कर दिया था इनकार

कुणाल ने बताया, "जब मैंने ऋषि कपूर को फिल्म में उनकी भूमिका बताई तो उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कर रहा हूं। जब मैंने पूछा क्यों तो उन्होंने कहा, मेहमान भूमिका है ये। मुझे नहीं करनी।, क्या है? बकवास है। 7 तो सीन दिए तूने मेरे को, मुझे नहीं करना। इसके बाद मैंने उनसे कहा कि एक बार आप सीन सुन तो लीजिए, जिसके बाद अभिनेता सहमत हो गए। फिर जब उन्होंने अपने सीन सुने तो वह बहुत प्रभावित हुए।

फिर कैसे राजी हुए अभिनेता?

कुणाल ने आगे कहा, ऋषि को अपना हर सीन बहुत अच्छा लगा और वो कहने लगे कि मुझे और दृश्य दे दो। मुझसे कैमियो क्यों करवा रहे हो। मेरे सीन बढ़ा दो। मैंने कहा डालने को मैं आपके 10 दृश्य डाल सकता हूं, लेकिन फिर वो उतने प्रभावी नहीं रह जाएंगे। यह सुनकर ऋषि ने कहा कि चलो हां, ठीक है करते हैं। बता दें कि 'हम तुम' में ऋषि ने सैफ के पिता का किरदार निभाया था।

'हम तुम' के बारे में

फिल्म 'हम तुम' में सैफ का काम इतना अच्छा था कि इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार तक मिला था। इसमें सैफ ने करण कपूर नाम के एक कार्टूनिस्ट का किरदार निभाया था। फिल्म में रानी मुखर्जी के साथ उनकी केमिस्ट्री की भी खूब तारीफ हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ से ज्यादा कमाई की थी।

फिल्म ने बदली थी सैफ के करियर की दिशा और दशा

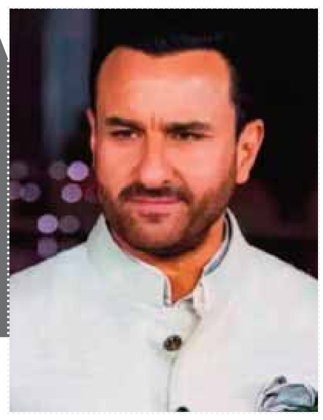

कुणाल कहते हैं, हम तुम यशराज फिल्म्स के लिए एक बड़ा दांव था, क्योंकि इससे पहले उनकी निर्देशित एकमात्र फिल्म 'मुझसे दोस्ती करोगे' नहीं चली थी। 'हम तुम' सैफ के लिए भी मील का पत्थर साबित हुई थी, क्योंकि इससे पहले उन्होंने कभी अकेले कोई हिट फिल्म नहीं दी थी। फिल्म बनाने के लिए यश चोपड़ा ने मुझे और आदित्य चोपड़ा को 7.5 करोड़ रुपये दिए थे और कहा था कि इसमें बनानी है तो बनाओ, नहीं तो मत बनाओ।

सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में ली 'अल्टीमेट सेल्फी', रचा ये बड़ा इतिहास, दुनिया हैरान

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स बीते आठ महीने से स्पेस में फंसी हुई हैं। इस समय सुनीता विलियम्स अपने साथी बैरी विल्मोर के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद हैं। उन्होंने एक अद्भुत तस्वीर खींची है, जो वायरल हो गई है। इसके साथ ही उन्होंने अतंरिक्ष में इतिहास रच दिया है।

नासा की अंतरिक्ष यात्री ने अपने नौवें स्पेसवॉक के दौरान यह तस्वीर ली है। इस दौरान वह धरती से 423 किमी ऊपर थीं। सुनीता विलियम्स द्वारा ली गई तस्वीर में उनके हाथ, आईएसएस का एक भाग, प्रशांत महासागर और पृथ्वी की वक्रता नजर आ रही है। सुनीता विलियम्स ने यह तस्वीर ली थी, जिसे अल्टीमेट सेल्फी कहा जा रहा है। जब उन्होंने यह सेल्फी ली, उस समय आईएसएस प्रशांत महासागर के 423 किमी ऊपर था। बोइंग के स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी के कारण सुनीता विलियम्स और उनके साथी विल्मोर बीते आठ महीने से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर मौजूद हैं।

नासा ने शेयर की तस्वीर

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सुनीता विलियम्स द्वारा ली गई तस्वीर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इसके साथ ही नासा ने बताया कि इसमें अंतरिक्ष यात्री सुनी विलियम्स के हाथ और कैमरा उनके स्पेससूट के हेलमेट के चमकदार वाइजर में दिख रहे हैं। इस फोटो में आईएसएस का एक हिस्सा और बाईं तरफ प्रशांत महासागर दिख रहा है। विलियम्स के हेलमेट के चारों तरफ उनके स्पेससूट के दाईं ओर अंतरिक्ष भी नजर आ रहा है।

अब तक 62 घंटे 6 मिनट किया स्पेसवॉक

सुनीता विलियम्स ने नौवें स्पेसवॉक के साथ ही इतिहास रच दिया है। उन्होंने महिला अंतरिक्ष यात्रियों के सबसे अधिक स्पेसवॉक का समय बिताने का रिकॉर्ड बना लिया है। नासा का कहना है कि विलियम्स और विल्मोर करीब साढ़े पांच घंटे तक स्पेसवॉक किया। सुनीता विलियम्स ने नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन के सभी स्पेसवॉक समय के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। सुनीता विलियम्स ने अभी तक कुल 62 घंटे 6 मिनट स्पेसवॉक कर लिया है। वह नासा की सर्वकालिक सूची में चौथे स्थान पर हैं।

समुद्र की गहराई में मिली 'डूबी हुई दुनिया' वैज्ञानिक भी हैरान, 4 अरब साल पुराना है रहस्य!

एजेंसी ▶▶| लंदन

वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर के नीचे एक रहस्यमय 'डूबे हुए संसार' की खोज की है। ये खोज पृथ्वी के इंटरनल मैपिंग की नई तकनीक के ज़रिये संभव हो पाई है। यहां जो कुछ मिला है वो 4 बिलियन साल यानी 4 अरब वर्ष पुराना है, जो पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित करने के लिए काफी है। आपने सुना होगा कि इस दुनिया से परे भी कहीं कोई दुनिया है, लेकिन शायद ही इसकी खोज कभी हुई है। इस बार वैज्ञानिकों को समुद्र के अंदर ऐसा खज़ाना मिला है, जो दूसरी दुनिया की ओर इशारा करता है। दुनिया जिस रहस्य से अनजान थी, वो प्रशांत महासागर के नीचे स्विस वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाला है। वैज्ञानिक हमेशा ही नई-नई चीज़ों की खोज के लिए काम करते रहते हैं। अंतरिक्ष से लेकर समुद्र तक में भी उनकी खोज जारी है। इस बार पहली बार पृथ्वी के भीतर एक नई दुनिया की खोज हुई है। वैज्ञानिकों ने प्रशांत महासागर के नीचे एक रहस्यमय 'डूबे हुए संसार' की खोज की है। ये खोज पृथ्वी के इंटरनल मैपिंग की नई तकनीक के ज़रिये। यहां जो कुछ मिला है वो 4 बिलियन साल यानी 4 अरब वर्ष पुराना है, जो पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित करने के लिए काफी है। माना जा रहा है कि इस रहस्यमय जगह का निर्माण लगभग 4 अरब वर्ष पहले पृथ्वी के मेंटल के निर्माण के दौरान हुआ होगा।

वैज्ञानिकों के लिए बनी हुई है रहस्य

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह पृथ्वी पर एक नया 'डूबा हुआ संसार' है। इसकी संरचना वैज्ञानिकों के लिए एक रहस्य बनी हुई है। ये खोज पृथ्वी के आंतरिक भाग के उच्च-रिज़ॉल्यूशन मॉडलिंग के ज़रिये संभव हुई। यह एक ऐसी तकनीक जो कई भूकंपीय मान को जोड़ कर का हाई क्वालिटी का डिटेल इमेज तैयार करता है। इसमें स्विटजरलैंड के लूगानो स्थित स्विस नेशनल सुपरकंप्यूटिंग सेंटर के 'पिज़ डेंट' सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल किया गया है।

अब तक मिले सबडक्टेड स्लैब से है अलग

ऐसा माना जाता है कि जब पृथ्वी का मेंटल बन रहा था, तभी बड़े-बड़े धब्बे बने होंगे, जो क्रस्ट की तरह मौजूद हैं। हालांकि, वैज्ञानिक अभी तक इस नई खोज की वास्तविक पहचान के बारे में कुछ नहीं कह रहे हैं। उनके अनुसार, यह अरबों वर्षों में पृथ्वी के अंदर घने पदार्थ के निर्माण का परिणाम भी हो सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह आश्चर्यजनक खोज पृथ्वी के आंतरिक भाग की मैपिंग करने वाली एक नई विधि के ज़रिये संभव हुई है। यह जलमग्न दुनिया अब तक मिले सबडक्टेड स्लैब से बिल्कुल ही अलग है। ये उस जंक्शन से दूर है, जहां पृथ्वी के टेक्टोनिक प्लेट्स टकराते हैं और भूकंप की स्थिति बनती है, हालांकि ये उसी प्वाइंट पर है।

पृथ्वी की उत्पत्ति के संबंध में अनुसंधान के नए अवसर खुले

स्विस जियोलॉजिकल इंस्टीट्यूट के पीएचडी शोधकर्ता थॉमस के मुताबिक ये खोज बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन इस पर गहराई से शोध और आगे जांच की ज़रूरत है। अभी इस धब्बों के बारे में ठीक से पता नहीं चल सका है, इसलिए शोध जारी रहेगा. इससे पृथ्वी की उत्पत्ति के संबंध में अनुसंधान के नए अवसर खुल गए हैं। इस डूबे हुए संसार के ज़रिये धरती की प्रारंभिक उत्पत्ति से लेकर भविष्य के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकेगी। इससे पृथ्वी की भू-आकृतियों, टेक्टोनिक प्लेटों की गति और अरबों वर्षों के इतिहास के बारे में नई जानकारी मिल सकती है।

खुल गया राज...! क्या सच में होता है पंचमुखी सांप?

एजेंसी ▶▶| हजारीबाग

सांपों की दुनिया हमेशा से ही रहस्यमयी और रोचक रही है। फिल्मों और पंचतंत्र की कहानियों में अक्सर पंचमुखी सर्प का जिक्र होता है, जिसे सांपों के राजा के रूप में दिखाया जाता है। बच्चों के कार्टून में भी पंचमुखी सांप का जिक्र होता है, जिसमें एक सांप के पांच सिर होते हैं और इसे सबसे विषैला माना जाता है, लेकिन सांपों के विशेषज्ञ इस पर अलग राय रखते हैं। हजारीबाग के पर्यावरणविद और सर्प शोधार्थी मुरारी सिंह बताते हैं कि सांपों को लेकर इंसानों में हमेशा से डर रहा है। लोग सांपों के बारे में जानने की कोशिश करते हैं, लेकिन कम जानकारी के कारण कई बार हम सांपों से जुड़ी कहानियों को सच मान लेते हैं।

देखे गए हैं दो मुंह वाले सांप : उन्होंने यह भी बताया कि दो मुंह वाले सांप देखे गए हैं, लेकिन यह एक बायोलॉजिकल डिसऑर्डर है। जैसे इंसानों में कभी-कभी चार हाथ या पैर जन्म के साथ आ जाते हैं, वैसे ही यह भी एक असामान्य स्थिति हो सकती है।

क्या है सांपों की असली सच्चाई?

मुरारी सिंह बताते हैं कि पंचमुखी सांप के बारे में विज्ञान न तो इसे पूरी तरह मानता है और न ही नकारता है। विज्ञान उन्हीं चीजों को मानता है जो उसने देखा है, और अब तक कहीं भी पंचमुखी सांप नहीं देखा गया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यह असंभव है। हो सकता है कि पंचमुखी सांप कहीं हो, लेकिन अभी तक हमारी नजरों से दूर हो।

पुराणों में मिलता है पंचमुखी सांप का जिक्र

मुरारी सिंह आगे बताते हैं कि पुराणों में कई जगह पंचमुखी सांप का जिक्र मिलता है, इसलिए फिल्मों और कहानियों में इसे दिखाया जाता है। बालरूपी भगवान कृष्ण और पंचमुखी सांप का युद्ध भी काफी प्रसिद्ध है। इसके अलावा, भगवान विष्णु का शेषनाग पर बैठने का जिक्र भी पुराणों में मिलता है।

कौन था दुनिया का सबसे अमीर शख्स किन चीजों का करता था व्यापार

एजेंसी ▶▶| लंदन

दुनिया में अमीर लोगों की संख्या तो हर साल बदलती रहती है और आमतौर पर यह बढ़ती ही रहती है। कुछ दशक पहले चर्चा लोगों के करोड़पति होने की होती थी। लेकिन अब अरबपतियों की होती है। फिर भी आज दुनिया में अरबपतियों की संख्या बहुत अधिक नहीं होगी ऐसे कितने लोग होंगे जिनकी नेटवर्थ एक अरब डॉलर यानी 87 अरब 47 करोड़ रुपयों से अधिक की होगी? क्या आप जानते हैं कि इतिहास में पृथ्वी पर अब तक के सबसे अमीर शख्स की जितनी नेटवर्थ थी सदियों पुराना वह शख्स कौन था जो आज तक दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति बना रहा है और आज भी माना जाता है। और उसकी कमाई कैसे होती थी।

सबसे अमीर कौन पर विवाद क्या और क्यों?

इतिहासकार मानते हैं कि दुनिया में अब तक के सबसे अमीर शख्स की नेटवर्थ 2212 में 400 अरब डॉलर या 349 खरब 82 अरब 64 करोड़ रुपए थी जो कि आज 500 अरब डॉलर यानी 437 खरब 16 अरब डॉलर रुपए के बराबर होगी। वहीं, कई इतिहासकार मानते हैं कि उसकी नेटवर्थ को आंका ही नहीं जा सकता है।

सेवा, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति थीं माता रमाबाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की धर्मपत्नी रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय माता रमाबाई सेवा, समर्पण और त्याग की प्रतिमूर्ति थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि माता रमाबाई ने समानता, शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में नारी सशक्तिकरण की भूमिका को रेखांकित कर एक नए युग का सूत्रपात किया। उनके विचार आज भी देश के हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में सहयोग और सहभागिता की अनंत प्रेरणा देते हैं। उनकी जयंती पर राष्ट्र चेतना से जुड़ने का संकल्प लेना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। माता रमाबाई ने विकट परिस्थितियों में डॉ. आंबेडकर को उच्च शिक्षा प्राप्त करने और वास्तविक क्षमता को आगे बढ़ाने में सहयोग किया था।

कार्यस्थल पर सकारात्मक सोच रखें अधिकारी और कर्मचारी

भोपाल। मदद के भाव हमारी प्राचीन संस्कृति का हिस्सा हैं। जीवन को आनंद उत्सव की तरह जीएं और कार्य स्थल पर सकारात्मक सोच रखें। खाद्य आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने यह बात आनंद संस्थान की ओर से आयोजित तीन दिवसीय आनंदम सहयोगी कार्यशाला के समापन सत्र में कही। कार्यशाला में विभिन्न जिलों के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी खाद्य विभाग सुकृति सिंह एवं आनंद संस्थान के निदेशक प्रवीण कुमार गंगराड़े ने आनंद संस्थान की अवधारणा और संस्थान की अलग-अलग गतिविधियों के बारे में बताया। तीन दिवसीय कार्यशाला को मास्टर ट्रेनर्स ने स्वयं के जीवन में बदलाव परिवर्तन के अनुभव साझा किए। जीवन का लेखा जोखा, रिश्ते, फ्रीडम गिलास जैसी विधियों और प्रेरक वीडियो फिल्म के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया।

चीन के कंधे पर सवार होकर चांद पर जाएगा पाकिस्तान, दक्षिणी ध्रुव पर भेजेगा रोवर

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान जारी किया है। जिसमें उसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुप पर रोवर को भेजने के मिशन की घोषणा की है। पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी स्पेस एंड अपर एटमॉस्फेयर रिसर्च कमीशन ने इस रोवर को तैयार किया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है, कि सुपार्को के बनाए रोवर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भेजा जाएगा। भारत ने जब से अपने चंद्रयान मिशन को कामयाबी के साथ अंजाम दिया था, उसके बाद से ही पाकिस्तान के अंतरिक्ष मिशनों को लेकर सवाल उठ रहे थे। पाकिस्तान की जनता पूछ रही थी कि आखिर पाकिस्तानी स्पेस एजेंसी इतनी पीछे क्यों है? लेकिन, चंद्रमा मिशन की घोषणा के बाद सवाल उठ रहे हैं, इस मिशन में आखिर पाकिस्तान का योगदान क्या है? दरअसल, पाकिस्तान ने चंद्रमा पर रोवर भेजने के लिए चीन की अंतरिक्ष एजेंसी के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत सुपार्को और चीनी अंतरिक्ष एजेंसी सीएनएसए के बीच समझौता ज्ञापन पर साइन किए गए हैं।

इस समझौते पर 5 फरवरी 2025 को पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समझौते के तहत पाकिस्तान के लिए अपने पहले स्वदेशी चंद्र रोवर को चीन के चांग'ए-8 मिशन का हिस्सा बनाया जाएगा, जिसे साल 2028 में लॉन्च किया जाना है। यानि, पाकिस्तान अपने स्वदेशी रोवर को खुद चंद्रमा पर नहीं भेजेगा, बल्कि चीन उसे चंद्रमा पर पहुंचाएगा।

चीन का चांग ए-8 मिशन क्या है?

चीनी स्पेस एजेंसी सीएनएसए ने चांग 'ए-8 मिशन को डिजाइन किया है। इस मिशन का मकसद इन-साइट वैज्ञानिक रिसर्च को अंजाम देना है, टेक्नोलॉजी का वेरिफिकेशन करना है और चंद्रमा के सतह का मानचित्रण करना है। इस मिशन में पाकिस्तान की भागीदारी देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन पहल में इसके योगदान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। हालांकि, पाकिस्तान में भारत से पहले स्पेस एजेंसी का निर्माण किया गया था, लेकिन आज की तारीख तक पाकिस्तानी स्पेस एजेंसी कोई खास उपलब्धि हासिल नहीं कर पाई है।

राशिफल

मेष — वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष — आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह — आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

आवश्यकता

आवश्यकता है- आकर्षक ऑफर, पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के - लड़कियां, महिलाऐं - पुरुष पैकिंग (24500 से 64500) महीना कमाएं, फन्ड + बोनस- 09034329258 (रायपुर /09 /फरवरी25)

आवश्यकता है- पेंसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 8017271898 (रायपुर /21 /फरवरी25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

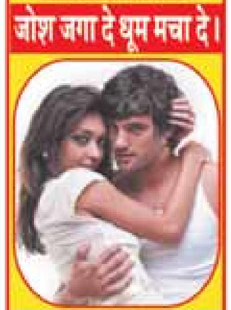

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82
हाइट 6', एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक हेतु शिक्षित अविवाहित सजातीय अपर कास्ट, वधु चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

वधु चाहिए
ब्राह्मण एकाकी अधिकारी (कानूनी तलाक प्रतीक्षित) को 40वर्ष तक की (केवल घरेलू) मित्रवत एकाकी लड़की/ महिला जीवनसाथी चाहिए (अविवाहित, विधवा को प्राथमिकता) स्वयं फोन करें
7587724442

ब्राम्हण वधु चाहिए-ब्राह्मण 40/5'-3'' ग्रोत्र- शाण्डिल्य, इलेक्ट्रिकल गारमेंट कॉन्ट्रेक्टर स्वयं का व्यवसाय मासिक आय 80हजार हेतु विधवा तलाकशुदा, अविवाहित, बिना बच्चे वाले (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) संपर्क करे-98262 94381, 9329023361 (671)

वधु चाहिए-कायस्थ उम्र 42, शिक्षित अविवाहित मध्यम वर्गीय परिवार के वर के लिए वधु चाहिए जाति बंधन नहीं शीघ्र विवाह विवाह ब्यूरो क्षमा सम्पर्क करें- 93994 87577 (41249)

वर चाहिए

वर चाहिए
29 वर्षीया 5'-4" एमए, एमकॉम, रिसर्च स्कॉलर, गोंड (ध्रुव) स्वशासी महाविद्यालय में गेस्ट असिस्टेंट प्रोफेसर स्मार्ट कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिये
-सम्पर्क करें-
9424399425
7987467641

शब्द पहेली - 5773

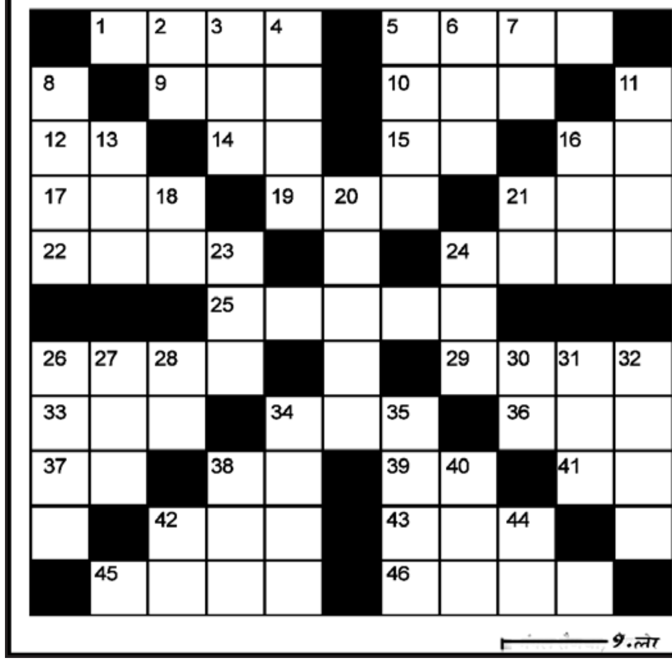

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 5772 का हल

सूडोकु बवाल - 5783

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 5782 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

खबर संक्षेप

9682 करोड़ से अधिक राशि किसानों को दी

भोपाल। विपणन वर्ष 2024-25 में धान उपार्जन के लिए 6 लाख 69 हजार किसानों से 43 लाख 52 हजार मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है। अभी तक 9682 करोड़ 26 लाख रुपए किसानों के बैंक खाते में अंतरित किए जा चुके हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि बताया कि शेष राशि शीघ्र ही किसानों के खातों में भेज दी जाएगी।

ऑटो कटऑफ डीपी से बिजली चोरी पर अंकुश

भोपाल। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्रांतर्गत स्मॉल ट्रांसफार्मर रिपेयरिंग यूनिट (एसटीआरयू) में स्वनिर्मित नवीन तकनीकी का उपयोग कर बनाए गए ऑटो कटऑफ ट्रांसफार्मर से एक ओर जहां बिजली चोरी पर अंकुश लगा है वहीं दूसरी ओर विद्युत उपभोक्ताओं को बिना रूकावट के बिजली मिल रही है। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने बताया कि कंपनी द्वारा इनहाउस बनाए गए इन ऑटो कटऑफ ट्रांसफार्मर्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनमें उन्नत तकनीक का उपयोग किया गया है। इससे संबंधित क्षेत्र में स्वीकृत क्षमता से अधिक विद्युत भार का उपयोग होने पर ट्रांसफार्मर स्वमेव ट्रिप हो जाता है।

रिटायर्ड प्रोफेसर के साथ साइबर ठगी के 6 आरोपी गिरफ्तार

बलौदाबाजार। जिले से एक रिटायर्ड प्रोफेसर के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने सेक्सटॉर्शन के जरिए बुजुर्ग को ब्लैकमेल कर 6.8 लाख रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में बिहार के पूर्णिया जिले से 5 और हरियाणा से 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है, लेकिन गिरोह की मुख्य सरगना लड़की अभी फरार है। 16 जनवरी को रिटायर्ड प्रोफेसर के मोबाइल पर एक अनजान व्हाट्सएप वीडियो कॉल आया। कॉल पर मौजूद लड़की ने मीठी-मीठी बातों से उन्हें अपने जाल में फंसाया और अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर ली।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सेमीकंडक्टर-मैन्युफैक्चरिंग रहेगा निवेशकों का प्रमुख आकर्षण

सेमीकंडक्टर पॉलिसी से निवेश के साथ युवाओं को मिलेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस)-2025 में सेमीकंडक्टर एक महत्वपूर्ण सेक्टर रहेगा। इसकी महत्वता को देखते हुए कैबिनेट ने मप्र सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2025 को मंजूरी दी है। इस नीति के लागू होने से सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

जीआईएस में शामिल होने वाले निवेशकों के बीच इस सेक्टर को लेकर उत्साह और रुचि देखी जा रही है, जिससे राज्य में अधिक से अधिक निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पॉलिसी से राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंड्क्टर विनिर्माण केन्द्र के रूप में विकसित एक स्थाई ईको-सिस्टम स्थापित किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन भारत को सेमीकंडक्टर डिज़ाइन निर्माण और तकनीकी विकास के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री का मानना है कि भारत का सेमीकंडक्टर क्षेत्र एक क्रांति की कगार पर है। उनका लक्ष्य है कि इलेक्ट्रॉनिक और सेमीकंडक्टर्स का शत-प्रतिशत निर्माण भारत में ही किया जाए। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि सेमीकंडक्टर पॉलिसी से प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य की प्राप्ति में मप्र महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा।

घरेलू और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने में होगी मदद

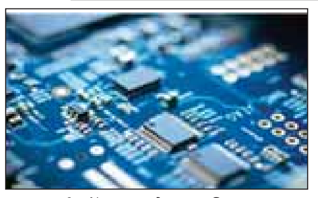

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह पॉलिसी राज्य को सेमीकंडक्टर विनिर्माण के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जो घरेलू और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने में मदद करेगी और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में नेतृत्व करने के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर पॉलिसी के तहत पूंजी निवेश अनुदान (कुल निवेश का 25 प्रतिशत या केंद्र से प्रदान सब्सिडी का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो) दिया जाएगा। राज्य सरकार गैर-सरकारी अनुमोदित परियोजनाओं के लिए 40% (अधिकतम 150 करोड़) तक पूंजी निवेश अनुदान देगी।

2 रुपए प्रति यूनिट बिजली टैरिफ सब्सिडी भी दी जाएगी

पहले 10 वर्षों के लिए 2 रुपए प्रति यूनिट बिजली टैरिफ सब्सिडी भी दी जाएगी। इससे संचालन लागत कम होगी और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। पॉलिसी में 400 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं के लिए इन्फ्रास्ट्रक्टर के लिए सहयोग, कर में छूट और कुछ अतिरिक्त वित्तीय सहायताएं भी दी जाएंगीं।

पांच वर्षों में 2700 करोड़ का निवेश और 14,400 रोजगार

सेमीकंडक्टर पॉलिसी से प्रदेश में अगले पांच वर्षों में 2700 करोड़ रुपए का निवेश आने की आशा है। इससे 3,782 करोड़ रुपए निर्यात और 1,702 करोड़ रुपए स्टेट जीएसटी राजस्व से प्राप्त होंगे। साथ ही बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा। राज्य सरकार, प्रावधान प्रक्रिया में विलंब को न्यूनतम करने और कंपनियों को इकाई स्थापना एवं विस्तार में सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पॉलिसी में पीपीपी मोड को बढ़ावा

मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2025 में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे सरकारी निकायों, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग बढ़ेगा, साथ ही प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इसके फलस्वरूप वैश्विक विशेषज्ञता और तकनीक को मध्यप्रदेश में लाया जा सकेगा।

निवेशकों को अनुसंधान और विकास के लिए प्रोत्साहन फंड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सेमी कंडक्टर पॉलिसी में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में निवेश करने वाली कंपनियों को अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) और तकनीकी नवाचार में निवेश के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा। सेमीकंडक्टर तकनीक में अनुसंधान के लिए विशेष फंड के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। राज्य सरकार पॉलिसी में नई परियोजनाओं के लिए अनुमोदन प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए सरलीकृत नियामक तंत्र का प्रावधान किया गया है।

ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज विश्व की सबसे बड़ी ग्राउंड वाटर रीचार्ज परियोजना

मुख्यमंत्री बोले, ताप्ती नदी की तीन धाराएं बना कर कृषि भूमि का कोना-कोना करेंगे सिंचित

- मुख्यमंत्री ने परियोजना के संबंध में दोनों राज्यों के अधिकारियों के साथ बैठक कर दिए निर्देश
- अंतरराज्यीय नदी परियोजना का अवरोध हुआ दूर, महाराष्ट्र के साथ शीघ्र होगा करार
- मप्र में एक साल में तीसरी महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय नदी परियोजना पर काम जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज योजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड रीचार्ज परियोजना है। इस अंतर्राज्यीय संयुक्त परियोजना का अवरोध अब दूर हो गया है। हम महाराष्ट्र सरकार के साथ चर्चा कर करार करने की ओर बढ़ रहे हैं। जल्द ही केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भोपाल आमंत्रित कर करार होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज एवं कन्हान उप कछार परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में बैठक कर अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ताप्ती मेगा रिचार्ज योजना के जरिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे।

राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने केंद्र सरकार से चर्चा होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना को राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने के लिए केन्द्र सरकार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में कुल 31.13 टीएमसी जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टीएमसी मप्र को और 19.36 टीएमसी जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा।

ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना से यह होंगे लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री के परामर्श से इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के पूरा होने पर मध्यप्रदेश के 1 लाख 23 हजार 82 हेक्टेयर भू-क्षेत्र और महाराष्ट्र के 2 लाख 34 हजार 706 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना से मप्र के बुरहानपुर एवं खंडवा जिले की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा की कुल चार तहसीलें लाभान्वित होंगी। मप्र के 1,23,082 हेक्टेयर क्षेत्र में एवं महाराष्ट्र के 2,34,706 सेक्टर में सिंचाई प्रस्तावित है। योजना में भूजल भंडारण का विस्तार किया जाएगा। प्रदेश के बुरहानपुर एवं खंडवा जिलों की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा तहसीलें लाभान्वित होंगी।

विकास की यात्रा में सभी सेक्टर्स में लगातार काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार मप्र की नदियों का आसपास के राज्यों से सुखद और दोनों राज्यों के हितों के बंटवारे के क्रम को लगातार बनाए हुए हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हम महाराष्ट्र के साथ नदी जल बंटवारे के मसले के निराकरण के लिए प्राथमिक चरण की चर्चा के लिए आगे बढ़े हैं। महाराष्ट्र राज्य के मुख्यमंत्री की भी यही भावना है। वे भी चाहते हैं कि मध्यप्रदेश के साथ ताप्ती और कन्हान नदी की जो नदी जल परियोजनाएं के निराकरण के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए।

कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर कार्रवाई

तीन अलग-अलग मामलों में रुकवाए बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में बाल विवाह के तीन मामलों को रोका गया। जिला प्रशासन बलौदाबाजार-भाटापारा की त्वरित कार्रवाई से बाल विवाह को रोका गया। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी टी जाटवर और जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश दास के नेतृत्व में गठित टीम ने पलारी विकासखंड के ग्राम ओडान, मुडपार और कोसमंदी में कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिगों की शादियां रोकीं।

इस टीम में जिला बाल संरक्षण इकाई, एकीकृत बाल विकास परियोजना पलारी और पुलिस विभाग के अधिकारी भी शामिल थे। जिला प्रशासन ने जनता से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी

नाबालिग बच्चों की शादी होने की सूचना मिले, तो तुरंत प्रशासन या चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। जानकारी के अनुसार पलारी विकासखंड के ग्राम ओडान में 19 वर्षीय लड़के का विवाह होने वाला था, जिसे समय रहते रोका गया। मुडपार में 20 वर्षीय नाबालिग लड़के की शादी प्रशासन ने रुकवाई। वहीं, ग्राम कोसमंदी में 17 वर्ष 9 माह की एक लड़की की शादी रोकी गई, जो वैधानिक विवाह की न्यूनतम उम्र से कम थी।

माता-पिता को टीम ने दी समझाइश

महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने बच्चों और उनके माता-पिता को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी। टीम ने बताया कि लड़कियों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित है। इससे कम उम्र में विवाह करना न सिर्फ कानूनी अपराध है, बल्कि यह बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है।

वैश्विक शिखर सम्मेलन: मानव संग्रहालय को अंतर्राष्ट्रीय पहचान

जीआईएस-2025 के चलते राजधानी भोपाल का 'ग्लोबल लैंडमार्क' बन जाएगा मानव संग्रहालय

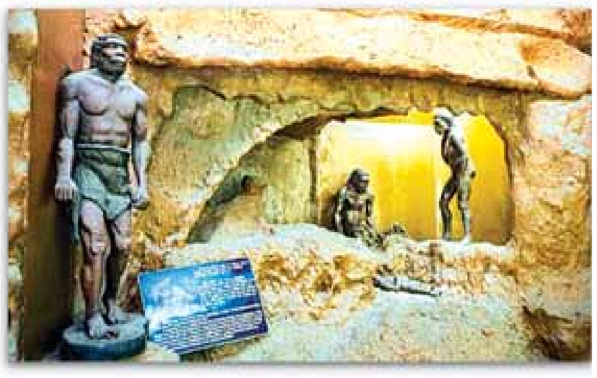

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हो रहे निवेशकों का वैश्विक शिखर सम्मेलन (जीआईएस) शहर को एक खास सौगात देने जा रहा है। भोपाल को दुनिया के नक्शे पर एक नई पहचान देते हुए ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट की मेजबानी के लिए तैयार राष्ट्रीय मानव संग्रहालय अब ग्लोबल लैंडमार्क बनने जा रहा है। दुनिया भर के बड़े-बड़े उद्योगपतियों, बिजनेस लीडर्स, इनवेस्टर्स और एक्सपर्ट्स की अगुवाई से राष्ट्रीय मानव संग्रहालय अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाएगा। विश्व जीआईएस के आयोजन से भारत की मानवीय व सांस्कृतिक विरासत के इस अद्भुत केंद्र से परिचित होगा। भारत की जीवंत परंपराओं को विश्व पटल पर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के माध्यम से पूरे संसार में हमारे देश की सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन होगा। यह वैश्विक प्रदर्शन मानव संग्रहालय को एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक केंद्र के रूप में पहचान दिलाएगा।

शिखर सम्मेलन की मेजबानी से संग्रहालय विश्व को न केवल भारत की विविध विरासत से परिचित कराने जा रहा है बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और परस्पर सहयोग को बढ़ाते हुए पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में निवेश की क्षमता को प्रदर्शित कर रहा है। जीआईएस में भाग लेने वाले निवेशकों को मानव संग्रहालय एक सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करेगा और उन्हें विरासत संरक्षण और पर्यटन के क्षेत्र में निवेश के नए अवसरों को तलाशने के लिए प्रेरित करेगा। मानव संग्रहालय मात्र म्युजियम नहीं है, यह कलाओं के आपसी संवाद और मानव सभ्यता के जीवंत इतिहास को प्रदर्शित करता है। यह स्थानीय कारीगरों और कहानीकारों को अपनी विरासत को संरक्षित करने के लिए सशक्त बनाता है।

मानव संग्रहालय 45000 साल पुराने चट्टानी आश्रयों से लेकर आज के आधुनिकतम प्रदर्शनों तक मानव विकास और सांस्कृतिक संरक्षण की निरंतरता का प्रतीक है। अतीत और वर्तमान का यह सहज मिश्रण अपनेआप में इसे एक अनूठा स्थल बनाता है, जो जीआईएस में आने वाले मेहमानों के मन को लुभाएगा। इस तरह निवेशकों का वैश्विक शिखर सम्मेलन मानव संग्रहालय की वैश्विक उपस्थिति को दर्ज करते हुए इसकी नई अंतर्राष्ट्रीय पहचान को सुनिश्चित करेगा।

सांस्कृतिक पर्यटन और विरासत का अनोखा केंद्र

मानव संग्रहालय स्वीडन, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रिया अमेरिका, जर्मनी और श्रीलंका से आने वाले मेहमानों के लिए सांस्कृतिक पर्यटन और विरासत का अनोखा केंद्र है। इसकी वैश्विक अपील इसे ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट जैसे बड़े वैश्विक आयोजन के लिए आदर्श स्थल बनाती है। यह अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को भारत की सांस्कृतिक समृद्धि का प्रत्यक्ष अनुभव कराने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।

औद्योगीकरण और आर्थिक विकास में मील का पत्थर बना, मप्र औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी)

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग के तहत मध्यप्रदेश सरकार का एक उपक्रम है। एक प्रमुख सरकारी एजेंसी के रूप में एमपीआईडीसी औद्योगीकरण और आर्थिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। ये निगम औद्योगीकरण और आर्थिक विकास में मील का पत्थर बना हुआ है।

रणनीति और जिम्मेदारियाँ

बुनियादी ढांचा विकास

- एमपीआईडीसी औद्योगिक पार्कों, विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) और एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप सहित औद्योगिक बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है।
- औद्योगिक इकाई के संचालन के लिए बिजली, पानी, सड़कें और कनेक्टिविटी जैसी आवश्यक सुविधाओं का प्रावधान सुनिश्चित करता है।

निवेश संवर्धन

- विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों, सम्मेलनों और रोड शो के माध्यम से मध्यप्रदेश को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है।
- संभावित निवेशकों को निवेश प्रक्रिया सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक जानकारी, मार्गदर्शन और सुविधाएं प्रदान करता है।

भूमि आवंटन और प्रबंधन

- व्यवसायों के लिए औद्योगिक भूमि के आवंटन का प्रबंधन करता है।पारदर्शी और कुशल भूमि आवंटन प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करता है।
- औद्योगिक परियोजनाओं को आकर्षित करने के लिए सरलीकृत प्रक्रियाओं के साथ प्रतिस्पर्धी दरों पर भूमि प्रदान करता है।

पॉलिसी एडवोकेसी और कार्यान्वयन

- विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने वाली औद्योगिक नीतियों को बनाने और लागू करने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करता है।
- नीति सुधारों की वकालत करता है जो अनुकूल व्यापारिक वातावरण बनाते हैं और उद्योग-विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करते हैं।

व्यावसायिक सुविधा

- व्यवसायों के लिए एकल संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करता है, परियोजना की अवधारणा से लेकर कार्यान्वयन तक एंड-टू-एंड सहायता प्रदान करता है।
- राज्य के सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से अनुमोदन, स्वीकृतियां और नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन को सुगम बनाता है।

वित्तीय सहायता और प्रोत्साहन

- बड़े पैमाने की औद्योगिक इकाइयों के लिए औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न वित्तीय प्रोत्साहन, सब्सिडी और सहायता योजनाएं प्रदान करता है।
- बुनियादी ढांचा विकास और आधुनिकीकरण परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता तक पहुंच प्रदान करता है।
- नीति से परे प्रोत्साहन देकर मेगा इकाइयों के लिए निवेश संवर्धन को प्रोत्साहित करता है।

D-19274/24

रोहित की फॉर्म और कोहली की फिटनेस पर निगाह, इंग्लैंड से दूसरा वनडे आज

एजेंसी ▶▶| कटक

भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पिछले लंबे समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस पर सभी की निगाह टिकी रहेगी। भारत ने नागपुर में खेले गए पहले वनडे में चार विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में शुरुआती बढ़त हासिल की है और उसका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखकर श्रृंखला जीतना होगा।

- तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है भारतीय टीम

मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर दोपहर 1.30 बजे

कोहली फिट : कोटक

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पुष्टि की कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अपने दाहिने घुटने के दर्द से उबर चुके हैं। कोटक ने दूसरे मैच की पूर्व संध्या पर यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट कोहली खेलने के लिए फिट हैं। वह अभ्यास के लिए आए हैं और खेलने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और पिछले मैच के अर्धशतक लगाने वाले श्रेयस अय्यर में से किसे अंतिम एकादश से बाहर किया जाएगा। कोटक ने कहा, 'यह कप्तान (रोहित शर्मा) और कोच (गौतम गंभीर) का फैसला है। मैं इसका जवाब नहीं दे सकता।'

रन बनाने के लिए जूझ रह कप्तान

कोहली की तरह कप्तान रोहित भी रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह पहले वनडे में केवल दो रन बना पाए थे। मुंबई के इस बल्लेबाज ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में 64 रन बनाने के बाद किसी भी प्रारूप में अर्धशतक नहीं लगाया है। अगर रोहित दूसरे वनडे में भी रन नहीं बना पाते हैं तो उनकी फॉर्म और भविष्य को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाएंगी।

अय्यर का दावा मजबूत

पिछले मैच में कोहली की जगह श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने 36 गेंद पर 59 रन बनाकर टीम में अपनी जगह सुरक्षित कर ली थी। अगर पहले की बात होती तो कोहली को अय्यर की जगह टीम में शामिल किया जाता लेकिन अब पूरी संभावना है कि उन्हें पहले मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जगह टीम में लिया जाएगा। ऐसे में रोहित के साथ गिल पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

गेंदबाजी आक्रमण अच्छा

भारत का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने वापसी के बाद अच्छा प्रदर्शन किया है और चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए यह भारत के लिए अच्छा संकेत है। पिछले मैच में पदार्पण करने वाले हर्षित राणा को इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने कड़ा सबक सिखाया था और वह काफी महंगे साबित हुए थे लेकिन उन्होंने बेन डकेट और हैरी ब्रुक के कीमती विकेट लेकर अच्छी वापसी की थी। अगर जसप्रीत बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं हो पाते हैं तो फिर राणा के पास चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह बनाने का मौका होगा।

सुंदर, वरुण, अक्षर पहुंचे जगन्नाथ मंदिर

इंग्लैंड के खिलाफ कटक के बाराबती स्टेडियम में रविवार को होने वाले दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के तीन खिलाड़ियों ने शनिवार को पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर का दौरा किया और भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। इन तीनों खिलाड़ियों वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह-सुबह जगन्नाथ मंदिर के दर्शन किए। पुलिस ने कहा कि खिलाड़ियों ने सुरक्षाकर्मियों की निगरानी में दर्शन किए।

खबर संक्षेप

शुभंकर और अहलावत कतर में कट से चूके

दोहा। भारतीय खिलाड़ी शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में अच्छा खेल दिखाकर तीन अंडर 69 का कार्ड खेला लेकिन पहले दौर के लचर प्रदर्शन के कारण वह यहां कतर मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में एक शॉट से कट से चूक गए। यह 2025 में डीपी वर्ल्ड टूर पर लगातार तीसरा अवसर है जबकि शुभंकर कट में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने पहले दौर में 75 का कार्ड खेला था और इस तरह से उनका कुल स्कोर इवन पार रहा जबकि कट एक अंडर पर गया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी वीर अहलावत भी कट से चूक गए। उन्होंने पहले दौर में 80 और दूसरे दौर में 76 का कार्ड खेला।

अदिति ने फाउंडर्स कप में कट हासिल किया

ब्राडेंटन। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक एलपीजीए टूर पर सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट फाउंडर्स कप के दूसरे दौर में एक अंडर 70 का कार्ड खेलकर स्टार खिलाड़ियों के साथ कट में जगह बनाने में सफल रहीं।

उन्होंने पहले दौर में एक ओवर 72 का कार्ड खेला था जिससे वह लिडिया को, मिंजी ली और सोफिया पोपोव जैसी गोल्फरों के साथ संयुक्त रूप से 50वें स्थान पर हैं। अदिति ने दूसरे, 10वें और 13वें होल में बर्डी लगाई जबकि 12वें और 15वें होल में शॉट ड्रॉप कर बैठीं।

अब हमारे पास मॉडल और नुस्खाः डिविलियर्स

जोहानिसबर्ग। एसए 20 की सफलता से अभिभूत इसके ब्रांड दूत एबी डिविलियर्स ने यहां महिला टी20 लीग शुरू करने की पैरवी करते हुए कहा कि अब दक्षिण अफ्रीका के पास मॉडल और नुस्खा दोनों हैं।

एमआई केपटाउन और दो बार की चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच एसए 20 के तीसरे सत्र के फाइनल से पहले डिविलियर्स ने कहा, 'मैने दुनिया भर में काफी सफल महिला क्रिकेट लीग देखी हैं और पिछले साल ही बेहद सफल महिला टी20 विश्व कप भी हुआ है। महिला क्रिकेट तेजी से विकसित हो रहा है और दक्षिण अफ्रीका में भी महिला टी20 लीग का आयोजन हो सकता है।'

भारत को हराना वास्तविक चुनौती

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने नए सिरे से तैयार किए गए गद्दाफी स्टेडियम के उद्घाटन समारोह के दौरान शुक्रवार की रात को कहा कि भारत के खिलाफ उनके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। शरीफ ने कहा, 'हमारी टीम बहुत अच्छी है और उसने हाल के दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनके सामने अब वास्तविक चुनौती चैंपियंस ट्रॉफी जीतना ही नहीं बल्कि दुबई में होने वाले मैच में हमारे चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को हराना होगा।'

रणजी ट्रॉफी : टीम इंडिया के दरवाजे पर फिर दी दस्तक

नायर ने ठोका 22वां प्रथम श्रेणी शतक चीफ सेलेक्टर को दिया मुंहतोड़ जवाब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लंबे समय से टीम इंडिया से बाहर चल रहे करुण नायर रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका ड्रीम रन अभी भी जारी है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में विदर्भ के लिए शतक ठोका है। उन्होंने ये काम तमिलनाडु के खिलाफ किया है। विदर्भ स्टंप तक छह विकेट पर 264 रन बनाने में सफल रहा। नायर शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने अपना 22वां प्रथम श्रेणी शतक जड़ा। इससे पहले उन्होंने पिछले दौर में हैदराबाद के खिलाफ शतक जड़ा था।

सत्र में नायर का ये रणजी ट्रॉफी में कुल तीसरा शतक है। रणजी ट्रॉफी में उनका ये लगातार दूसरा शतक है। इससे पहले हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने शतक जमाया था और 105 रन बनाए थे। इस साल विजय हजारे ट्रॉफी में भी उनका बल्ला जमकर चला था। इस वनडे फॉर्मेट के टूर्नामेंट में नायर ने कुल पांच शतक जमाए थे। विजय हजारे ट्रॉफी में दमदार खेल दिखाने के बाद नायर के टीम इंडिया में वापसी की अटकलें थीं। माना जा रहा था कि सेलेक्टर्स उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में जगह दे सकते हैं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं था। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि हर किसी को टीम में फिट नहीं कर सकते क्योंकि 15 खिलाड़ी ही चुनने होते हैं।

शतक बनाकर नाबाद लौटे

नायर का साथ दानिश मालेवर ने दिया और 98 रनों की साझेदारी की। दानिश 119 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हो गए। नायर दिन का खेल खत्म होने तक टिके रहे। वह 100 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी पारी में इस बल्लेबाज ने 180 गेंदों का सामना कर 14 चौके और एक छक्का मारा।

तेज गेंदबाज निधीश के पांच विकेट

पुणे। मध्यम गति के गेंदबाज एमडी निधीश के पांच विकेट झटकने से केरल की टीम ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन शनिवार को यहां स्टंप तक जम्मू-कश्मीर का स्कोर आठ विकेट पर 228 रन कर दिया। निधीश ने शुरू से ही जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर दी और केरल का टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करने के बाद नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए। उन्होंने सलामी बल्लेबाज शुभम खजूरिया, यावर हसन, विवरांत शर्मा, विकेटकीपर कन्हैया वाधवान और लोन नासिर मुजफ्फर के विकेट लिए। उन्हें बासिल थम्पी, बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य सरवटे और नेदुमनकुझी बासिल का अच्छा साथ मिला जिन्होंने एक-एक विकेट लिया।

मुंबई ने की वापसी

कोलकाता। शम्स मुलानी और तनुश कोटियान की आठवें विकेट के लिए 165 रन की साझेदारी के बूते गत चैंपियन मुंबई ने रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के शुरुआती दिन शनिवार को यहां हरियाणा के खिलाफ आठ विकेट पर 278 रन बनाकर अच्छी वापसी की। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद 25 रन तक चार जबकि 113 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन मुलानी ने 178 गेंद में 91 जबकि कोटियान ने 154 गेंद में नाबाद 85 रन की पारी खेलकर मौजूदा सत्र में एक बार फिर से टीम को संकट से बाहर निकाला। स्टंप्स के समय कोटियान के साथ मोहित अवस्थी क्रीज पर मौजूद थे।

राष्ट्रीय खेल

अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| देहरादून

ओडिशा के उभरते हुए धावक अनिमेष कुजूर ने शनिवार को यहां राष्ट्रीय खेलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के शुरुआती दिन अनुभवी धावकों की मौजूदगी में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

कुजूर ने 10.28 सेकंड का समय लेकर असम के अमलान बोरगोहेन के इन खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी की। बोरगोहेन ने 2022 में गुजरात में इस समय के साथ स्वर्ण पदक जीता था। शनिवार को 10 स्वर्ण पदक दांव पर थे। इसमें महाराष्ट्र और सेना ने दो-दो, जबकि ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु ने एक-एक पीला तमगा हासिल किया। इक्कीस साल के कुजूर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 10.27 सेकंड है। कुजूर 2024 में फेडरेशन कप और राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप दोनों में 100 मीटर के रजत पदक विजेता हैं। महाराष्ट्र के प्रणव गुरव 10.32 सेकेंड के समय के साथ रजत विजेता रहे, जबकि बोरगोहेन 10.43 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

सुदेशना शीर्ष पर

महाराष्ट्र की सुदेशना शिवंकर ने 11.76 सेकंड के समय के साथ महिलाओं की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता, जबकि तेलंगाना की निथ्या गंधे (11.79) और तमिलनाडु की गिरिधरानी रविकुमार (11.88) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

सावन, संजीवनी चैंपियन

हिमाचल प्रदेश के सावन बरवाल ने पुरुषों की 10,000 मीटर फ्राइनल में 28:49.93 मिनट के खेल रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 10,000 मीटर फाइनल में महाराष्ट्र की अनुभवी संजीवनी जाधव ने 33:33.47 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। महिलाओं की 1500 मीटर फाइनल में दिल्ली की 2022 सत्र की चैंपियन केएम चंदा ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक मध्य प्रदेश की केएम दीक्षा को हराकर स्वर्ण पदक जीता। चंदा ने 4: 17.74 सेकंड का समय निकाला, जबकि दीक्षा 4:21.92 सेकंड से काफी पीछे रहीं।

ऑस्ट्रेलिया 2-0 से श्रृंखला जीतने के करीब

एजेंसी ▶▶| गॉल

ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन से स्टंप तक श्रीलंका के दूसरी पारी में 211 रन तक आठ विकेट झटक लिए जिससे मेजबान टीम ने महज 54 रन की मामूली बढ़त हासिल की। मेहमान चौथे दिन सुबह श्रीलंका की दूसरी पारी को जल्दी समेटकर श्रृंखला 2-0 से जीतने के लिए लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश करेगी। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 414 रन बनाए थे।

- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए थे 414 रन
- चांदीमल को आउट कर लियोन ने पूरे किए 550 विकेट

श्रीलंका ने एक समय 81 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे जिससे ऐसा लग रहा था कि उसे तीन दिन में एक और पारी की करारी हार का सामना करना होगा। पर एंजेलो मैथ्यूज 76 रन बनाकर श्रृंखला में अपना पहला अर्धशतक जड़ा जिससे उम्मीद जगी। बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहनेमैन ने सबसे ज्यादा परेशान किया, उन्होंने चार विकेट लिए, जिससे मैच में उनके कुल सात विकेट हो गए। उन्हें लियोन का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने तीन विकेट लिए। 37 वर्षीय लियोन ने लंच के बाद दिनेश चांदीमल को आउट करते हुए 550 टेस्ट विकेट तक पहुंचकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल की। वह शेन वार्न (708) और ग्लेन मैकग्रा (563) के साथ यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल तीसरे ऑस्ट्रेलियाई बने।

लॉकी फर्ग्यूसन का चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना मुश्किल

दुबई। न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन का हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना संदिग्ध है। इसमें टीम को इस वनडे टूर्नामेंट में पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है।

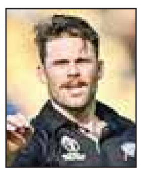

संयुक्त अरब अमीरात में अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग की चोट लग गई। न्यूजीलैंड 19 फरवरी को कराची के नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला ग्रुप ए मैच खेलेगा। कोच गैरी स्टीड ने पुष्टि की कि इस प्रमुख गेंदबाज ने चोट की गंभीरता को जानने के लिए स्कैन करवाया है।

लेब्रॉन जेम्स एनबीए में 40 अंक स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| लॉस एंजिलिस

बास्केटबॉल के महानायक 40 वर्षीय लेब्रॉन जेम्स ने एक और इतिहास रच दिया। वह एनबीए के इतिहास में 40 अंक स्कोर करने वाले सबसे उम्रदराज बास्केटबॉल खिलाड़ी बन गए। उन्होंने लॉस एंजिलिस लेकर्स के लिए कुल 42 अंक स्कोर करते हुए गोल्डन स्टेट वॉरियर्स पर अपनी टीम को 120-112 से जीत दिलाई।

किंग जेम्स के नाम से मशहूर लेब्रॉन ने अपने अपने आदर्श और बास्केटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े नामों में शुमार माइकल जार्डन को पीछे छोड़ा। जॉर्डन ने अपने 40वें जन्म दिन के तीन दिन बाद वाशिंगटन विजार्ड के लिए 2003 में 40 अंक स्कोर किए थे। जेम्स ने यह उपलब्धि 40 वर्ष और 38 दिन में हासिल की। जेम्स एनबीए इतिहास के सर्वाधिक स्कोरर हैं और रिकॉर्ड 22वें सत्र में खेल रहे हैं। जेम्स ने कहा, इस यात्रा के दौरान जब भी उनका नाम महान खिलाड़ियों के रिकॉर्ड पीछे छोड़ने में जुड़ा, जो उनके लिए शानदार अनुभव रहा।

जेम्स के खिलाफ खेल रहे इस खेल एक और बड़े खिलाड़ी स्टीफन करी ने गोल्डन स्टेट के लिए 37 अंक स्कोर किए।

सुनील और दिनेश लॉन बॉल स्पर्धा में चमके

देहरादून। राष्ट्रमंडल खेलों (2024) के रजत विजेता पुरुष टीम के सदस्यों सुनील बहादुर और दिनेश कुमार ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक के साथ शनिवार को यहां लॉन बॉल प्रतियोगिता के अंतिम दिन झारखंड का दबदबा कायम जारी रखा। झारखंड ने दो स्वर्ण और इतने ही कांस्य पदक भी जीते। सुनील ने फाइनल में चंदन कुमार को 21-17 से हराकर पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीता।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा (दो पैकेट प्रणाली), इंजीनियरिंग निर्माण शाखा

ई. निविदा क्रमांक डिप्टी–सी.ई.–सी.–सीधी–02–2025 दिनांक–29.01.2025

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, सीधी, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई.–निविदा नोटिस क्रमांक डिप्टी–सी.ई.–सी.–सीधी–02–2025, दिनांक–29.01.2025 के द्वारा आमंत्रित करते है। निविदाएं बंद होने की तारीख 20.02.2025 एवं समय 15:00 बजे तक है। निविदाकर्ता अपनी मूल/संशोधित निविदा बंद होने के दिनांक एवं समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उपरोक्त निविदा में हस्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होगी तथा हस्तनिविदाओं को उपेक्षित कर दिया जायगा। निविदाएं पूर्व उल्लेखित समय एवं दिनांक पर खोली जाएगी। **निविदा क्र.:** डिप्टी–सी.ई.–सी.–सीधी–02–2025 दिनांक–29.01.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सीधी स्टेशन यार्ड में कट एंड कवर, प्रीकास्ट आरसीसी नालियों के निर्माण के माध्यम से सुरंग संख्या 03 (पोर्टल 02) पर पोर्टल का विस्ताए, विभिन्न स्थानों पर रॉकबोल्टिंग, वायरमेश और शॉटक्रेटिंग के माध्यम से सुरंग संख्या 01 की कटाई और अंदर की सतह के ढलानों की सुरक्षा और रीवा–सीधी नई रेल लाइन परियोजना में चुरहट–सीधी खंड में अन्य विविध कार्य।, **निविदा का अनुमानित मूल्यः** रु. 186762983.12, **निविदा फार्म की (कीमत रुपये):** रु.0.00, **बयाना राशि (रुपये में):** रु. 1083800.00, **कार्य समापन अवधि (माह):** 8 माह मानसून सहित, **ई–निविदा बंद होने की और खुलने की तिथि एवं समयः** दिनांक–20.02.2025 को 15:00 बजे बंद एवं 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई.आर.ई.पी.एस. के माध्यम से https://www.ireps.gov.in पर आनलाइन निविदा करें। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है, कि वे समय–समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु आई.आर.ई.पी.एस. की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखते रहें। न्यूनतम पात्रता मानदंड टेन्डर फार्म के अनुसार इन निविदाओं के लिए लागू होगा।

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम मध्य रेल, सीधी

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगरपालिका परिषद, गाडरवारा, जिला- नरसिंहपुर (म.प्र.)

क्रमांक / 1389/ निविदा / 2024-25 गाडरवारा दिनाक 07/02/25

बंद लिफाफा में दुकान निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि, नगरपालिका परिषद गाडरवारा के स्वामित्व के अधीन विभिन्न काम्पलेक्स, की दुकानों को मध्य प्रदेश नगरपालिका (अचल सम्पति का अंतरण) नियम 2016 तथा संशोधन दिनांक 04 मई 2021 एवं 28.03.2023 (निविदा दिनांक तक हुए समस्त संशोधन सहित) में उल्लेखित एवं विरचित प्रावधानों के अधीन आवंटन हेतु लमसम दर पर बंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित किया जाता है। दुकान से संबंधित विवरण निम्नानुसार है-

क्र	शापिंग काम्प्लेक्स का नाम	शेष दुकानों की संख्या	निविदा प्रपत्र मूल्य प्रति दुकान
1	अटल शापिंग काम्प्लेक्स कामथ वार्ड गाडरवारा की शेष दुकाने	12	3000
2	सब्जी मंडी शापिंग काम्प्लेक्स सुभाष वार्ड गाडरवारा की शेष दुकाने	08	3000
3	बस स्टैंड काम्प्लेक्स के ब्लाक बी की शेष दुकाने	16	3000
4	बस स्टैंड काम्प्लेक्स के ब्लाक सी की शेष दुकाने	20	3000

नोट :-
1. दुकानों की नीलामी हेतु धरोहर राशि शासकीय मूल्य की जानकारी एवं विस्तृत जानकारी निकाय की राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है
2. निविदा की तिथी दिनांक 10/02/25 से 18/02/25 तक है दिनांक 18/02/25 को शाम 3.30 तक पेटी में डाले जा सकते हैं अंतिम तिथी उपरांत निविदा फार्म स्वीकार नहीं किये जायेंगे। दुकानों से सम्बंधित जानकारी निकाय की लोकनिर्माण शाखा से तथा नीलामी की जानकारी निकाय की राजस्व शाखा से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

श्री पं. शिवाकांत मिश्रा, अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद गाडरवारा
श्री चंचल कोरी, सभापति, राजस्व शाखा, गाडरवारा
श्री वैभव देशमुख, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद गाडरवारा

कार्यालय जनपद पंचायत कटंगी, जिला - बालाघाट (म.प्र.)

ईमेल–jpkatbal@mp.nic.in ceojpkatangi@gmail.com

।। ई-निविदा सूचना ।।

कमांक / 364 / शा.का./ज.पं./2025 कटंगी, बालाघाट, दिनांक 3.02.2025

दुकानों के अंतरण किये जाने निविदा की द्वितीय सूचना (संशोधित)

क्रं.	दुकान क्रं.	दुकान का क्षेत्रफल (वर्गफीट)	सरकारी बोली/ न्यूनतम बोली	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	दुकान के आरक्षण की स्थिति	क्र.
1	2	3	4	5	6	7	8
2025_DoPR_400653_2	01	11.50X13	1000000.00	50000.00	2000.00	अनुसूचित जाति	1
2025_DoPR_389794_3	02	11.50X13	1000000.00	50000.00	2000.00	अनुसूचित जनजाति	2
2025_DoPR_389796_3	03	11.50X13	1000000.00	50000.00	2000.00	अन्य पिछड़ा वर्ग	3
2025_DoPR_389797_3	04	11.50X13	1000000.00	50000.00	2000.00	अन्य पिछड़ा वर्ग महिला	4
2025_DoPR_389799_3	05	11.50X13	1000000.00	50000.00	2000.00	विधवा तथा परित्यक्ता	5

1- प्रत्येक निविदाकार शासन व्दारा जारी केन्द्रीय पंजीकृत प्रणाली के पोर्टल की बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in मे पंजीकृत होना अनिवार्य है। जिस नाम से आई.डी. होगी उसी नाम से निविदा आंफर प्रस्तुत किया जावेगा।
2- निविदा प्रपत्र की खरीदी आंनलाईन बेवसाईट https://www.mptenders.gov.in में आंनलाईन पेमेन्ट एवं पोर्टल सर्विस चार्ज के साथ खरीदे जा सकते है
3- निविदा दिनांक 19/02/2025 समय सायं 5:30 तक पोर्टल पर उपलब्ध होगी।
4- निविदा आंनलाईन जमा करने की दिनांक 05/02/2025 समय सायं. 5:30 बजे से दिनांक 19/02/2025 सायं. 5:30 बजे तक है।
5- निविदा फार्म खोलने की दिनांक 28/02/2025 दोपहर 12:00 बजे से है।
6- निविदा मे संशोधन केवल बेवसाईट पर देख सकते है, अखबारो मे इसका कोई प्रकाशन नही किया जावेगा।

नोट:- यह केवल संक्षिप्त निविदा सूचना है निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिये जनपद पंचायत कटंगी (बालाघाट) मे कार्यालयीन दिवस एवं समय पर देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत कटंगी

- वेयरहाउस संचालक सहित खरीदी प्रभारी ने किया घोटाला
- असली किसानों का भुगतान अटका

63 सौ क्विंटल फर्जी धान डकार गया मॉ रेवा वेयरहाउस

जिले में धान खरीदी पर प्रशासन भले ही अपनी वाहवाही लूट रहा हो परंतु हर बार भी तरह इस बार भी धान का जमकर गोलमाल किया गया है। दरअसल प्रशासन कह रहा है कि मात्र 10 हजार क्विंटल धान गायब है, जिसमें कालाडूमर में 71 सौ क्विंटल व कटंगी के 58 सौ क्विंटल की जांच की जा रही है, परंतु इससे भी इतर मझौली के मॉ रेवा वेयर हाउस में 6 हजार 3 सौ क्विंटल धान फर्जी तरीके से चढ़ा दी गई।

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर जिले में 23 जनवरी को धान की खरीदी बंद हो चुकी है उसके बाद भी अभी तक जो प्रशासन ने आंकड़े प्रस्तुत किए हैं, उसमें कहा जा रहा है कि 10 हजार क्विंटल धान को फर्जी तरीके से चढ़कर भुगतान लिया गया है जिसमें कुछ हजार क्विंटल धान बारिश में खराब भी हुई है, जबकि कालाडूमर में 71 सौ क्विंटल, कटंगी में 58 सौ क्विंटल व मॉ रेवा वेयर हाउस में 63 सौ क्विंटल धान गायब होने की बात सामने आई है। इस प्रकार 19 हजार 2 सौ क्विंटल धान गायब हो रही है। ये तो मात्र तीन वेयरहाउस हैं जबकि प्रशासन का दावा है कि 8 से 10 वेयरहाउस ऐंसे हैं जहां पर गड़बड़ी हुई है। वहीं सूत्रों का कहना है कि अकेले मझौली और कटंगी में 23 हजार क्विंटल धान की फर्जी खरीद हो गई है।

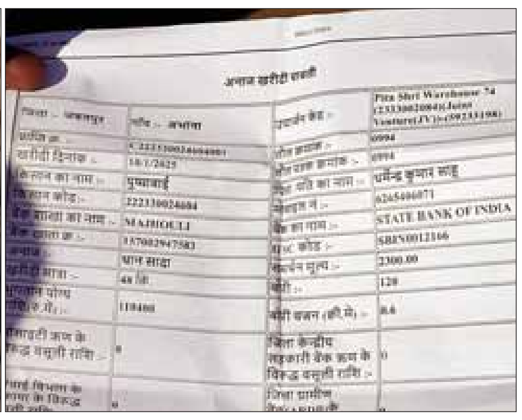

वेयरहाउस संचालक और खरीदी प्रभारी का खेल

हरिभूमि की टीम जब मझौली की सेवा सहकारी समिति खांड द्वारा मॉ रेवा वेयरहाउस पहुंची तो वहां का नजारा ही अलग था। इस पूरे मामले में कहा जा रहा है कि वेयरहाउस संचालक व खरीदी प्रभारी द्वारा ये खेल खेला गया है। उनके द्वारा वेयरहाउस के अंदर जो स्टेक लगाये थे वह 23 होना थे,परंतु वहां पर 20 स्टेक पाए गए। लगभग 63 सौ क्विंटल फर्जी तरीके से चढ़ाने की बात सामने आई ।

डेढ़ करोड़ रूपये का खेल

मॉ रेवा वेयरहाउस मझौली में सबसे बड़ा झोल जो सामने आया है उसमें किसानों का कहना है कि हमसे 4 किलो प्रति क्विंटल धान का कमीशन लिया गया है। इसके बाद भी पैसा नहीं दिया जा रहा है। जबकि हमारे पास पर्चियां हैं। लगभग 50-60 किसान जिन्होंने अपनी धान को को समर्थन मूल्य पर बेचा है, उनका भुगतान अभी तक नहीं हुआ है, वहीं उन्होंने अपनी उपार्जित फसल को बेचे हुए एक माह से ज्यादा का समय हो गया है। खरीदी केंद्र में लगभग डेढ़ करोड़ रूपये का खेल हो गया है।

5 लाख में दबाया मामला

सूत्रों का कहना है कि पूरे मामले का खुलासा 23 जनवरी को ही हो गया था। परंतु खाद्य विभाग के एक अधिकारी को 5 लाख रूपये देकर मामला दबाने की बात की गई थी। खाद्य विभाग के अधिकारी ने भी 15 दिन की मोहलत देते हुए मामले को दबाये रखने की बात की थी। हमारी टीम ने जब खाद्य विभाग के जेएसओ से बात करने की कोशिश की तो उनका कहना था कि अभी मामला जांच में हैं। जांच के बाद ही कुछ कह पाएगें।

खरीदी केन्द्र प्रभारी की मिलीभगत

मेरे पास 2 सोसायटियों का प्रभार है, जिसमें 5 केंद्र थे, चार केन्द्रों में कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई है, सिर्फ मॉ रेवा वेयरहाउस खरीदी केंद्र में ही 63 सौ क्विंटल फर्जी धान की खरीद हुई है। इसमें वेयर हाउस संचालक और खरीदी केन्द्र प्रभारी की मिलीभगत है।

विजय राय, प्रबंधक
सेवा सहकारी समिति खांड मझौली

हाई कोर्ट ने दो वर्ष विलंब से क्रमोन्नति लाभ देने पर मांगा जवाब

राज्य शासन व जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य को नोटिस

हरिभूमि जबलपुर।

हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने गुरुजी से संविदा शाला शिक्षक बने याचिकाकर्ताओं को प्रथम क्रमोन्नति दो वर्ष विलंब से दिए जाने के रवैये को चुनौती पर जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन, जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। याचिकाकर्ता छिंदवाड़ा निवासी शशि कुमार माहोर, संतोष चौरे व रमेश सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता विट्ठल राव जुमड़े ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ताओं ने वर्ष-1998 में गुरुजी के रूप में ग्राम पंचायतों के

शिक्षा गारंटी केंद्रों में अध्यापन का कार्य प्रारंभ किया था। वर्ष-2008 तक 500 रुपये प्रतिमाह के मानदेय पर कार्य करते रहे। 17 अप्रैल, 2008 को मानदेय में बढ़ोत्तरी कर 2875 रुपये मासिक कर दिया गया। 19 दिसंबर, 2008 को व्यापमं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले गुरुजियों को पांच, अक्टूबर, 2009 से संविदा शाला शिक्षक के रूप में नियुक्ति दे दी गई। आगे चलकर सहायक अध्यापक संवर्ग के रूप में वेतनमान अभिवृद्धि की गई। जिला पंचायत सीईओ के आदेश पर याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति 17 सितंबर, 2008 से मानी गई। लेकिन 22 जुलाई, 2024 को जिला शिक्षा अधिकारी, छिंदवाड़ा ने वर्ष-2010 से संविदा पर प्रथम नियुक्ति आदेश मानकर 2022 में 12 वर्ष की सेवा गणना कर प्रथम क्रमोन्नति दी। इस वजह से दो वर्ष का नुकसान हो गया। अन्य जिलों में व्यापमं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले गुरुजियों को परीक्षा उत्तीर्ण करने की तिथि से लाभ मिला है। इसी भेदभाव के विरुद्ध याचिका दायर की गई है।

हाई कोर्ट ने पीवी रेड्डी आयोग की रिपोर्ट लागू न करने पर मांगा जवाब

12 वर्ष में पेंशन सारांशीकृत न किए जाने को चुनौती का मामला

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने पीवी रेड्डी आयोग की रिपोर्ट लागू न करने और 12 वर्ष में पेंशन सारांशीकृत न किए जाने के रवैये को चुनौती के मामले में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी किया गया है। जवाब के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त सब इंजीनियर रमेश कुमार यादव सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता सेवानिवृत्त शासकीय कर्मी हैं और विगत 12 वर्ष से पेंशन का लाभ ले रहे हैं। भारत सरकार के निर्देश पर पीवी रेड्डी आयोग ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें पेंशन सारांशीकरण की अवधि 15 वर्ष से घटाकर 12 वर्ष करने की अनुशंसा की थी। अन्य प्रदेशों की सरकारों से अनुशंसा का पालन करते हुए पेंशन सारांशीकरण कर दिया है लेकिन मध्य प्रदेश में ऐसा अब तक नहीं किया गया। इस वजह से याचिकाकर्ताओं सहित अन्य पेंशनरों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। अपेक्षाकृत कम पेंशन प्राप्त हो रही है। हाई कोर्ट ने प्रारंभिक तर्क सुनने के बाद सरकार से जवाब मांग लिया।

छह सौ नए अधिवक्ता नामांकित छह की सनद हुई बहाल

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल की नामांकन समिति-ए की बैठक शनिवार को आयोजित हुई। इस दौरान स्टेट बार के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सैनी व कोषाध्यक्ष मनीष तिवारी ने छह सौ नए अधिवक्ताओं को नामांकित किया। जबकि छह अधिवक्ताओं की निलंबित सनद यानि वकालत का लाइसेंस बहाल कर दिया गया। स्टेट बार के वाइस चेयरमैन सैनी ने नव नामांकिन वकीलों को सलाह दी कि स्टेट बार के नियम-145 के अंतर्गत स्टेट बार से मान्यता प्राप्त एक अधिवक्ता संघों में नामांकन तिथि से तीन माह के भीतर सदस्यता प्राप्त कर लें। ऐसा करना अनिवार्य है। जो सदस्यता नहीं लेंगे उनको मेडिकल व मृत्युदावा सहित अन्य किसी भी कल्याणकारी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। नवीन अधिवक्ताओं को आनलाइन डिक्लेरेशन फार्म भरना भी अनिवार्य है। जब तक आनलाइन डिक्लेरेशन फार्म नही भरा जाता, अधिवक्ता नान-प्रेक्टिशनर की श्रेणी में आता है। इस अवसर पर परिषद के परिषद की कार्यकारी सचिव गीता शुक्ला, नामाकंन प्रभारी देवेन्द्र पांडे व अंकित सेन भी उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट की युगल पीठ ने एकल पीठ के आदेश पर लगाई रोक

लोकायुक्त में शिकायत के आधार पर चार्ज देने से नहीं कर सकते मना

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल व न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की युगलपीठ ने अपने एक महत्वपूर्ण अंतिरम आदेश में साफ कि लोकायुक्त में शिकायत दर्ज होने के आधार पर चार्ज देने से मना करना उचित नहीं है। लिहाजा, एकलपीठ के पूर्व आदेश पर रोक लगाई जाती है। साथ ही राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया जाता है। अपीलकर्ता निवाड़ी निवासी आरडी वर्मा की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता जिला शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत है। उसने हाई कोर्ट की एकलपीठ द्वारा एक अन्य जिला शिक्षा अधिकारी अन्वेष श्रीवास्तव की याचिका में स्थानांतरण आदेश पर रोक लगाए जाने के आदेश को चुनौती दी है। उसका मुख्य तर्क यही है कि महज लोकायुक्त में शिकायत दर्ज होने के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी का चार्ज लेने पर रोक लगा दी गई, जो कि अनुचित है। नियमानुसार महज शिकायत दर्ज होने या नोटिस जारी होने के कारण इस तरह चार्ज लेने से वंचित नहीं किया जा सकता। हाई कोर्ट ने तर्क से सहमत होकर एकलपीठ के पूर्व आदेश पर रोक लगा दी। साथ ही राज्य शासन व अन्वेष श्रीवास्तव सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब कर लिया।

सुबह और रात शीतल बयार बरकरार

पशिचमी विक्षोभ से फिर उछला पारा

जबलपुर। पश्चिमी विक्षोभ फिर से प्रभावी हो गया। दिन का तापमान उछाल लेने लगा। पश्चिमी विक्षोप से सूर्य की तपन तीखी हो गई है। लेकिन सुबह और शाम को हवाओं में ठण्डक का अहसास बरकरार है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोप की वजह से मौसम में फिर बदलाव आया, अभी पारा दो दिन औसत से नीचे चला, अब धीरे धीरे उछाल ले रहा है। अभी 4-5 दिन तक पारा ऊपर जाएगा। सुबह और रात ठंडक बनी रहेगी।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक कड़ाके की ठण्ड से लोगों को राहत मिली है। उत्तरी हवाएं सुबह और रात में शीतलहर ठण्ड का अहसास करा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अभी मौसम का स्वभाव ऐसा ही बना रहेगा। पिछले

24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 26.05 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 08.06 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 70 प्रतिशत और सायंकाल 33 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 6.46 बजे और सूर्यास्त शाम 6.03 बजे हुआ। उत्तरी पश्चिमी हवायें 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे 4.5 डिग्री तापमान शहडोल जिले में दर्ज किया गया। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 23.09 और न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री दर्ज किया गया। अगले 24 घंटों के दौरान जिले का मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना जताई गई है।

पूर्व आदेश के बावजूद भुगतान सुनिश्चित न करने का मामला

हाई कोर्ट ने डीजीपी कैलाश मकवाना सहित अन्य से मांगा स्पष्टीकरण

जबलपुर। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अचल कुमार पालीवाल की एकलपीठ ने पूर्व आदेश के बावजूद भुगतान सुनिश्चित न किए जाने के रवैये को गंभीरता से लिया। इसी के साथ डीजीपी कैलाश मकवाना व कटनी के एसपी अभिजीत कुमार रंजन को अवमानना नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब कर लिया।

अवमानना याचिकाकर्ता कटनी निवासी सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक आरए तिवारी की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता ने वेतन से वंचित किए जाो के रवैये को एक याचिका के जरिए चुनौती दी थी। जिसकी सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने पूरे मामले पर गौर करने के बाद आदेश पारित किया था कि जिस तिथि से आरोप पत्र निरस्त किया गया, उस तिथि से बकाया वेतन प्रदान किया जाए। इसके लिए तीन माह की समय सीमा निर्धारित की थी। लेकिन अवधि निकलने के बावजूद आदेश का पालन नदारद रहा। इसीलिए अवमानना याचिका के जरिए पुनः हाई कोर्ट की शरण ली गई है। जनसेवा व देशभक्ति के ध्येय वाक्य के लिए समर्पित रहे एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी को इस तरह वृद्धावस्था में परेशान करना सर्वथा अनुचित है।

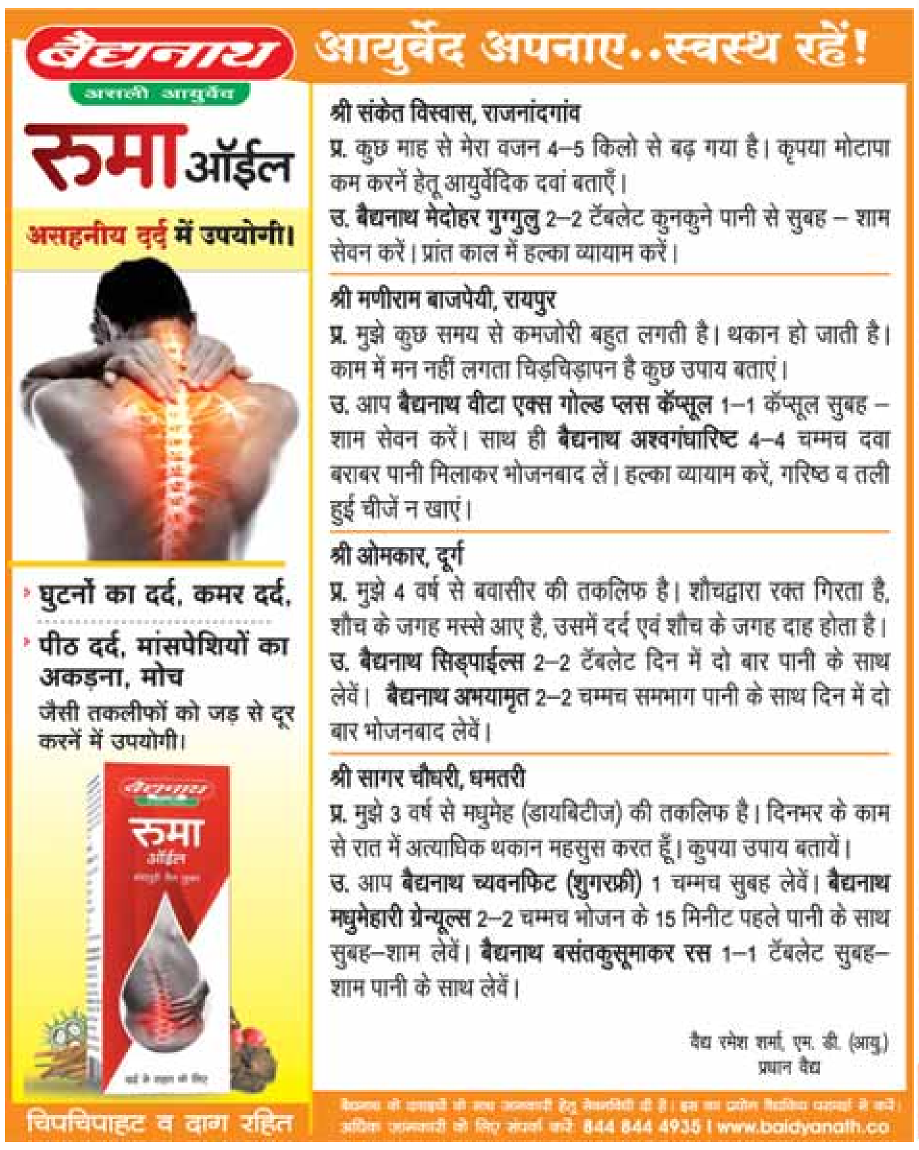

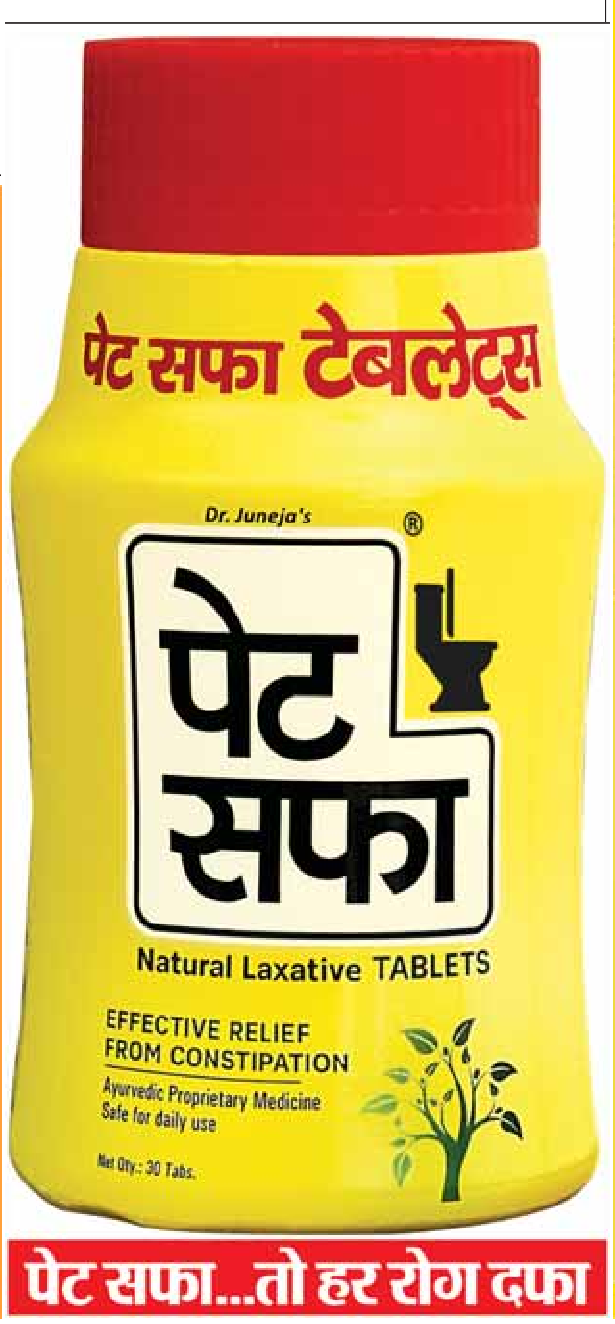

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240